THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 246 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.13 2081 गुरुवार, 28 नवंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तमिलनाडु से 2 दिन में टकरा सकता है फेंगल तूफान

चेन्नई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान आज चक्रवात में बदल गया है। अगले दो दिन यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस दौरान 75-80 Kmph की स्पीड से हवाएं चलेंगी।

चेन्नई, चेंगलपेट, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, कुड्डालोर, नागापट्टिनम में लगातार बारिश जारी है। इन 6 जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। चेन्नई में मंगलवार को 7 फ्लाइट्स लेट हो गईं। तूफान के असर को लेकर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हाई-लेवल बैठक की। एनडीआरएफ की 7 टीमों को तिरुवरुर, मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और कुड्डालोर जिले में तैनात किया गया है।

'यह संविधान के साथ धोखा'

> आरक्षण का फायदा उठाने के लिए धर्मांतरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने धर्म परिवर्तन को लेकर अहम फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि बिना किसी धर्म पर सच्चा भरोसा करे सिर्फ आरक्षण का फायदा पाने के लिए किया गया मतांतरण संविधान के साथ धोखा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मिथल और आर महादेवन की बेंच ने 26 नवंबर को इससे जुड़े एक मामले में सुनवाई की।

दरअसल, यह पूरा मामला एक महिला सी. सेल्वारानी से जुड़ा है, जिसे एक ईसाई मां ने जन्म दिया था, हालांकि उसके पिता तब हिंदू थे और वल्लुवन जाति से आते थे, जो कि अनुसूचित जाति से आते थे। सेल्वारानी की आस्था शुरुआत से ही ईसाई धर्म में रही, लेकिन 2015 में उसने पुडुचेरी में उच्च संभागीय क्लर्क पद पर आवदेन के लिए खुद के हिंदू होने का दावा किया था और अपने लिए एससी सर्टिफिकेट की मांग की थी। इसी मामले पर दो जजों की बेंच ने सेल्वारानी की याचिका को नकारते हुए मद्रास हाईकोर्ट का 24 जनवरी का फैसला बरकरार रखा। उच्च न्यायालय ने इस मामले में सेल्वारानी की अनुसूचित जाति से जुड़े प्रमाणपत्र की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। जस्टिस महादेवन ने इस केस में बेंच की तरफ से 21 पन्नों का फैसला लिखा। इसमें उन्होंने दूसरे धर्म को अपनाने वालों को लेकर भी टिप्पणी की। जजों ने लिखा, 'कई लोग धर्मों के सिद्धांत और मान्यताओं से प्रभावित होकर उन्हें अपना लेते हैं।

हालांकि, अगर धर्मांतरण सिर्फ आरक्षण का फायदा लेने के लिए हो और इसमें आपकी कोई आस्था न हो, तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। क्योंकि इस तरह गलत उद्देश्य रखने वालों को आरक्षण का लाभ देकर आरक्षण की नीति और सामाजिक लोकाचार का मकसद ही खत्म हो जाएगा।' कोर्ट ने इसी के साथ ईसाई धर्म को मानने वाली महिला को अनुसूचित जाति का दर्जा देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि ऐसा करना संविधान के साथ धोखा करने जैसा होगा। कोर्ट ने पाया कि उसके सामने जो सबूत पेश किए गए, वह साफ तौर पर दिखाते हैं कि याचिकाकर्ता ईसाई धर्म का पालन करती है और नियमित तौर पर चर्च भी जाती है। इसके बावजूद वह सिर्फ नौकरी पाने के मकसद से हिंदू होने का दावा करती है और एससी समुदाय के सर्टिफिकेट की मांग करती है। इस तरह के दोहरे दावों का समर्थन नहीं किया जा सकता और वह खुद की पहचान हिंदू के तौर पर नहीं बता सकती। कोर्ट ने कहा कि दस्तावेजों से साफ होता है कि महिला अभी भी ईसाई धर्म ही मानती है और लोग भी उसे चर्च जाते देखने का दावा कर चुके हैं। बेंच ने कहा कि ईसाई धर्म मान चुके लोग अपनी जातीय पहचान खो देते हैं।

नौ जिलों में दो दिन और बढ़ा इंटरनेट पर प्रतिबंध

गृह विभाग ने जारी किया आदेश

इंफाल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने बुधवार को नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 29 नवंबर तक बढ़ा दिया। यह फैसला राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद लिया गया है। गृह विभाग की ओर से यह आदेश जारी किया गया। राज्य के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया, राज्य सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेर्जवाल और जिरिबाम जिलों में मोबाइल इंटरनेट और डाटा सेवाओं सहित वीएसटी और वीपीएन को जनता के हित में अगले दो दिनों तक निलंबित रखने का फैसला लिया है। 16 नवंबर को राज्य में हिंसा बढ़ने के बाद प्रशासन ने इंटरनेट सेवाओं को दो दिन के लिए निलंबित किया था, ताकि असामाजिक तत्वों के ऐसे कंटेंट का प्रसार रोका जा सके, जो कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकते थे।

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा

> कोर्ट ने याचिका मंजूर कर सभी पक्षकारों को भेजा नोटिस

अजमेर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में स्थित प्रसिद्ध दरगाह को हिंदू मंदिर बताने वाली याचिका को निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया है. कोर्ट ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी करते हुए 5 दिसंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय की है. दरअसल, हिंदू सेना के विष्णु गुप्ता ने अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को हिंदू पूजा स्थल होने की याचिका कोर्ट में दायर की थी। याचिका पर बुधवार को अजमेर पश्चिम सिविल जज सीनियर डिविजन मनमोहन चंदेल की कोर्ट ने सुनवाई की. इस दौरान वादी विष्णु गुप्ता के वाद पर न्यायाधीश मनमोहन चंदेल ने संज्ञान लेते हुए दरगाह कमेटी ,अल्पसंख्यक मामलात व एएसआई को समन नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और अगली तारीख पर पेश रहने को बुलाया।

दरगाह को हिंदू मंदिर बता रहे हिंदू संगठन

हिंदू संगठन लंबे समय से अजमेर दरगाह को मंदिर बता रहे हैं. साल 2022 में हिंदू संगठन महाराणा प्रताप सेना ने इसके मंदिर होने का दावा करते हुए तत्कालीन राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इसकी जांच कराने के लिए कहा था. महराणा प्रताप सेना के पदाधिकारियों ने एक तस्वीर भेजी थी, जिसमें अजमेर दरगाह की खिड़कियों पर स्वस्तिक के निशान होने का दावा किया गया था.

संगठन के संस्थापक राजवर्धन सिंह परमार ने दावा किया था कि अजमेर दरगाह एक शिव मंदिर था जिसे दरगाह बना दिया गया।

अश्विनी वैष्णव बोले-वल्गर कंटेंट रोकने के लिए सख्त कानून बने

> जहां से ये कंटेंट आ रहा, वहां की और हमारी संस्कृति में बहुत अंतर

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर वल्गर कंटेंट की रोकथाम के लिए सख्त कानून बनाने की बात कही। वैष्णव ने कहा-जिन देशों से ऐसे कंटेंट आते हैं, उनकी संस्कृति हमसे काफी अलग है। वैष्णव ने कहा-वल्गर कंटेंट की रोकथाम के लिए पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी को इस विषय पर ध्यान देने और कानून को सख्त करने की जरूरत है। वैष्णव ये बात बुधवार को संसद सत्र के दूसरे दिन लोकसभा सांसद अरुण गोविल के पूछे गए सवाल के जवाब में कही। गोविल ने सोशल मीडिया पर वल्गर कंटेंट से युवाओं पर पड़ रहे असर और इसकी रोकथाम के लिए सरकार की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए थे। सांसद गोविल ने सदन में पूछा कि वल्गर कंटेंट को रोकने के लिए मौजूदा तंत्र क्या है? और क्या सरकार इन कानूनों को और सख्त करने का प्रस्ताव कर रही है? इसके जवाब में वैष्णव ने कहा- सोशल मीडिया के युग में एडिटोरियल चेक होना समाप्त हो गया है। पहले प्रेस से जो कुछ भी छपता था, उसे चेक किया जाता था कि यह सही है या गलत, और फिर उसे मीडिया में लाया जाता था। उन्होंने कहा कि एडिटोरियल चेक के खत्म होने के कारण आज सोशल मीडिया एक तरफ फ्रीडम ऑफ प्रेस का बहुत बड़ा माध्यम बन गया है।

संसद सत्र का दूसरा दिन : अडाणी मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा

राहुल बोले-उन्हें जेल में होना चाहिए, सरकार बचा रही

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अडाणी मुद्दे पर हंगामा किया। 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। विपक्ष ने यूपी के संभल में हिंसा का मुद्दा भी उठाया। जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों को 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। राहुल गांधी ने संसद के बाहर कहा कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। दरअसल, 21 नवंबर को यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस की ओर से कहा गया था कि अडाणी ने भारत में सोलर एनर्जी से जुड़ा कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) की रिश्वत दी या देने की योजना बना रहे थे। इस पर बुधवार को अडाणी ग्रुप ने साफ किया है कि चेयरमैन गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और सीनियर एग्जीक्यूटिव विनीत जैन पर अमेरिका में रिश्वत से जुड़े कोई आरोप नहीं हैं।

लॉरेंस के दुश्मन बंबीहा गैंग पर कसा एनआईए का शिकंजा

3 राज्यों में 9 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के दुश्मन बंबीहा गैंग के खिलाफ एनआईए ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस गैंग के एक गैंगस्टर अर्श डाला के कनाडा में गिरफ्तारी के बाद हिंदुस्तान में जांच एजेंसियों ने कई ठिकानों पर छापेमारी की है। टेररिस्ट-गैंगस्टर सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में दविंदर बंबीहा गिरोह के सहयोगियों से जुड़े 9 से अधिक ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की है। एनआईए की टीमों ने हरियाणा के पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम-पंजाब के जालंधर और उत्तर प्रदेश के मथुरा में कई ठिकानों पर छापेमारी कर मोबाइल/डिजिटल डिवाइस, बैंकिंग लेनदेन और संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की हैं। ये तलाशी एनआईए द्वारा भारत में हथियार, गोला-बारूद, नशीले पदार्थ, विस्फोटक आदि की तस्करी करने की आपराधिक साजिशों में लिप्त आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई का हिस्सा था।

एनआईए ने बंबीहा गैंग के दो शूटरों हैरी मौर और हैरी राजपुरा को 23 नवंबर 2023 को गिरफ्तार किया था। इनको पनाह देने वाले एक अन्य आरोपी राजीव कुमार को 12 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया था. हैरी मौर और हैरी राजपुरा स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहे थे। तीनों ने गैंगस्टर अर्श डाला के निर्देश पर कई आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बनाई थी।

'हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रोको'

> बांग्लादेश में चिन्मय दास की गिरफ्तारी पर भड़के पवन कल्याण

अमरावती, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे और इस्कॉन मंदिर से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद हालात खराब होते जा रहे हैं। उनके जेल जाने की खबरों के बाद से लगातार हंगामा जारी है। भारत का पड़ोसी देश इस समय सांप्रदायिक आग में झुलस रहा है। हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों पर आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम ने चिंता जताई। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार से हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने का आग्रह किया।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बांग्लादेश पुलिस द्वारा हिंदू धर्मगुरु और इस्कॉन के प्रमुख पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने कहा कि आइए मिलकर चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी की निंदा करें। हम मोहम्मद यूनुस की बांग्लादेश सरकार से आग्रह करते हैं कि वे हिंदुओं पर अत्याचार रोकें।

'हमारे जवानों ने अपना खून बहाया'

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के गठन के लिए हमारे जवानों ने अपना खून बहाया है, हमारे संसाधन खर्च हुए हैं, हमारे जवान शहीद हुए हैं। हमारे हिंदू भाइयों और बहनों को जिस तरह से निशाना बनाया जा रहा है, उससे हम व्यथित हैं। हम संयुक्त राष्ट्र से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हैं।

भारत ने भी की थी चिन्मय दास की गिरफ्तारी की निंदा

भारत के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा था कि हम बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत नहीं देने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। यह मामला बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को लगातार निशाना बनाए जाने के बीच सामने आया है। अल्पसंख्यकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी और तोड़फोड़ और हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले सामने आए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा था, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले अपराधियों की बजाय, शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें रखने वाले एक हिंदू पुजारी के खिलाफ देशद्रोह का आरोप लगाया जा रहा है। हम चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों पर भी चिंता व्यक्त करते हैं। हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी शामिल है।'

राज्यसभा में विपक्ष पर भड़के सभापति धनखड़

30 वर्षों में कभी इतने स्थगन प्रस्ताव नहीं मिले

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। गौतम अदाणी के मुद्दे पर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है और संसद की शीतकालीन सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। बुधवार को भी विपक्ष के हंगामे के चलते संसद की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को विपक्ष के रवैये पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि उच्च सदन के सदस्यों को सदन की परंपरा का पालन करने की जरूरत है।

स्थगन प्रस्ताव को लेकर नाराज हुए सभापति

दरअसल बुधवार को विपक्ष के कई सांसदों ने स्थगन प्रस्ताव पेश किया। जब उच्च सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरा हमेशा इस बात पर जोर होता है कि उच्च सदन की स्थापित परंपराओं का पालन किया जाए। राज्यसभा सभापति के फैसले का सम्मान करने की जरूरत है। सदन के नियम 267 (स्थगन प्रस्ताव) के तहत इतने कई प्रस्ताव मिले हैं। बीते 30 वर्षों के कार्यकाल को देखें तो इस दौरान कई सरकारें और प्रशासन सत्ता में आए, लेकिन कभी भी प्रस्तावों की संख्या एकल अंक से ज्यादा नहीं रही। इसके बाद सभापति ने किसी स्थगन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी, जिसके बाद विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया और सदन की कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को आम आदमी पार्टी के एक सांसद ने नोटिस देकर दिल्ली की कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते अपराधों पर चर्चा की मांग की।

'विकसित भारत' का सपना स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर निर्भर

संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि का बयान

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि समन्वयक शॉम्बी शार्प ने कहा है कि 'विकसित भारत' का सपना तभी पूरा हो सकता है, जब स्कूलों में बच्चों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाए। शॉम्बी शार्प ने कहा कि भारत के 26.52 करोड़ छात्रों में बदलाव के प्रेरक बनने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने समावेशी और शांतिपूर्ण समाज बनाने में गुणवत्तापूर्ण और मूल्यों पर आधारित शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र के मादक पदार्थ और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने बुधवार को अपने 'राइजअप4पीस' शैक्षिक पहल के बारे में बयान जारी किया। यह पहल युवाओं को नकारात्मक प्रभावों, नई कमजोरियों और जोखिमपूर्ण व्यवहारों का विरोध करने के लिए जागरूक और सशक्त बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री की तरफ से कल्पित 'विकसित भारत' का सपना तभी साकार होगा जब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा मिले।

सुप्रीम कोर्ट ने पार्थ चटर्जी की जमानत को लेकर ईडी से पूछे सवाल

> कहा-बिना ट्रायल के हिरासत में कब तक

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी दो साल से अधिक समय से राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले मामले में जेल में बंद हैं। ऐसे में, चटर्जी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा सवाल उठाया। उसने ईडी से पूछा कि आरोपी को बिना ट्रायल के लंबे समय तक हिरासत में कब तक रखा जा सकता है?

'दो साल से अधिक समय से जेल में बंद'

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि चटर्जी दो साल चार महीने से जेल में बंद हैं और मामले की सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है। पीठ ने ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से पूछा, 'अगर हम जमानत नहीं देंगे तो क्या होगा? सुनवाई अभी शुरू होनी है, मामलों में 183 गवाह हैं। ट्रायल में समय लगेगा। हम उन्हें कब तक रख सकते हैं? यही सवाल है। यहां एक ऐसा मामला है जहां दो साल से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे मामले में संतुलन कैसे बनाया जाए।' शीर्ष अदालत ने कहा कि इस बात को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते कि पूर्व मंत्री के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। पीठ ने एसजी से पूछा, 'अगर अंत में उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाता है, तो क्या होगा? ढाई से तीन साल तक इंतजार करना कोई छोटी अवधि नहीं है। आपकी दोषसिद्धि दर क्या है? अगर सजा की दर 60-70 फीसदी होती तो समझ में आता है लेकिन सजा की दर बहुत कम है।'

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ चटर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल में सहायक प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में रिश्वतखोरी के आरोपों पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान चटर्जी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा, याचिकाकर्ता जमानत चाहता है और उसे 23 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। मामले में अभी तक ट्रायल शुरू नहीं हुआ है। इस केस में 183 गवाह हैं और चार पूरक अभियोजन शिकायतें हैं। उनकी उम्र 73 साल है। वह एक मंत्री थे जिन पर नकदी के लिए नौकरी के मामले में आरोप लगाया गया था। पीएमएलए के तहत कारावास की अवधि सात साल हो सकती है और उन्होंने ढाई साल जेल में बिताए हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'हम उनको कितने समय तक सलाखों के पीछे रख सकते हैं। यह ऐसा मामला है जिसमें करीब दो साल चार महीने बीत चुके हैं और सुनवाई शुरू होने में भी समय लगता है। हम जानते हैं कि यह आपके लिए एक बहुत बड़ा और मैराथन काम है।

इस्राइल-लेबनान युद्धविराम का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने इस्राइल और लेबनान के बीच में संघर्ष विराम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम हमेशा से तनातनी खत्म करने, संयम बरतने और बातचीत तथा राजनयिक कूटनीति अपनाने पर बल देते रहे हैं। हमें लगता है कि इस घटनाक्रम से क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल और लेबनान स्थित हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम बुधवार सुबह शुरू हुआ। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम इस्राइल और लेबनान के बीच घोषित संघर्ष विराम का स्वागत करते हैं। हमने हमेशा तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। हमें उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों से व्यापक क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी। अक्टूबर की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की थी।

नवीन पटनायक की पार्टी ने किया विरोध कहा-मुसलमानों से नहीं ली गई राय

वक्फ बिल 29 नवंबर को फिर से किया जाएगा पेश?

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। सत्र की कार्यसूची में वक्फ (संशोधन) विधेयक भी शामिल है। जिसे पिछले सत्र में जेपीसी को सौंपा गया था और काफी हंगामा भी देखने को मिला था। आज भी विपक्ष ने बिल पर जेपीसी की बैठक का बहिष्कार किया। विपक्षी नेताओं ने बैठक को बीच में ही छोड़ दिया और कहा कि अध्यक्ष ने 29 नवंबर को जेपीसी की वक्फ (संशोधन) रिपोर्ट का मसौदा पेश करने की घोषणा की थी जिसका सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार किया है।

इस मामले से जुड़ा अपडेट यह है कि बीजू जनता दल (बीजेडी) ने कानून में प्रस्तावित बदलावों के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया है और आरोप लगाया है कि मुस्लिम समुदाय से इस बारे में परामर्श नहीं किया गया।

विपक्ष ने क्यों किया जेपीसी की मीटिंग का बहिष्कार?

कांग्रेस सांसद और जेपीसी सदस्य गौरव गोगोई ने इस सवाल के जवाब में कहा, हमने दो महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, स्पीकर (लोकसभा) से हमें जो आश्वासन मिला था, उसे जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है। इसका मतलब है कि सरकार और स्पीकर के बीच संतुलन नहीं है। मुझे लगता है कि कोई बड़ा केंद्रीय मंत्री जेपीसी के अध्यक्ष को निर्देश दे रहा है। दूसरी बात यह है कि प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और अध्यक्ष ने कहा है कि रिपोर्ट तैयार है।

बीजेडी ने क्या कहा?

नवीन पटनायक की पार्टी का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब विपक्षी सांसदों ने प्रस्तावित कानून पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के कार्यकाल को बढ़ाने की मांग की है। जून में बीजद ने पहली बार वक्फ अधिनियम 1995 में प्रस्तावित संशोधनों का विरोध किया था। सोमवार को बीजेडी ने फिर से विधेयक को लेकर विरोध को दोहराया। ओडिशा में दो दशक बाद सत्ता से बेदखल हुई बीजेडी ने लोकसभा में भी अपनी ताकत खो दी है, संसद के निचले सदन में एक भी सीट नहीं बचा पाई है। राज्यसभा में बीजेडी के सात सांसद हैं। बीजेडी के राज्यसभा सांसद मुजीबुल्ला खान ने प्रस्तावित संशोधन को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे प्रावधानों से पक्षपात, दुरुपयोग और वक्फ बोर्डों के अधिकार कमजोर हो सकते हैं।

एकनाथ शिंदे बोले- भाजपा का सीएम हमें मंजूर:पद की लालसा नहीं

जब मुख्यमंत्री था तब मोदी साथ खड़े रहे, जो फैसला लेंगे स्वीकार

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का अगला सीएम भाजपा का हो सकता है। बुधवार को ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं। जब मैं मुख्यमंत्री था तब मोदी जी मेरे साथ खड़े रहे। अब वो जो फैसला लेंगे स्वीकार होगा। शिंदे ने कहा- मैंने कल (26 नवंबर) मोदी जी को फोन किया था हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, मन में कोई अड़चन न लाएं। हम सब एनडीए का हिस्सा हैं। भाजपा की बैठक में जो फैसला लिया जाएगा, हमें मंजूर होगा। कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं बनेंगे। शिंदे बोले, मैं कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। यह जनता की विजय है। समर्थन के लिए जनता को धन्यवाद। इलेक्शन के वक्त सुबह 5 बजे तक काम करते थे। सभी कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की।

1. मैं आम आदमी, कभी खुद को सीएम नहीं समझा

एकनाथ शिंदे ने कहा, आम आदमी को क्या समस्या आती है, वो मैं समझता हूं। मैंने कभी भी अपने आप को मुख्यमंत्री नहीं समझता। मैंने हमेशा आम आदमी बनकर काम किया। मैं देखता आ रहा हूं कि कुटुम्ब को कैसे चलाया जाता है। मैंने सोचा था कि जब मेरे पास अधिकार आएंगे तो जो परेशान हैं, उनके लिए योजनाएं लाएंगे।

2. मैं आपका लाडला भाई, ये लोकप्रियता ज्यादा अच्छी

शिंदे ने कहा, जब सीएम था, जब लोगों को लगता था कि हमारे बीच का मुख्ममंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। राज्य की बहनें और भाई अब खुश हैं। बहनों ने मेरा साथ दिया और मेरी रक्षा की, अब मैं उनका लाडला भाई हूं, यह पहचान अच्छी है।

3. राज्य को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र का साथ जरूरी

एकनाथ शिंदे बोले, हमने ढाई साल सरकार चलाई। इस दौरान केंद्र सरकार हमारे साथ मौजूद रही, खड़ी रही। हमारे हर प्रस्ताव को उसका समर्थन मिला। राज्य को चलाने के लिए केंद्र सरकार का साथ जरूरी है।

4. हम अड़चन नहीं, पूरी शिवसेना को मोदीजी का फैसला स्वीकार

शिंदे ने कहा, मैंने मोदीजी-शाहजी को फोन किया। मैंने उनसे कहा कि आपका जो भी फैसला होगा, हमें स्वीकार है। भाजपा की बैठक में आपका कैंडिडेट चुना जाएगा, वो भी हमें स्वीकार है। हम सरकार बनाने में अड़चन नहीं है। आप सरकार बनाने को लेकर जो फैसला लेना चाहते हैं, ले लीजिए। शिवसेना और मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं है।

5. मोदी-शाह ढाई साल चट्टान की तरह साथ खड़े रहे

उन्होंने कहा, हमने ढाई साल सरकार चलाई। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने मुझ जैसे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी दी। ढाई साल तक दोनों चट्टान की तरह हमारे साथ खड़े रहे। मुझ से कहा कि आप जनता का काम करो और हम आपके साथ हैं।

6. मुझे पद की लालसा नहीं, महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं

एकनाथ शिंदे ने कहा, ₹मुझे पद की लालसा नहीं। हम लड़ने वाले लोग नहीं हैं। हम काम करने वाले लोग हैं। मैंने पीएम और गृह मंत्री से भी कह दिया है कि महाराष्ट्र में कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है, कोई नाराज नहीं, कोई गायब नहीं है। यहां कोई मतभेद नहीं है। एक स्पीड ब्रेकर था वो था महा विकास अघाड़ी, वो हटा दिया है। 28 नवंबर को महायुति के तीनों दलों के नेताओं की दिल्ली में बैठक होगी। संभव है कल फडणवीस के नाम पर सीएम की मुहर लग जाए। केंद्र में जाने के सवाल पर शिंदे ने कहा- वे महायुति सरकार के साथ हैं। राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे।

एकनाथ शिंदे बोले- मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया

शिंदे ने कहा- लोगों को लगता है कि हमारे बीच का मुख्ममंत्री है। घर हो, मंत्रालय हो, लोग आकर मिलते हैं। मैं हर व्यक्ति से मिलता हूं। मेरी जो पहचान मिली है, वो आपकी वजह से है। मैंने लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया। ढाई साल तक केंद्र सरकार खड़ी रही। अगर राज्य को आगे लेकर जाना है तो केंद्र सरकार का साथ बहुत जरूरी है।

शिंदे बोले- मैं सबका लाडला भाई हूं, बहनों ने मुझे याद रखा

एकनाथ शिंदे ने कहा- चुनाव हुए और उसकी नतीजे आए, हमारे काम की बदौलत ऐतिहासिक नतीजा आया। मैं सबका लाडला भाई हूं। बहनों ने मुझे याद रखा और मेरी रक्षा की। मुझे हर चीज का पता है। कोई नाराज है कोई कहां गया ये मत पूछिए। इतनी बड़ी जीत है, ये ऐतिहासिक है। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं, हमने जी-तोड़ मेहनत की है।

ईवीएम फ्रॉड न होता तो...

बीजेपी को 25 सीटें भी नहीं मिलती संजय राउत का बड़ा बयान

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र चुनाव में मिली करारी हार के बाद महा विकास अघाड़ी के नेता लगातार ईवीएम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ताजा बयान उद्धव गुट के सांसद संजय राउत का है। राउत ने ईवीएम को फ्रॉड बताया है। उन्होंने कहा कि, हम पिछले 10 साल से इस पर सवाल उठा रहे हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब बीजेपी ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे। उद्धव गुट के इस नेता ने कहा कि इस देश में ईवीएम एक धोखा है और अगर ईवीएम नहीं होगी तो बीजेपी को पूरे देश में 25 सीटें भी नहीं मिलेंगी। उन्होंने आगे कहा कि जिस से महाराष्ट्र और हरियाणा के नतीजे आए हैं, हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं, बैलट पेपर पर चुनाव कीजिए और उसके जो नतीजे आएंगे हम उसे मानेंगे। जिस संसद में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने से नेता प्रतिपक्ष का माइक बंद कर दिया जाता है, वहां हमें क्या न्याय मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट हमें न्याय नहीं दे रहा है तो संसद हमें क्या न्याय देगी।

आरोपी आशीष मिश्रा पर गवाहों को धमकाने का आरोप

सुप्रीम कोर्ट सख्त, जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लखीमपुर खीरी हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल आशीष मिश्रा पर गवाहों को धमकाने के आरोप लगे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान आशीष मिश्रा के वकील सिद्धार्थ दवे से एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है, जिसमें आशीष मिश्रा पर लगे आरोपों पर सफाई मांगी गई है। उल्लेखनीय है कि साल 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के दौरान आठ लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा का बेटा आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। फिलहाल आशीष मिश्रा जमानत पर बाहर है। अब एक शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि आशीष मिश्रा द्वारा गवाहों को डराया-धमकाया जा रहा है।

तस्करी का अनोखा तरीका, क्रीम की डिब्बी में छिपाकर ला रहा था सोना अधिकारियों ने पकड़ा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। जब एक यात्री के पास से एक क्रीम की डिब्बी में सोने मिला। खुफिया जानकारी के आधार पर, रियाद से दिल्ली जा रहे एक यात्री को बीती दिन दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने रोका था। अधिकारियों को जांच के दौरान एक्स-रे में कुछ संदिग्ध तस्वीर दिखी। बैगेज की आगे की जांच में एक सिल्वर रंग की पट्टी बरामद हुई, जिसके सोने होने का अनुमान है। जिसका कुल वजन 117.00 ग्राम था। जिसे क्रीम बॉक्स में छिपाकर रखा गया था।

वन विभाग ने आदमखोर गुलदार को किया ढेर

घनसाली-भिलांगना के तीन मासूमों को बनाया था निवाला

टिहरी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। घनसाली-भिलांगना ब्लॉक के हिंदाव क्षेत्र में तीन मासूमों को अपना निवाला बनाने वाले आदमखोर गुलदार को वन विभाग की टीम ने देर रात को ढेर कर दिया। विगत एक माह से विभागीय शूटरों की टीम आदमखोर की तलाश में जुटी हुई थी, जिसे देर रात को भोड़गांव गदेरे में मार गिराया गया रेंजर आशीष नौटियाल ने बताया की गुलदार की उम्र लगभग सात वर्ष है और मादा गुलदार है।

वहीं गुलदार का पोस्टमार्टम कर शव को जला दिया जाएगा। आपको बता दें की हिंदाव क्षेत्र में विगत 22 जुलाई, 29 सितम्बर, 19 अक्टूबर को तीन मासूमों को अपना निवाला बना चूका था, जिससे गुलदार मारने को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बना हुआ था। लोगों में दहशत का माहौल बन गया था, आदमखोर गुलदार ढेर करने के आदेश मिलने के बाद वन विभाग ने शूटरों की टीम क्षेत्र में तैनाती की थी जिसके बाद उसे मार दिया गया।

पति को आया इतना गुस्सा कि दहेज के एक-एक सामान में लगा दी आग

ग्वालियर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर से पति-पत्नी के बीच विवाद का एक अनोखा मामला सामने आया है। पत्नी से चल रहे विवाद से नाराज होकर पति ने दहेज में मिले घर के सामान को बाहर निकालकर उसमें आग लगा दी, जो पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना के दौरान पति वहीं पर शांति से टहलता रहा, जबकि आग की लपटें बढ़ने पर आस-पास के लोग माजरा देखकर बाहर निकल आए और वीडियो बना लिया, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर का सामान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। दरअसल, ग्वालियर शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर इलाके में रहने वाले श्रीराम कुशवाह का अपनी पत्नी रजनी कुशवाह से आये दिन विवाद होता रहता था।

कांग्रेस ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर जताई चिंता

कहा- भारत सरकार उठाए जरूरी कदम

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने उत्पन्न असुरक्षा के माहौल और हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर गहरी चिंता व्यक्त की। एक बयान में पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उम्मीद करती है कि भारत सरकार बांग्लादेश सरकार पर आवश्यक कदम उठाने तथा देश में अल्पसंख्यकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालेगी। उन्होंने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के समक्ष उत्पन्न असुरक्षा के माहौल पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करती है। इस्कॉन भिक्षु की गिरफ्तारी इसका ताजा उदाहरण है। मंगलवार को सुरक्षाकर्मियों और दास के अनुयायियों के बीच झड़प के दौरान एक वकील की मौत हो गई थी, जिन्हें बांग्लादेश के बंदरगाह शहर चटगाँव की एक अदालत ने राजद्रोह के एक मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था और जेल भेज दिया था। बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता दास को एक दिन पहले ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। भारत ने मंगलवार को हिंदू नेता की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा पड़ोसी देश के प्राधिकारियों से हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बांग्लादेश ने विदेश मंत्रालय के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह निराधार है और दोनों देशों के बीच मित्रता की भावना के विपरीत है। अपने बयान में ढाका ने कहा कि वह देश की न्यायपालिका में हस्तक्षेप नहीं करता है, जो पूरी तरह से स्वतंत्र है।

चिन्मय को भेजा गया जेल

बता दें कि एक अदालत ने चिन्मय को जमानत देने से इन्कार कर दिया है और इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। चिन्मय को देशद्रोह के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। चटगांव के छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम की अदालत ने जेल भेजने का आदेश दिया। चिन्मय को जमानत नहीं मिलने पर उनके समर्थकों ने अदालत परिसर में जय श्रीराम समेत कई नारे लगाए।

राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप

चिन्मय ने अपने समर्थकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। इधर, बांग्लादेशी साइबर अपराधी इस्कान के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों को निशाना बना रहे हैं। बता दें कि 30 अक्टूबर को चटगांव के कोतवाली थाने में चिन्मय समेत 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाया गया था।

अजान सुनकर मंत्री जी ने रोक दिया अपना भाषण पढ़ा कलमा; दी ये नसीहत

सारंगपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सारंगपुर विधायक गौतम टेटवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने भाषण को अजान होने के समय पर सम्मान करते हुए बीच में रोक देते हैं। यही नहीं इसके बाद मंत्री जी कलमा भी पढ़ते हैं। इसके साथ वह 'वसुधैव कुटुंबकम्' का श्लोक भी पढ़ते हैं और लोगों को एक साथ मिलकर रहने की नसीहत देते हैं। दरअसल रोजगार विभाग के राज्यमंत्री गौतल टेटवाल मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ग्राम पंचायत मऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे, जहां पहले मंत्री जी ने करीब एक करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इसी बीच कार्यक्रम के दौरान शाम करीब 7:15 बजे (ईशा- रात को होने वाली अजान) अजान शुरू होने पर गौतम टेटवाल ने अपना भाषण बीच में रोक दिया। अजान पूरी होने के बाद उन्होंने कलमा और श्लोक पढ़ते हुए उनका मतलब समझाया। मंत्री ने मंच से कहा, "वह कहता है कि उसे डरो, वह एक है। नेक काम करो। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत' संपूर्ण भूमि गोपाल की है। वसुधैव कुटुंबकम् हमारी संस्कृति है।

26 सालों से 'फर्जी कागज' पर रह रहा था बांग्लादेशी

पर इस बार मुंबई एयरपोर्ट पर उसके सच का हो गया खुलासा

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया, जो पिछले 26 वर्षों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहा था। पुलिस ने यह जानकारी दी। आव्रजन अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की पहचान स्वप्न कुमार हरिपद मंडल के रूप में हुई है, जिसे शनिवार को रियाद जाने वाली उड़ान में चढ़ने से रोका गया। अधिकारियों ने बताया कि मंडल के पासपोर्ट विवरण में विसंगतियां देखी गईं, जिसके बाद उसे शक के आधार पर रोका गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि मंडल एक फर्जी भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल कर रहा था। अधिकारियों ने उसकी जांच की तो पाया कि वह पहले भी दो बार फर्जी पासपोर्ट के जरिए चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा कर चुका था। एक अधिकारी ने बताया, मंडल का पासपोर्ट जेद्दा में जारी किया गया था, लेकिन उसके बोलने के तरीके से अधिकारियों को संदेह हुआ। इसके बाद और पूछताछ में उसने बताया कि वह एक बांग्लादेशी नागरिक है और पिछले 26 वर्षों से अवैध रूप से भारत में रह रहा है।

पत्नी का भी फर्जी पासपोर्ट बरामद

जांच में यह भी सामने आया कि मंडल के पासपोर्ट में फर्जी विवरण दिए गए थे, जिसमें भारतीय दस्तावेजों का इस्तेमाल दिखाया गया था, जबकि उसका पता बांग्लादेश का था। इसके अलावा उसके पास से उसकी पत्नी का भी एक फर्जी पासपोर्ट बरामद हुआ। आव्रजन अधिकारियों ने मंडल को मुंबई पुलिस को सौंप दिया और पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

दो दिन से गायब है शख्स सेना ने तलाश में ड्रोन और खोजी कुत्ते भी किए तैनात

इंफाल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल घाटी के सीमांत इलाके से दो दिन पहले एक शख्स लापता हो गया। अब उसकी तलाश के लिए सेना ने एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। असम के कछार जिले के निवासी लैशराम कमलबाबू सिंह सोमवार दोपहर को कंगपोकपी के लेइमाखोंग सैन्य शिविर में काम करने के लिए घर से निकले थे और उसके बाद से उनका कोई पता नहीं पाया। अधिकारियों के अनुसार, लैशराम कमलबाबू सिंह इंफाल पश्चिम के खुखरुल इलाके में रहते थे और लेइमाखोंग सैन्य शिविर में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) के साथ कार्य पर्यवेक्षक के रूप में काम कर रहे थे। जब सिंह 25 नवंबर की शाम तक घर नहीं लौटे, तो उनके परिवार ने इसकी सूचना सेना को दी। इसके बाद सेना ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू करते हुए अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया, सीसीटीवी फुटेज को सावधानीपूर्वक खंगाला जा रहा है, उनके सहकर्मियों से बात की जा रही है और खोजी कुत्तों सहित गहन तलाशी अभियान शुरू किया गया है। इलाकों की गहन तलाशी के बावजूद न तो व्यक्ति और न ही उसका दोपहिया वाहन मिला है। प्रवक्ता ने बताया कि अभियान को तेज करते हुए सैन्य शिविर और आस-पास के गांवों में गहन तलाशी ली गई और ड्रोन व अन्य हवाई उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। इस बीच, सेना के अधिकारियों ने लापता व्यक्ति की तलाश के लिए क्षेत्र के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) से भी संपर्क किया है। राज्य पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है।

मौत से पहले दिया गया बयान होने चाहिए विश्वसनीय, एचसी ने माफ की उम्रकैद की सजा

जबलपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हत्या के आरोपी की आजीवन कारावास की सजा हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी है। हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ ने अपने अहम आदेश में कहा कि मृत्युपूर्व बयान की विश्वसनीयता दंड का आधार हो सकती है, लेकिन मृत्युपूर्व बयान के अलावा अपीलकर्ता के खिलाफ कोई अन्य साक्ष्य नहीं है। हरदा निवासी बंटी सिंह की ओर से दायर अपील में कहा गया था कि उसके चचेरे भाई की पत्नी हर्षा सिंह जुलाई 2012 में गंभीर रूप से जल गई थीं, जिनकी उपचार के दौरान अगस्त में मौत हो गई। मृत्युपूर्व बयान में मृतिका ने कहा था कि बंटी रात में उसके कमरे में आया और उसके पति के सामने कहने लगा कि वह उससे प्यार करता है और उसे अपने साथ ले जाएगा। इसके बाद बंटी ने रसोई में रखा केरोसिन उस पर डालकर आग लगा दी। चचेरा भाई होने के कारण उसके पति ने इसका विरोध नहीं किया। गंभीर रूप से जलने के बाद महिला ने बाथरूम में जाकर आग बुझाई और कपड़े बदले। पड़ोसियों के दबाव में पति ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि पति-पत्नी अपने मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में थे, जहां बिना किसी कृत्रिम साधन के चढ़कर नहीं जाया जा सकता था। अपीलकर्ता अगल-बगल के मकान में रहता था और जांच में यह पाया गया कि रसोई के अंदर केरोसिन नहीं था। पुलिस ने अपीलकर्ता समेत मृतिका के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ हत्या और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया था। न्यायालय ने अन्य आरोपियों को दोषमुक्त करते हुए अपीलकर्ता को मृत्युपूर्व बयान के आधार पर सजा दी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला के माता-पिता अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने पुलिस में किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं करवाई। मृतका के माता-पिता और पड़ोसियों ने यह पुष्टि नहीं की कि ससुराल पक्ष दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। युगलपीठ ने कहा कि इस बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि मृतिका ने अपने पति और ससुराल पक्ष को बचाने के लिए मनगढ़ंत कहानी गढ़ी हो। मृत्युपूर्व बयान के अलावा अपीलकर्ता के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होने के आधार पर, युगलपीठ ने जिला न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा को निरस्त करते हुए अपीलकर्ता को दोषमुक्त कर दिया।

शिकायतकर्ताओं को मिल रही धमकियों पर हाईकोर्ट सख्त

एसआईटी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश

तिरुवनंतपुरम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हेमा समिति की रिपोर्ट को लेकर केरल में लगातार विवाद जारी है। अब हाईकोर्ट ने न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट के खुलासे के बाद दर्ज मामलों की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) को एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। बता दें, अदालत ने यह फैसला शिकायतकर्ताओं को मिल रही धमकी भरे संदेशों की जांच के लिए लिया है। हेमा समिति की रिपोर्ट केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को सौंपे जाने के पांच साल बाद 19 अगस्त, 2024 को जारी की गई थी। चौंकाने वाली रिपोर्ट में शोषण, यौन उत्पीड़न, सत्ता के दुरुपयोग और लॉबिंग के बारे में काले कारनामे सामने आए। रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही कुछ महिलाएं अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ यौन दुराचार के आरोप लगाने के लिए आगे आईं।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल मामला 14 फरवरी, 2017 का है। जब एक लीडिंग मलयालम अभिनेत्री के साथ उन्हीं की कार में यौन उत्पीड़न किया गया था। वो उस वक्त अपने घर से कोच्चि जा रही थीं। इस दौरान कुछ लड़कों के एक समूह ने उन्हें अगवा कर लिया था और यौन उत्पीड़न किया। इस घटना की खबर आग की तरह पूरे राज्य में फैल गई थी। इससे लोग न केवल परेशान थे बल्कि काफी गुस्से में दिखाई दिए। आरोपियों का मकसद पीड़िता को ब्लैकमेल करना था। हालांकि, 10 आरोपियों में से छह को कुछ दिनों के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि, पॉपुलर एक्टर दिलीप को जुलाई में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की सुनवाई साल 2020 से चल रही है। घटना के बाद मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के ही कई लोगों ने इस मामले पर आवाज उठाई। वहीं, महिलाओं के साथ होने वाले भेदभावपूर्ण व्यवहार पर सबकी नजर पड़ी, जिसके बाद गठित वूमन इन सिनेमा कलेक्टिव (डब्ल्यूसीसी) ने मुख्यमंत्री को एक याचिका दी थी। इस दौरान इंडस्ट्री में जेंडर इश्यू पर जांच की मांग की गई थी। घटना के बाद पांच महीने का वक्त बीत चुका था। फिर जुलाई 2017 में राज्य सरकार ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न और जेंडर इनइक्वालिटी के मुद्दों पर विचार करने के लिए तीन सदस्यों की कमेटी का गठन किया। यह कमेटी रिटायर्ड केरल हाईकोर्ट जस्टिस के हेमा की अध्यक्षता में गठित हुई।

क्या है हेमा समिति रिपोर्ट?

इस समिति के तहत आयोग ने इंडस्ट्री में कई महिला प्रोफेशनल से बातचीत की। इस दौरान यौन उत्पीड़न, मजदूरी पर कीमत और काम से ब्लैकलिस्टिंग करने समेत दूसरे मुद्दों के बारे में रिकॉर्ड दर्ज किए गए। साल 2019, दिसंबर को मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को 300 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी गई। इसमें इन सभी मुद्दों को सपोर्ट करने के लिए डॉक्यूमेंट्स, ऑडियो और वीडियो के एविडेंस शामिल थे। आयोग ने इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के मुद्दों को उठाया, जबकि फिल्म सेट पर शराब और ड्रग्स का इस्तेमाल किए जाने को लेकर भी रिपोर्ट की गई थी। इस पर समिति ने रिपोर्ट में उठाए गए आरोपों की जांच के लिए एक न्यायाधिकरण के गठन की सिफारिश की।

रिपोर्ट जारी करने में हुई देरी

लगभग तीन साल तक इसे जारी करने पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस दौरान यह कहा गया कि आयोग को जांच आयोग अधिनियम, 1952 के तहत नियुक्त नहीं किया गया था। डब्ल्यूसीसी और दूसरे संगठनों ने इन सालों में कई आग्रह किए। मगर इसके बावजूद सरकार ने रिपोर्ट को जारी करने से इनकार कर दिया था। कल्चरल अफेयर्स मिनिस्टर साजी चेरियन ने विधानसभा को बताया था कि ऐसा करने से कई रेस्पोंडेंट की प्राइवेसी का उल्लंघन होगा। जनवरी 2022 में राज्य सरकार ने एक पैनल का गठन किया। मई 2022 में एक रिपोर्ट जारी की गई। इनमें जिन चीजों पर ध्यान दिया गया, वो है- इस सेक्टर में जॉब के कॉन्ट्रैक्ट को अनिवार्य बनाना, जॉब पर सभी जेंडर के लिए एक जैसे पैसे होना, शूटिंग लोकेशंस पर ड्रग्स और शराब के इस्तेमाल पर रोक और इस लोकेशंस पर महिलाओं के लिए सेफ वर्किंग कंडीशन रखना शामिल है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

जिन्दगी वही है जो आप अभी जी रहे हो कल जो जियोगे उसे उम्मीद कहते है!

परिवहन मंत्री ने गडकरी से मुलाकात की

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता) तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बुधवार को नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की।बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। प्रमुख रूप से तेलंगाना में केंद्रीय पोर्टल के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई। तेलंगाना के वाहन पंजीकरण प्रणाली को वाहन पोर्टल और ड्राइविंग लाइसेंस को सारथी पोर्टल के साथ एकीकृत करना, वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं की स्थापना, सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सरकारी और निजी स्कूलों में बच्चों के यातायात

जागरूकता पार्क स्थापित करने पर दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। पहले से दो पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) केंद्रों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। 37 स्वचालित वाहन फिटनेस परीक्षण स्टेशनों की स्थापना के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी गई। तेलंगाना सरकार ने राज्य में खरीदे और पंजीकृत सभी श्रेणियों के ईवी के लिए 100% रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफ कर दिया है। तेलंगाना के परिवहन मंत्री ने केंद्र सरकार से मेडचल-मलकजगिरी जिले में भूमि उपयोग की मांग की है। परियोजनाओं के लिए 40 एकड़ सरकारी भूमि की पहचान की गई है।

इसके साथ ही चालक प्रशिक्षण की मांग को पूरा करने के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत हैदराबाद महानगर क्षेत्र में ड्राइविंग प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (आईडीटीआर) की स्थापना के लिए स्वीकृति, एक बहु-लेन स्वचालित वाहन फिटनेस परीक्षण स्टेशन के निर्माण के लिए स्वीकृति, सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए सार्वजनिक वाहनों की निगरानी के लिए एक एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना, इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन और ई-चालान स्वचालन आदि की मांग की गई । मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र में कई सिंगल-लेन सड़कों को डबल-लेन सड़कों में अपग्रेड करने के लिए धन आवंटित करने का भी आग्रह किया। बैठक में सांसद मल्लू रवि, बलराम नाइक, रघुराम रेड्डी, गद्दाम वामसी कृष्णा और सुरेश शेतकर शामिल हुए।

जीएचएमसी स्थायी समिति की नौ मदों को मंजूरी

जीएचएमसी से संबंधित आय और व्यय को मंजूरी

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में छठी स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। मेयर ने बताया कि समिति की बैठक में सदस्यों ने 9 मदों और एक टेबल मद को मंजूरी दी है। बैठक में जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती, स्थायी समिति के सदस्य बन्नाला गीता प्रवीण मुदीराज, मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन, फहद बिन अब्दुल समद, मोहम्मद कादिर, मोहम्मद नसीरुद्दीन, मोहम्मद गौस उद्दीन, मन्ने कविता रेड्डी, मोहम्मद राशिद फराजुद्दीन, उप्पलपति श्रीकांत, सबिहा बेगम, चिंताला विजय शांति, कंडी शैलजा आदि उपस्थित रहे।

बैठक में अतिरिक्त आयुक्त नलिनी पद्मावती, सरोज, पंकजा, गीता राधिका, चंद्रकांत रेड्डी, जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, हेमंत केशव पाटिल, रविकिरण, उपेंदर रेड्डी, वेंकन्ना, एसई रत्नाकर, वेणुगोपाल रेड्डी, खाता परीक्षक वेंकटेश्वर रेड्डी, सचिव सत्यनारायण और अन्य ने भाग लिया। एसएनडीपी के तहत नागामैया कुंटा नहर की री-मॉडलिंग 19.34 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हो चुकी है, जीएचएमसी ने तीन करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। तीन करोड़ की अनुमानित लागत से कार्य कराने को समिति की मंजूरी मिली।

इसी तरह हबीब नगर से चंद्रायणगुट्टा मेन रोड, रियासत नगर से पापा लाल मंदिर के रास्ते हबीब नगर तक सड़क विकास के लिए जीएचएमसी के तहत 174 संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए समिति की मंजूरी दी। खैरताबाद जोन मेहिदीपट्टनम सर्कल मल्लेपल्ली मॉडल मार्केट बिल्डिंग स्लम एरिया के पास मल्लेपल्ली मॉडल मार्केट बिल्डिंग को सीएसआर के तहत लाइट हाउस कम्युनिटी फाउंडेशन द्वारा सेंटर फॉर स्किलिंग एंड लवली हुड प्रोग्राम के माध्यम से बेरोजगार युवाओं और वंचित महिलाओं के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एक वर्ष के लिए लिया जाएगा। फंड, खैरताबाद के जोनल कमिश्नर को संबंधित एजेंसी के साथ एमओयू करने की अनुमति दी गई। आईओसीएल के माध्यम से ग्रॉसन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड को एफसीआई गोदाम रोड से चेरलापल्ली रेलवे सीमा तक प्रस्तावित 24 मीटर से 30 मीटर तक बढ़ाने के लिए संशोधित प्रस्तावों को निगम द्वारा संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सरकार को सिफारिश करने के लिए समिति की मंजूरी मिली।

समिति ने जीएचएमसी के तहत 150 वार्डों में खेल गतिविधियों के संचालन के लिए प्रत्येक नगरसेवक प्रभाग को 2 लाख रुपये की खेल/खेल सामग्री प्रदान करने के लिए अनुमोदन किया। अगस्त 2024 माह के लिए जीएचएमसी से संबंधित आय और व्यय के लिए, आउटसोर्सिंग के आधार पर जीएचएमसी मेयर के कैंप कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर (बी. नागराजू) की सेवाओं का विस्तार करने के लिए सिकंदराबाद क्षेत्र में अतिरिक्त पद की मंजूरी के लिए जीएचएमसी की मंजूरी/अनुसमर्थन को मंजूरी दे दी।

1.33 करोड़ रुपये मूल्य के एंटीबायोटिक्स जब्त

रूस को किया जाना था निर्यात

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने छापेमारी कर सिद्दीपेट जिले के करकापटला के बायोटेक पार्क में स्थित जोडास एक्सपोइम प्राइवेट लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र से 1.33 करोड़ रुपये मूल्य की एंटीबायोटिक दवाओं का विशाल स्टॉक जब्त किया। टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने बुधवार को बताया कि अन्य दवा कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों को गलत तरीके से अपने नाम से रूस को निर्यात करने तथा एंटीबायोटिक दवाओं की अनधिकृत पैकिंग के लिए यह जब्ती की गई।

सत्यापन के दौरान, यह पाया गया कि एंटीबायोटिक एम्पीसिलीन प्लस सुलबैक्टम (1000 मिलीग्राम प्लस 500 मिलीग्राम इंजेक्शन, बैच नंबर जेडी 4479) की 38,175 शीशियों की एक चौंका देने वाली मात्रा को जोडास एक्सपोइम प्राइवेट लिमिटेड, भारत, अल्पा लैबोरेटरीज लिमिटेड, 33/2, एबी रोड, पिगडम्बर, इंदौर, एमपी 453446, भारत द्वारा निर्मित के रूप में गलत तरीके से लेबल किया गया था।

टीएसडीसीए ने कहा कि उक्त बैच वास्तव में इंडियन जीनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर 135/1 और 135/2, फेज-2, चेरलापल्ली, मेडचल-मलकजगिरी जिला, तेलंगाना में निर्मित किया गया था। इस बैच को झूठे दावों के तहत रूस को निर्यात किया जा रहा है कि इसे जोडास एक्सपोइम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया था। अधिकारियों ने पाया कि अन्य एंटीबायोटिक दवाओं के कुछ स्टॉक अक्टूबर और नवंबर 2024 में रूस को निर्यात किए गए थे। टीएसडीसीए ने कहा कि अन्य दवा कंपनियों द्वारा निर्मित इन एंटीबायोटिक दवाओं को जोडास एक्सपोइम प्राइवेट लिमिटेड के नाम से गलत तरीके से निर्यात किया गया था।

छापेमारी के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों का उल्लंघन करने के कारण 1.33 करोड़ रुपये मूल्य के एंटीबायोटिक दवाओं का स्टॉक जब्त किया गया। छापेमारी करने वाले अधिकारियों में सहायक निदेशक पी. रामू, औषधि निरीक्षक एस. विनय सुष्मी, चौ. कार्तिक शिव चैतन्य, टी. शिव तेजा और पी. चंद्रकला शामिल थे। डीसीए अधिकारियों ने जांच के लिए नमूने उठाए। डीसीए ने कहा कि आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पति की हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल के ईसागांव गांव में बुधवार को एक महिला को अपने पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया। कागजनगर ग्रामीण इंस्पेक्टर श्रीनिवास और सब-इंस्पेक्टर महेंद्र ने बताया कि ईसगांव गांव के गांव नंबर 2 की सरस्वती सरकार को उसके पति दिलाल सरकार (44) की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ के दौरान सरस्वती ने अपराध कबूल किया क्योंकि वह अपने पति से परेशान थी क्योंकि वह शराब की लत के कारण उसे परेशान कर रही थी और पिछले कुछ सालों से उसकी निष्ठा पर संदेह कर रही थी। उसने स्वीकार किया कि मंगलवार को शराब के नशे में उसके पति से बहस होने पर उसने क्रिकेट बैट से उसके सिर पर वार किया, जिसके परिणामस्वरूप उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सरस्वती की शादी 20 साल पहले दिलल से हुई थी। दंपति की एक बेटी और दो बेटे हैं।

पूर्व तट रेलवे

सं.WCF/Parcel/2 Wheeler packing/CHE & RDGA/2024, दिनांक : 22.11.2024

(1) लॉट नं. एवं वर्ग: MSS-WAT-RGDA-TWnOPS-19-23-1(Misc-Static-Services-Two Wheeler and other parcel packing services)

विवरण: डोर पिक अप एवं डोर डिलिवरी सेवाओं के संचालनत्मक सुविधा के साथ दो पहिया एवं अन्य पार्सल/सामान की पैकिंग।

(2) लॉट नं. एवं वर्ग: MSS-WAT-CHE-TWnOPS-55-24-1(Misc-Static-Services-Two Wheeler and other parcel packing services)

विवरण: डोर पिक अप एवं डोर डिलिवरी सेवाओं के संचालनत्मक सुविधा के साथ दो पहिया एवं अन्य पार्सल/सामानों की पैकिंग।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंस शुल्क (दोनों निविदा हेतु), ट्रिप/दिवस: 1095 (दोनों निविदा हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (दोनों निविदा हेतु), लॉट स्थिति: प्रकाशित कैटलॉग में नया (दोनों निविदा हेतु)।

लॉट प्रारंभ होने की तारीख व समय: दिनांक 04.12.2024 को 1100 बजे (दोनों निविदा हेतु), लॉट बंद होने की तारीख व समय: दिनांक 04.12.2024 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), दिनांक: 04.12.2024 को 1140 बजे (क्रम सं.2 हेतु)।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल वणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-763/P/24-25

सेटविन 46 पाठ्यक्रमों का आनलाइन प्रशिक्षण देगा

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेटविन ने 46 पाठ्यक्रमों का आनलाइन प्रशिक्षण देने का फैसला किया है। अध्यक्ष एन.गिरिधर रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार की संस्था सेटविन के तत्वावधान में ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न कंप्यूटर पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया है। बुधवार को उन्होंने पुरानीहवेली स्थित सेटविन के मुख्य कार्यालय में कंपनी के प्रबंध निदेशक के. वेणुगोपाल राव से बात की। उन्होंने कहा कि सेटविन बेरोजगार युवाओं को 46 पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन वेबसाइट पर लॉग इन कर विवरण दर्ज कर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। एमएस ऑफिस, डीटीपी, जावा, पायथन, एईटी और कुछ अन्य पाठ्यक्रम है। उन्होंने कहा कि सेटविन ऑनलाइन शुल्क लेकर ऑडियो, वीडियो, 3डी और 2डी एनीमेशन के माध्यम से छोटी लंबाई के वीडियो बनाकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये ऑनलाइन पाठ्यक्रम हाल ही में उपलब्ध कराए गए हैं और बेरोजगार युवक-युवतियां कहीं से भी कभी भी सेटविन वेबसाइट पर लॉग इन करके ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, वे ऑनलाइन परीक्षा दे सकते हैं और प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं।

कार दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह शमीरपेट में एक कार के पेड़ से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पीड़ित की पहचान हैदराबाद निवासी फरहान अहमद अंसारी के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब कार चालक ने तुर्कापल्ली रोड पर नियंत्रण खो दिया और कार बहुत तेज गति से एक पेड़ से टकरा गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अंसारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.ETCECONII VSKP2024046, दिनांक : 20.11.2024

कार्य का नाम: (1) गर्डर पुल के स्टील गर्डर का फैब्रिकेशन कार्य से संबंधित अनुमोदित QAP, WPSS के अनुसार निरीक्षण एवं नवीनतम मानक RDSO विनिर्देश के अनुसार QAP, WPSS की समीक्षा एवं अनुमोदन एवं (2) पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-सिंगापुर रोड दोपरीकरण प्रोजेक्ट से संबंधित भालुमास्का (सहित)-सिंगापुर रोड(सहित) सेक्शन के बीच मेजर पुल एवं रोड ओवर ब्रिज (ROBs) के लिए अनुमोदित QAP के अनुसार निरीक्षण एवं नवीनतम मानक RDSO विनिर्देश के अनुसार इलास्टोमेरिक/POT-PTF बीयरिंग के लिए QAP की समीक्षा एवं अनुमोदन हेतु तीसरी पक्ष द्वारा सेवा प्रदान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 83.08 लाख, EMD (रुपये में): 1,66,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 12.12.2024 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण)/ भुवनेश्वर

PR-95/CH/24-25

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से हैदराबाद के जुबली हिल्स आवास पर तेलंगाना कैडर में 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी से मुलाकात की।

तेलंगाना में एक और किसान ने की आत्महत्या

वारंगल, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में आत्महत्या करने वाले किसानों की चिंताजनक रूप से बढ़ती सूची में एक और मामला जुड़ गया है। डुग्गोंडी मंडल के वेंकटपुरम गांव के 48 वर्षीय किसान हिंगे सोभन बाबू ने बढ़ते वित्तीय दबाव और उपज को प्रभावित करने वाली गंभीर कीट समस्याओं के कारण फसल के नुकसान के कारण अपनी जान दे दी।

पिछले तीन सालों से अपनी चार एकड़ ज़मीन पर मिर्च की फ़सल उगा रहे सोभन बाबू भारी क़र्ज़ के बोझ तले दबे हुए थे। अपने कुछ क़र्ज़ चुकाने के बावजूद, उन पर अभी भी 10 लाख रुपए बकाया थे। क़र्ज़दाताओं के बढ़ते दबाव और इस साल उनकी फ़सल पर गंभीर कीटों के प्रकोप ने उन्हें निराशा की स्थिति में डाल दिया।

इस दुखद घटना से आहत होकर सोभन बाबू ने कीटनाशक पीकर अपनी जान लेने का फैसला किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, BALADEV SINGH, Father of SUB GOVIND SINGH R/O: KAROSHA, AKBARPUR, KANPURDEHAT, UTTAR PRADESH-209101, have changed my name from BALADEV SINGH to BALDEV SINGH vide Affidavit dt.27-11-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

I, ANKIT KUMAR ,S/o: SUB RAJENDRA SINGH MANDIWAL R/O: GOVINDPURA, JAKHORA, CHIRAWA, JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333025, have changed my name from ANKIT KUMAR to ANKIT vide Affidavit dt.27-11-2024 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

CHANGE OF DOB

"मैं, बिनिमा दास, निवासी बामकुरा (ग्राम/पोस्ट/जिला), धुबुरी - पीएस, धमनगर तहसील, ओडिशा - 756119, मैं घोषणा करती हूँ कि मैंने अपनी जन्मतिथि 06 मई 1988 से 05 जून 1988 में परिवर्तन किया है, जैसा कि 7 अक्टूबर 2024 की शपथ पत्र के अनुसार, सभी आधिकारिक रिकॉर्ड्स के लिए।"

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बीआरएस सरकार ने किसानों को डुबोने का काम किया : महेश गौड़

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन, हैदराबाद में टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार सिर्फ किसान विरोधी कार्यक्रम चला रही थी। जिन परियोजनाओं का किसानों ने विरोध किया था। उसको अनुमति दी गई थी। उन्होंने कहा कि निर्मल ज़िले में दिलावरपुर इथेनॉल कंपनी को बीआरएस सरकार ने बीते 7 जुलाई 2023 को अनुमति दी थी। केसीआर ने उस कंपनी को अनुमति दे दी जिसमें पूर्व मंत्री श्रीनिवास यादव के बेटे तलसानी साई किरण यादव निदेशक हैं। आपदा विभाग ने अनुमति दे दी है। इसके साथ ही पानी के उपयोग की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि आपकी बीआरएस सरकार ने एथनाल कंपनी को अनुमति दे दी है। अब वे वहां जाकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को डुबाने वाले आप ही हो। यह कैसा चेहरा है किसानों को भड़का रहा है। दिलावरपुर के किसानों को बीआरएस नेताओं से पूछना चाहिए कि किसने अनुमति दी है। बीआरएस नेताओं को इस तरह की दोहरी आलोचना वाली गतिविधियों से बचना चाहिए। केटीआर को शर्म आनी चाहिए.. ये अनुमतियां किसने दीं।

धोखे से गई धनराशि पीड़ितों को मिली वापस

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने दो पीड़ितों को वह धनराशि वापस दिलाने में मदद की, जो उन्होंने साइबर धोखेबाजों को हस्तांतरित की थी, जिन्होंने उन्हें भारी मुनाफे का वादा करके ठगा था।

पहले मामले में, एक महिला ने धोखेबाजों को 4,22,560 रुपए ट्रांसफर किए थे, जिन्होंने यूनाइटेड किंगडम में उसके लिए वर्क वीजा की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था। बाद में महिला को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है और उसने पुलिस से संपर्क किया, जिसने मामला दर्ज किया और उन बैंकों के साथ इस मुद्दे को उठाया, जिनमें रकम ट्रांसफर की गई थी। ट्रांसफर की गई रकम को फ्रीज कर दिया गया और बाद में पीड़ित के बैंक खाते में वापस कर दिया गया।

दूसरे मामले में एक गृहिणी ने धोखाधड़ी करने वालों के हाथों 7.65 लाख रुपए गंवा दिए। धोखाधड़ी करने वालों ने उसे पार्ट टाइम जॉब और निवेश योजना का झांसा दिया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बैंक अधिकारियों से बातचीत के बाद पुलिस ने 4.23 लाख रुपए फ्रीज करवाए। बाद में यह रकम पीड़िता के बैंक खाते में वापस कर दी गई।

व्यापार में असफलता, बढ़ते कर्ज के कारण फांसी लगाकर दी जान

दुबई, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। खाड़ी देश में लगभग दो दशक बिताने वाले तेलंगाना के एक प्रवासी को हाल ही में दोहा के बाहरी इलाके में फंदे से लटका हुआ पाया गया। निजामाबाद जिले के आर्मूर मंडल के मूल निवासी 56 वर्षीय गंटा चिन्नामुथेना ने क़तर में लगभग 20 साल तक काम किया था और अपने नए शुरू किए गए डेयरी व्यवसाय में घाटे के बाद वे हमेशा के लिए घर लौट आए, जहां वे कर्ज के जाल में फंस गए। सूत्रों के अनुसार, भारत में एक साल तक असफल उद्यमिता के बाद, वे एक अलग नियोक्ता के साथ फिर से काम करने के लिए कतर लौट आए और उदास हो गए।

वह नए नियोक्ता के साथ कुछ मतभेदों के बाद घर लौटने की तैयारी कर रहा था, हालांकि, चिन्नामुथेना दो सप्ताह पहले दोहा शहर के बाहरी इलाके में लटके हुए पाए गए। यह कदम उठाने से पहले, उसने कुछ नकदी दी थी जिसे उसने हैदराबाद के लिए हवाई जहाज का टिकट खरीदने के लिए व्यवस्थित किया था और उसे अपने परिवार को भेजने के लिए कहा था। उसने कथित तौर पर परिवार से कहा था कि उसका शरीर उन्हें 5 लाख रुपये दिलाने में मदद करेगा, जो कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा खाड़ी में मरने वालों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने के वादे का स्पष्ट संदर्भ था। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को भारतीय दूतावास की मदद से उनका शव स्वदेश भेज दिया गया।

कब्रिस्तान में कचरा फेंकने का निवासियों ने किया विरोध

नगर पालिका के सफाई कर्मचारी फेंक रहे थे कूड़ा

सिलसिलेवार किए प्रदर्शन, देर रात तक दिया गया धरना

कोत्तागुडेम, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों द्वारा कब्रिस्तान में कूड़ा डालने से पुराने पलोंचा स्थित एससी कॉलोनी के निवासियों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा है। कब्रिस्तान में कूड़ा फेंकने का विरोध कर रहे निवासियों ने पिछले कुछ दिनों से सिलसिलेवार विरोध प्रदर्शन किए और देर रात तक धरना भी दिया। उनके विरोध प्रदर्शन से जिले के पलोंचा कस्बे में सफाई कार्य बाधित हुआ। उन्होंने शिकायत की कि पलोंचा नगर पालिका के सफाई कर्मचारी कब्रिस्तान में कूड़ा और कभी-कभी मृत जानवर भी फेंक देते हैं, जिससे निवासियों को किसी की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार करने में परेशानी होती है।

कॉलोनी के निवासी मिरियाला वेंकटेश्वरलू ने बताया कि कॉलोनी के निवासी पिछले कई दशकों से कब्रिस्तान का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिकायत प्रकोष्ठ की बैठकों के दौरान नगरपालिका और जिला अधिकारियों को कब्रिस्तान को कूड़ा फेंकने वाले स्थान में बदलने से रोकने के लिए कदम उठाने के लिए ज्ञापन दिए गए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि कॉलोनी में लगभग 1000 परिवार रहते हैं और कॉलोनी के पास स्थित कब्रिस्तान ही शहर में एकमात्र स्थान है जहां उन्हें कॉलोनी के मृतकों का अंतिम संस्कार करने की अनुमति है।

पूर्व तट रेलवे

ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (HVS) की नियुक्ति

सूचना सं. CMS/WAT/MED/HVS/2024, दिनांक : 14.11.2024

HVS की चयन हेतु स्क्रीनिंग कमीटी के नामांकन के लिए इसके साथ संलग्न PCPO/ भुवनेश्वर ज्ञापन पत्र ECoR/Pers/Gaz/HVS Extn/Part-1 दिनांक 22.08.2024 द्वारा संपर्क के अनुसार मंडल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर में निम्नवर्णित विशेषज्ञ ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (HVS) की नियुक्ति के विस्तार हेतु महा प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर की मंजुरी।

पदों का विवरण:

स्थान	विशेषज्ञता	मानदेय की दर	पदों की संख्या	समय (विज़िट की संख्या/ घंटों की संख्या)
मण्डल रेलवे अस्पताल, सम्बलपुर	जनरल मेडिसिन	₹ 48,000/-	01	04 दिन / सप्ताह 04 घण्टे के लिए दैनिक
	ऑन्कोलॉजी सुपर स्पेशलिटी	₹ 60,000/-	01	

आवेदन कैसे करें : ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स के रूप में नियुक्ति पाने हेतु इच्छुक विशेषज्ञ निर्धारित प्रारुप में उसे सीधे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मण्डल रेलवे अस्पताल, पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर के पते पर दिनांक: 09.12.2024 (सोमवार) को अथवा उसके पूर्व आवेदन भेज सकते हैं। चयन प्रक्रिया कागज (संबंधित प्रमाणपत्रों) की स्क्रीनिंग के आधार पर किया जाएगा। चयन के समय ऑनररी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स को सशरीर नहीं बुलाया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता/अनुभव, आयु एवं अन्य विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in → About us → Divisions → Waltair Division → Walk In Interview & Notification का अवलोकन करें।

PR-760/P/24-25

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / वाल्टियर

दो आतंकियों को सात साल की सजा

एनआईए के विशेष न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश विरोधी क्रिया कलापों में लिप्त आतंकी शहनवाज तेली उर्फ नवाज अहमद तेली और आकिब अहमद मलिक को एनआईए के विशेष न्यायाधीश ने सात वर्ष के कठोर कारावास व तीस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। इस मामले में जम्मू कश्मीर के एटीएस प्रभारी हिमांशु निगम ने एटीएस लखनऊ में मुकदमा दर्ज कराया था। बताया था कि उनको 20 फरवरी 2019 को जानकारी मिली थी कि दोनों दोषी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के लिए नए आतंकियों की भर्ती कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए फंड उपलब्ध कराने का कार्य भी कर रहे हैं। यही नहीं सहारनपुर के देवबंद इलाके में आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इनको एटीएस लखनऊ की टीम ने गैर कानूनी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। विशेष लोक अभियोजक नागेंद्र गोस्वमी ने कोर्ट को बताया कि दोनों की देश विरोधी गतिविधियों मे संलिप्ता पाई गई है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान दोनों ने अपना जुर्म भी स्वीकार कर लिया।

अखिलेश यादव ने संभल हिंसा पर उठाए तीखे सवाल

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई हिंसा व आगजनी के बाद सियासी बयानबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कटिंग के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान के साथ लिखा कि न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान को पोस्ट किया और लिखा कि किसी को धमकाकर कोरे काग़ज़ पर अंगूठा लगवाना भी गुनाह है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और दोषी शासन-प्रशासन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करके, इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी को सजा दे। न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। इसके पहले सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में संभल हिंसा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद में दोबारा सर्वे का काम क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं भी संभल जाऊंगा। संभल जाने से क्यों रोका जा रहा है। संभल का हाल जानना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संभल में न्याय नहीं मिल रहा है। हम संविधान का सम्मान करते हैं। हम संविधान का उत्सव कैसे मनाएं? उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है। उधर,संभल में हिंसा के बाद अब हालात सामान्य हो रहे हैं। बाजार खुल गए हैं। स्कूल भी खुले। हिंसाग्रस्त इलाके में पुलिस बल तैनात है। कड़ी निगरानी की जा रही है। पुलिस अब भी संभल बवाल से जुड़े मामलों में सतर्कता बरत रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

यूपी के सुलतानपुर में बड़ी वारदात, अपहरण के बाद छात्र की बेरहमी से हत्या

सुलतानपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के सुलतानपुर में बड़ी वारदात सामने आई है। कर्ज में डूबे एक युवक ने एक छात्र को किडनैप कर लिया। इसके बाद पांच लाख रुपये मांगे। रकम न मिलने पर छात्र की हत्या कर दी। इस घटना से सनसनी फैल गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। नगर कोतवाली के गांधीनगर मोहल्ले से 36 घंटे पूर्व छात्र को अगवा कर लिया गया था। परिजन पुलिस से कार्रवाई की गुहार कर रहे थे। भोर में हत्या की खबर मिलने से इलाके में फैली सनसनी। शाहगंज चौकी से चंद कदम पर घटना हुई। चौथी कक्षा के छात्र ओसामा उर्फ साहिल पुत्र शकील की हत्या के बाद देहात कोतवाल सत्येंद्र सिंह, धम्मौर थाना अध्यक्ष ज्ञानचंद्र, कुड़वार थाना अध्यक्ष चंद्रभान वर्मा, नगर कोतवाल नारद मुनि मौके पर पहुंचे और जांच की। एसपी सोमेन बर्मा ने कहा कि हत्यारोपी युवक लंबे समय से कर्ज में डूबा था।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में 30 अफसरों पर चलेगा मुकदमा, लालू परिवार की बढ़ेंगी मुश्किलें

राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की पहले ही मिल चुकी है मंजूरी

सीबीआई ने राउज एवेन्यू स्थित कोर्ट में दी जानकारी

लालू, तेजस्वी, राबड़ी और अन्य को मिल चुकी है जमानत

पटना/दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद के रेल मंत्रित्व काल में हुए जमीन के बदले नौकरी घोटाले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दस्तावेजों को रिकार्ड पर लेते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को 23 दिसंबर तक अधिकारियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी आदेश जमा करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट में इस मामले की सुनवाई थी। जिसमें सीबीआई की ओर से कोर्ट को जानकारी दी गई कि जमीन के बदले नौकरी घोटाले में 30 अधिकारियों पर मुकदमा चलाने के लिए जांच एजेंसी ने आवश्यक मंजूरी प्राप्त कर ली है। जबकि एक अधिकारी के खिलाफ मुकदमा प्रारंभ करने की अनुमति मिलनी शेष है। सीबीआई ने कोर्ट को 20 सितंबर को जानकारी दी थी कि लैंड फॉर जाब मामले में लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की अनुमति सक्षम प्राधिकार से प्राप्त की जा चुकी है। लैड फॉर जा मामला राजद प्रमुख लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहने के दौरान हुआ था। लालू प्रसाद ने बिना विज्ञापन प्रकाशित कराए काफी संख्या में रेलवे में ग्रुप डी में नौकरियां दी थी इसके एवज में उनकी जमीन लालू ने अपने परिवार के नाम लिखवा ली थी। दरअसल 29 मई को कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि इस मामले में जल्द अंतिम चार्जशीट दाखिल करे।

क्या है जमीन के बदले नौकरी मामला

राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद ने वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री रहते बगैर किसी विज्ञापन के कई लोगों को रेलवे में समूह घ में नौकरियां दी।

नौकरी देने के बदले उनसे या उनके परिवार के सदस्यों से लालू प्रसाद ने उनकी जमीनें अपने परिवार के नाम पर लिखवा ली। इस मामले की जांच बाद में सीबीआई ने शुरू की।

जांच के दौरान यह बात सामने आई कि रेलवे ग्रुप डी में नौकरी देने के एवज में संबंधित लोगों से राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव और दिल्ली की एके इंफोसिस्टम प्रा। लि। कंपनी के नाम पर पांच सेल डीड जबकि दो गिफ्ट डीड के जरिये 015,292 वर्गफुट जमीन लिखवाई गई।

सर्किल रेट के हिसाब से इसकी कीमत 4 .39 करोड़ से अधिक है। इस जमीन के बदले संबंधित लोगों को रेलवे के अलग-अलग जोन में नौकरी दी गई।

अदालत ने समय दिए जाने के बावजूद अंतिम चार्जशीट दाखिल न किए जाने पर नाराजगी भी जताई थी। बता दें कि सीबीआई ने जमीन के बदले नौकरी मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद के साथ ही उनकी पत्नी राबड़ी देवी और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी आरोपी बनाया है। चार अक्टूबर 2023 को कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी और अन्य को जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में नई चार्जशीट के संबंध में जमानत दे दी थी।

हेमा यादव और मीसा भारती भी हैं आरोपित

केंद्रीय जांच एजेंसी ने करीब दो वर्ष पूर्व 18 मई 2022 को लालू प्रसाद के साथ ही उनकी पत्नी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, दो पुत्रियों हेमा यादव और मीसा भारती के साथ ही अज्ञात सरकारी अधिकारियों और निजी व्यक्तियों समेत 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके बाद सात जून को जमीन के बदले नौकरी प्रकरण में सीबीआई ने लालू प्रसाद समेत 77 अन्य आरोपितों के खिलाफ निर्णायक आरोप पत्र दाखिल किया था।

सोशल एक्टिविस्ट जावेद पंप को मिली जमानत

संभल हिंसा के बाद भड़काऊ पोस्ट के आरोप में गिरफ्तार जावेद पंप को जमानत

इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद शाम जेल से हुआ रिहा

प्रयागराज के अटाला हिंसा मामले में जावेद पंप डेढ़ साल तक जेल में रह चुका है

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा को लेकर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार सोशल एक्टिविस्ट जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट के आदेश पर जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप जेल से रिहा कर दिए गए हैं। जावेद पंप ने संभल में हुई हिंसा को लेकर फेसबुक पर योगी सरकार के खिलाफ भड़काऊ पोस्ट किया था। जिसके बाद जावेद पंप को करेली थाना पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया था। बेल बांड व 50 हजार की दो प्रतिभूति जमा न कर पाने के चलते उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। जिसके बाद जावेद पंप ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में चुनौती दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस अरविंद सिंह सांगवान और जस्टिस एमएएच इदरीसी की डिवीजन बेंच में राज्य सरकार ने कहा यदि प्रतिभूति जमा कर दी जाती है, तो याची को शाम पांच बजे तक रिहा कर दिया जायेगा। जिस पर कोर्ट ने याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 29 नवंबर नियत की है।

गोंडा में दर्दनाक हादसा, स्कूटी और बाइक की भिड़ंत में महिला प्रधान समेत दो की मौत

गोंडा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जिले की परसपुर थाना के गांव परेटा की महिला ग्राम पुष्पा देवी 32 वर्ष किसी काम से पसका बाजार गई थी। देर रात वापस लौटते समय कर्नलगंज- परसपुर मार्ग पर पचई पुरवा स्थित एक शिवाला के पास सामने से आ रही बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बाइक सवार की पहचान पड़ोस के गांव विहुरी गोसाईं पुरवा के रहने वाले जितेंद्र गोस्वामी 32 वर्ष पुत्र उमाशंकर गोस्वामी के रूप में हुई।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

डिवाइडर तोड़ ट्रक से टकराई कार; पांच डॉक्टरों की मौत

कन्नौज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक घायल हैं। कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ ट्रक से टकरा गई। हादसे में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के पांच डॉक्टरों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तड़के साढ़े तीन बजे के करीब किलोमीटर संख्या 196 हादसा हुआ। हादसे में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के पांच डॉक्टरों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए सभी डॉक्टर लखनऊ से शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। सुबह 3:43 पर कंट्रोल रुम से सूचना मिली कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 196 पर हादसा हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

स्कार्पियो आगरा जा रही थी, नींद आने के कारण कार डिवाइडर तोड़ कर आगरा से लखनऊ जाने वाली दिशा में पहुंच गई। इसके बाद आगरा की तरफ से आ रहे ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में अनिरुद्ध वर्मा पुत्र पवन कुमार वर्मा निवासी राधा विहार एक्सटेंशन कमला नगर आगरा समेत पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर घायल है। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया है। शवों को मोर्चरी में रखा गया है। बताया गया कि सभी मृतक डॉक्टर हैं और सैफई मेडिकल कॉलेज में पीजी कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ। दिलीप सिंह ने बताया कि सभी के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रक चालक मौके से भाग गया है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि तिर्वा पुलिस को हादसे की जांच के आदेश दिए गए हैं।

गूगल मैप पर अब नहीं दिखेगा 'मौत का रास्ता', बदायूं की डीएम ने शासन को भेजी रिपोर्ट

बरेली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली जिले की सीमा से सटे बदायूं के दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल पर हुए हादसे के बाद डीएम निधि श्रीवास्तव ने जांच कराकर अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी है। रिपोर्ट में पुल पर आवागमन रोकने संबंधी उपाय न किए जाने का हवाला दिया गया है। वहीं, पुल से कार गिरने के मामले में प्रशासन गूगल को भी दोषी मान रहा है। इसके बाद अब गूगल मैप से इस रास्ते को हटा दिया गया है। चर्चा है कि इस मामले में एक्सईएन भी कार्रवाई की जद में आ सकते हैं। इस मामले में दातागंज के नायब तहसीलदार छविराम ने सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ व अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार और महाराज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अनुप्रिया की नाराजगी पड़ी भारी

विंध्याचल कोतवाल समेत पांच थाना प्रभारी बदले गए

मिर्जापुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मझवां विधानसभा पर हुए उपचुनाव के आचार संहिता खत्म होते ही पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने विंध्याचल समेत पांच थाना अध्यक्षों के कार्य क्षेत्र में फेर बदल किया है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल नाराजगी के बाद विंध्याचल कोतवाल सीपी पांडेय को हटा दिया गया है। सीपी पांडेय की जगह चील्ह थाना प्रभारी रहे अमित कुमार को विंध्याचल थाने का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। दरअसल, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उपचुनाव के दौरान अपना दल (एस) के कार्यकर्ता की पिटाई के बाद नाराजगी जताई थी। साथ ही कार्यकर्ता की पिटाई के बाद अस्पताल पहुंचकर विंध्याचल कोतवाल पर ड्रग्स बिकवाने का आरोप लगाया था और पुलिस पर नाराजगी व्यक्त की थी। इसके बाद मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। अब जाकर पुलिस अधीक्षक ने कोतवाल को विंध्याचल से हटाकर अपराध शाखा भेज दिया है। वहीं, शहर कोतवाली प्रभारी बाल मुकुंद मिश्रा को रामबाग के कुरैश इलाके में संरक्षित पशु के अवशेष मिलने के मामले में हटा दिया है, इन्हें भी अपराध शाखा भेजा है।

पति ने जिद नहीं मानी तो उठा लिया बड़ा कदम, 2 साल की बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदी महिला

भदोही, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में एक महिला ने अपनी 2 साल की बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, महिला का पति गुजरात के सूरत में काम करता है और त्योहार के मौके पर घर आया हुआ था। बताया जा रहा है कि महिला भी अपने पति के साथ सूरत जाना चाहती थी। पुलिस ने बताया कि पति के साथ सूरत जाने की जिद पूरी नहीं होने पर लक्ष्मी देवी नाम की इस 25 वर्षीय महिला ने अपनी 2 साल की बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एसएचओ ने बताया कि सूरत ले जाने की लक्ष्मी की मांग पर वीरेंद्र ने कहा था कि जब वह किराए पर कमरा लेंगे तो उन्हें भी साथ ले जाएंगे, लेकिन वह साथ जाने पर अड़ी रहीं। इस मुद्दे पर विवाद के बाद लक्ष्मी अपनी बेटी के साथ घर से निकल गईं और तो उन्होंने बताया कि वह सुरियावा स्टेशन पर ट्रेन से कटकर मर जाएगी।

मुसलमान हैं, इसलिए मारे जा रहे हैं: संभल हिंसा पर भड़कीं स्वरा भास्कर, कोर्ट पर भी किए सवाल?

संभल, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

रविवार को संभल जिले की शादी मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में अब तक 4 लोगों की मौत और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हिंसा कई लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। मामला अभी पूरी तरह से शांत नहीं हुआ है। इस पर कई तरह की सियासी बयानबाजी भी सामने आ रही है। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने कहा कि हम उस स्थिति पर हैं, जहां कानून नागरिकों की हत्या सिर्फ इसलिए कर रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं। स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि न्यायपालिका इस समय भगवान से सलाह ले रही है कि उन्हें अपना काम कैसे करना है। यह पूरी तरह से बकवास है।

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक कुल 7 मुकदमे दर्ज किया जा चुके हैं। 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने कहा कि हिंसा में घायल हुए दारोगा दीपक राठी ने 800 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है जिनमें बर्क और इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को नामजद किया गया है। हिंसा वाले इलाके में अभी भी भारी पुलिस बल तैनात है।

जिसने भी पत्थर फेंका वो जेल जाएगा-एसपी

संभल के मौजूदा हालात पर एसपी कृष्ण कुमार ने कहा कि उस दिन की हिंसा में जो लोग भी शामिल थे, पुलिस द्वारा इलाके की सीसीटीवी फुटेज निकाल ली गई है, 100 से अधिक लोगों की पहचान की जा चुकी है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी ने आगे कहा कहा कि कोई भी निर्दोष व्यक्ति जेल नहीं जाएगा, लेकिन जिस भी व्यक्ति ने पत्थर उठाया है उसे जरूर जेल भेजा जाएगा।

हम मरने के लिए भर्ती नहीं हुए

ये कहने वाले संभल के डिप्टी एसपी और अर्जुन अवॉर्डी अनुज चौधरी कौन हैं?

संभल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा के बाद से संभल के डिप्टी एसपी अनुज चौधरी चर्चाओं में हैं। दरअसल उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि पुलिस को भी आत्मरक्षा का अधिकार है और पुलिसकर्मी मरने के लिए पुलिसबल में भर्ती नहीं हुए हैं। वायरल वीडियो में अनुज चौधरी ये भी कहते हुए नजर आ रहे हैं कि पुलिसकर्मियों के भी बच्चे और परिवार हैं। वह सवाल करते हैं कि क्या हमारा यानी पुलिसकर्मियों का परिवार नहीं है? अनुज चौधरी वीडियो में कह रहे हैं कि संभल में 4 से 6 घंटे क्या हालात रहे, पहले उसे देखना चाहिए। बता दें कि संभल डिप्टी एसपी का ये बयान काफी चर्चाओं में आ गया है। दरअसल ये पहली बार नहीं है कि अनुज चौधरी चर्चाओं में रहे हो। वह अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में देश का मान बढ़ा चुके हैं और उन्होंने देश के लिए कुश्ती में कई मेडल भी जीते हैं। इसी के साथ वह सपा के कद्दावर नेता आजम खान के साथ भी बहस के बाद चर्चाओं में रह चुके हैं।

कौन हैं संभल डिप्टी एसपी अनुज चौधरी?

आपको बता दें कि अंतरराष्ट्रीय कुश्ती में देश का मान बढ़ा चुके अनुज चौधरी स्पोर्ट्स कोटे से उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे। अर्जुन अवॉर्डी अनुज चौधरी पुलिस फोर्स में मजबूत कद काठी, बॉडी फिटनेस के साथ-साथ अपने बेधड़क अंदाज से भी जाने-जाते हैं। मुजफ्फरनगर के बहेड़ी गांव से ताल्लुक रखने वाले अनुज चौधरी ने 2002 और 2010 के नेशनल गेम्स में दो सिल्वर मेडल जीते थे और एशियाई चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीते थे।

आजम खान से भी बहस कर चुके हैं अनुज चौधरी

बता दें कि अनुज चौधरी जब रामपुर में तैनात थे, तो उनकी सपा नेता आजम खान से भी काफी बहस हो गई थी। उस दौरान भी अनुज चौधरी चर्चाओं में रहे थे। दरअसल आजम खान सपा प्रतिनिधि मंडल के साथ मुरादाबाद कमिश्नर से मिलने जा रहे थे। तभी सीओ सिटी रहते अनुज चौधरी ने साफ कहा था कि सिर्फ 27 लोग ही अंदर जाएंगे। ये सुनते ही आजम खान ने अनुज चौधरी से कहा था कि समाजवादियों ने ही पहलवानों को पहचाना था। अखिलेश का एहसान याद है। ये सुनते ही अनुज चौधरी ने कहा था कि एहसान कैसा? अर्जुन अवार्ड मिला है। किसी के एहसान से अर्जुन अवार्ड नहीं मिलता। अनुज चौधरी और आजम खान के बीच हुई इस बहस का वीडियो भी जबरदस्त वायरल हुआ था।

संभल में हिंसा के दौरान लगी पैर पर गोली

बता दें कि संभल हिंसा के दौरान अनुज चौधरी के पैर पर गोली लगी थी। जब वह उपद्रवियों को काबू करने की कोशिश कर रहे थे, तभी अराजक तत्वों ने उनको निशाने पर ले लिया था और उनके पैर में गोली मार दी थी। इसके बाद से अनुज चौधरी लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। आपको बता दें कि संभल जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। दरअसल हिंदू पक्ष की तरफ से दावा किया गया था कि ये मस्जिद मुगल काल में हरिहर मंदिर को तोड़कर बनाई गई है, जिसके बाद कोर्ट ने जामा मस्जिद में सर्वे का आदेश दे दिया था। जब दूसरी बार टीम मस्जिद में सर्वे करने पहुंची, तभी हिंसा भड़क गई थी।

संयुक्त विकास आयुक्त के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर नगर एनबी सबिता के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सबिता पर न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर विपरीत आदेश करने और मुख्य स्थायी अधिवक्ता पर दोष मढ़ न्यायालय की सहानुभूति प्राप्त करने की तथ्य के विपरीत कोशिश करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि एनबी सबिता ने न केवल याची के पक्ष में तीन जांच रिपोर्ट के बावजूद फिर जांच बैठाई बल्कि हाईकोर्ट के स्थगनादेश के विपरीत अपीलीय अधिकारी के तौर पर कार्य किया। उन्होंने अपने आपको कानून से ऊपर माना। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ एवं न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने अमिता तिवारी उर्फ नेहा तिवारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। इससे पहले कोर्ट ने व्यक्तिगत हलफनामा मांगा, जिसका पालन नहीं किया गया तो हाजिर होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। इसके बाद हाजिर होकर हलफनामा दाखिल किया गया। याची के खिलाफ वित्तीय अनियमितता की शिकायत की गई, जिसकी जांच में आरोप निराधार पाया गया। दोबारा शिकायत पर फिर दो बार की जांच याची के पक्ष में रही। कोर्ट ने जांच पर रोक लगा दी।

लॉरेंस बिश्नोई से मिल रही धमकी

पप्पू यादव को मिली ऐसी कार, रॉकेट लांचर का भी नहीं होगा असर

सहरसा, 27 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव को नई बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर गिफ्ट मिली है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से बार-बार धमकी मिलने के बाद सांसद को यह गाड़ी उनके एक दोस्त ने गिफ्ट में दी है। पप्पू यादव ने कहा इस गाड़ी को न कोई बम, न कोई गोली न ही कोई रॉकेट लॉन्चर और न ही कोई हैंड ग्रेनेड कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। सांसद ने कहा कि मुझे बार-बार धमकी मिल रही है लेकिन सरकार को मेरी चिंता नहीं है। लेकिन मेरे दोस्तों, मेरे रिश्तेदारों, पूरे बिहार और पूरे देश को मेरी चिंता है। जब तक मैं इस गाड़ी में रहूंगा तब तक बम धमाके या अन्य प्रकार के संभावित हमले से सुरक्षित रहूंगा।

रॉकेट लांचर से हमले का नहीं होगा असर

हरियाणा से आई लैंड क्रूजर में बैठते हुए पप्पू यादव ने बताया कि इस बुलेट प्रूफ कार पर रॉकेट लांचर का भी असर नहीं होगा। भले सरकार मेरी सुरक्षा पर ध्यान न दे, लेकिन मेरे दोस्त मेरी सुरक्षा के लिए खड़े हैं। जनता मेरे साथ है। दरअसल, बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर को सुरक्षा के नजरिए से सबसे विश्वसनीय माना जाता है। आम तौर पर इसकी क्षमता 500 राउंड गोलियां झेल जाने की है। बुलेट प्रूफ लैंड क्रूजर के अंदर और बाहर फ्रेम पर बैलेस्टिक लेयर लगाया गया है, जिससे धमाके का असर ज्यादा कम हो। टायर पर भी बुलेट का असर नहीं होता।

दिल दहला देने वाला हादसा

कार के आर पार हुई सड़क किनारे की रेलिंग, एक की मौके पर ही मौत

नागपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नागपुर के कामठी में एक ऐसा सड़क हादसा हुआ जिसे देखकर सभी स्तब्ध रह गए। कामठी परिसर के गरुड़ चौक के पास भयंकर हादसा हुआ, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल, कामठी से तीन दोस्त एक कर में सवार होकर नागपुर की ओर जा रहे थे। कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी की रेलिंग पर लगी टिन कार को बीच से फाड़ते हुए आर पार हो गई। इस घटना में दो अन्य लोग घायल भी हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के टक्कर से रेलिंग टूट कर उखड गई और इंजन को चीरती हुई कार के आर पार हो गई। कार की गति इतनी ज्यादा थी कि नियंत्रण छूटते ही कार पूरी तरह बेकाबू होकर हाईवे के किनारे लगी टीन की रेलिंग में जा भिड़ी। रेलिंग का टीन कार के बोनट और इंजन को चीरते हुए बीच से आर पार हो गया।

मृतकों की हुई पहचान

कार में सवार होकर तीन व्यक्ति-रोशन नाइक, आमिर शब्बीर और अभिषेक परमार अपने काम पर जा रहे थे। गरुड़ चौक के पास कार चालक से अनियंत्रित हो गई। नियंत्रण छुटते ही कार बेकाबू होकर गरुड़ रोड डिवाइडर की रेलिंग को तोड़ते हुए चकनाचूर हो गई। उसमें सवार तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा इतना भयंकर था कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से रोशन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। रेलिंग की टिन पिछली सीट को भी चिरकर करीब 10 फुट पीछे तक चली गई। इसमें पिछली सीट पर बैठ रोशन की गर्दन पर गंभीर चोट लगी। कार की हालत देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। पुलिस को जानकारी दी गई जिसके बाद ज़ख्मियों को उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया। पुलिस की शिकायत पर आमिर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली में 1 दिसंबर से अफसर चलाएं नशा विरोधी अभियान: उप राज्यपाल

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लगातार बढ़ते खतरे से निपटने के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नशा विरोधी अभियान चलाने की घोषणा की है। नशा उन्मूलन अभियान एक महीने तक चलेगा। एक दिसंबर 2024 को इसकी शुरुआत होगी। एलजी सभी संबंधित एजेंसियों से इस अभियान को प्रभावी बनाने का आदेश दिया है। एलजी का यह फैसला दिल्ली को अगले तीन वर्षों के भीतर नशामुक्त बनाने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जो देश को नशामुक्त बनाने के निर्धारित लक्ष्य से काफी आगे है। एलजी विनय सक्सेना ने राज्य स्तरीय समिति नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की 9वीं समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि दिल्ली को नशामुक्त बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं का उपयोग एक साजिश के तहत भारत के युवाओं और देश को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली पुलिस को अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर मादक पदार्थों की तस्करी और खपत पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के अपने प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया।

तय किए ये लक्ष्य

उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस और दूसरी सभी संबंधित एजेंसियों को इस एक महीने के अभियान के दौरान लगभग 200 होस्टलों, 50 कॉलेज, 200 स्कूल 200 दवाओं की दुकानें पान की दुकान, सभी शेल्टर होम्स, 200 बार और रेस्तरां, सभी रेलवे स्टेशन सभी आईएसबीटी और दूसरे सार्वजनिक स्थलों की गहनता से जांच करने और उन्हें साफ-सुथरा रखने का भी निर्देश दिया।

होस्टल्स के लिए वार्डन होंगे जवाबदेह

इसके अलावा, दिल्ली के सभी यूनिवर्सिटी कैंपस में पढ़ने वाले बच्चों को नशामुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। शैक्षणिक संस्थानों में होस्टल्स को नशामुक्त करने के लिए वार्डन को जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को भी इसमें शामिल कर शिक्षकों और अभिभावकों को एडवाइजरी भेजने के निर्देश दिए हैं।

समाज कल्याण विभाग के अफसर करेंगे ये काम

समाज कल्याण विभाग स्कूलों और अभिभावकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर उन्हें नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करेगा और उन्हें अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि नशीली दवाओं और नशीले पदार्थों के उपयोग के हानिकारक प्रभावों के खिलाफ पूरी दिल्ली में डीटीसी बसों में, ऑटो-रिक्शा और टैक्सियों पर नारे, पोस्टर और बैनर को प्रमुखता से लगाया जाए। दिल्ली को नशामुक्त बनाने के लिए टेलीविजन, रेडियो, सोशल मीडिया और आउटडोर विज्ञापन सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता अभियान शुरू किए जाएंगे। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए शहर भर में और डीटीसी बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन में नारे, पोस्टर और बैनर प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे।

एफएएसएल 30 दिन में निपटाए 290 मामले

फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) दिल्ली के निदेशक को लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि एफएसएल जिसके पास पिछले 9 से 12 महीनों से 1260 मामले लंबित थे। उपराज्यपाल के सक्रिय हस्तक्षेप से मामलों को घटाकर 290 तक लाने में सक्षम हुआ है। एलजी ने एफएसएल को निर्देश दिया कि शेष 290 मामलों में जांच पूरी की जाए। एक महीने के भीतर इनका निपटान कर शून्य लंबित मामले सुनिश्चित किए जाएं।

पंचशील पार्क में 64 साल के बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर थाना इलाके के पंचशील पार्क में एक 64 साल के बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान रोहित कुमार के रूप में हुई है. दिल्ली पुलिस को इस घटना की जानकारी पीसीआर कॉल के जरिए मिली. बुजुर्ग के बेटे ने पुलिस को फोन किया था. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. जहां बुजुर्ग रोहित कुमार लहूलुहान हालत में पाए गए. उनके शरीर पर कई जगह चाकू के घाव थे. शुरुआती जांच में किसी भी तरह की पुरानी दुश्मनी की आशंका नहीं जताई गई है. इतना ही नहीं, पुलिस का कहना है कि घर से कोई सामान भी गायब नहीं है. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है. दिल्ली पुलिस के मुताबिक इस मामले में लूट की संभावना कम है.

कजाकिस्तान से चोपता-तुंगनाथ पहुंचा हिमालयन बजर्ड शीतकाल के चार माह करेगा यहां प्रवास

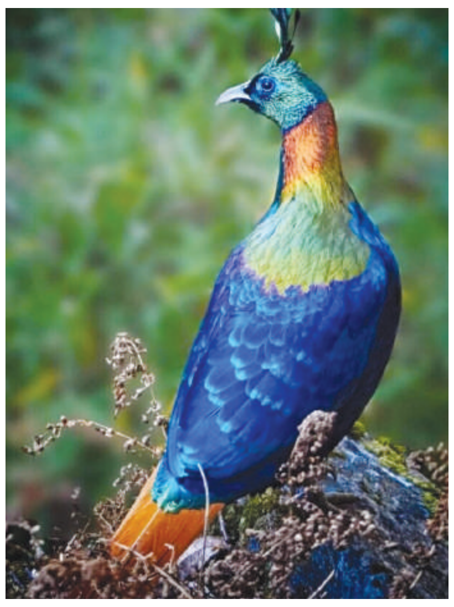

देहरादून, 27 नवंबर (एजेंसियां)। धीरे-धीरे बढ़ती ठंड के बीच कजाकिस्तान के हिमालयन बजर्ड पक्षी हिमालय की वादियों में चहकने लगे हैं। यह पक्षी अगले चार माह तक मक्कू, चोपता से चंद्रशिला तक उड़ान भरेंगे और अपना वंश भी बढ़ाएंगे। अन्य कई पक्षी प्रजातियों के पक्षी भी क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। वहीं, हिमालय क्षेत्र से उतरकर कई पक्षी प्रजातियां निचले इलाकों में प्रवास के लिए जाने लगी हैं। जिले में 3,000 फीट से 14,000 फीट की ऊंचाई तक रुद्रप्रयाग, पुनाड़ गदेरा, काकड़ागाड़, मक्कू, मस्तूरा, पलद्वाड़ी, चिरबटियाल, चोपता, तुंगनाथ से चंद्रशिला सहित अन्य स्थानों पर पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। यहां रेड हेडेड बुलफिंच, डार्क-ब्रेस्टेड रोजफिंच, पिंक ब्राउड रोज फिंच, स्पॉट फिंच, हिमालयन ग्रीन फिंच, चीर फीजेंट, माउंटेन हॉक इगल, स्टेपी इगल, नट कैकर, यूरीशन जे सहित कई प्रजातियां मौसम के हिसाब से यहां प्रवास करती हैं। पहाड़ों पर ठंड बढ़ने से हिमालय क्षेत्र से कई पक्षी प्रजातियां मैदानों की तरफ निकल जाती हैं।

पक्षी अपना वंश भी बढ़ाएगा

वहीं, मैदान से कई प्रजातियां नेस्टिंग के लिए यहां पहुंच जाती हैं। इन्हीं में कजाकिस्तान का हिमालयन बजर्ड भी है, जो चोपता-तुंगनाथ तक पहुंच चुका है। मार्च तक यह पक्षी तुंगनाथ घाटी के गांवों व आसपास के क्षेत्र में प्रवास करेगा। इस दौरान पक्षी अपना वंश भी बढ़ाएगा। वहीं, रेड हेडेड बुलफिंच, डार्क-ब्रेस्टेड रोजफिंच सहित अन्य कई पक्षी प्रजातियां ऊपरी क्षेत्रों से निचले इलाकों में पहुंच गए हैं। पक्षी विशेषज्ञ यशपाल सिंह नेगी बताते हैं कि एक सप्ताह से मक्कू से तुंगनाथ तक कजाकिस्तान का पक्षी हिमालयन बजर्ड उड़ान भर रहा है। यह क्षेत्र पक्षियों की नेस्टिंग के लिए अनुकूल है, इसलिए यह पक्षी इस क्षेत्र में नेस्टिंग भी करेगा।

बिहार में कब तक बांध कुतरते रहेंगे चूहे? सदन में महिला एमएलए ने मंत्री से पूछा सवाल

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में एक बार फिर से चूहे की एंट्री हो गयी है। दरअसल बिहार में कई बार ऐसे मामले आए हैं जब नेताओं और मंत्रियों ने चूहों से बांध को नुकसान होने की बात कही है। वहीं अब एक बार बिहार वैशाली से जुड़ा मामला सामने आया है, जहां चूहों से बांध को नुकसान होने की चर्चा होने लगी है। दरअसल वैशाली जिले में बांध को चूहे से नुकसान होने का मामला बुधवार को बिहार विधानसभा में चर्चा का विषय रहा।

बता दें, बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान वैशाली जिला के देसरी प्रखंड के चांदपुर से बिलटचैक स्लूईस गेट तक बने बांध की ऊंचाई कम होने और बिलटचैक से मुरौवतपुर तक बांध का विस्तार नहीं होने के संदर्भ में पूछे गये सवाल पर मंत्री विजय चौधरी ने सदन में जवाब दिया। दरअसल जब सदन में कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने बांध के विस्तार को लेकर सवाल पूछा तो इस दौरान मंत्री ललन सिंह ने जवाब दिया।

इस दौरान कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने मंत्री विजय चौधरी के जवाब पर चुटकी लेते हुए कहा कि बिहार सरकार बांध के मामलो में कब तक चुके का का बहाना बनाती रहेगी। बता दें, बिहार में पहले भी बांध के विस्तार या बांधों के टूटने के मामले में चूहे का जिक्र हो चुका है। ऐसे में पुराने मामले का जिक्र करते हुए विधायक प्रतिमा दास ने एक बार फिर से बिहार सरकार पर सवाल उठाए हैं।

लो! रिश्वतखोरी के लिए व्हाट्सप्प ग्रुप ही बना लिया था, आरटीओ के 2 अफसरों का काला चिट्ठा खुला

बेरहामपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजम जिले में एनएच-16 पर चलने वाले ट्रकों से अवैध रूप से पैसे वसूलने के आरोप में पुलिस ने आरटीओ के 2 अधिकारियों सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारीा देते हुए बताया कि गंजम के अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के। वेंकटेश, जूनियर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीए) रतिकांत नायक और 3 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बेरहामपुर के पुलिस अधीक्षक सरवण विवेक एम। ने बताया कि गोलंथरा पुलिस को एनएच-16 पर गिरीशोला में कुछ नौजवान लोगों के एक ग्रुप द्वारा ट्रकों से अवैध रूप से पैसे वसूले जाने की सूचना मिली थी। एसपी ने बताया कि आरोपी ट्रक ड्राइवरों से वादा करते थे कि यह रुपये दिए जाने पर वह गंजम आरटीओ दफ्तर के अधिकारियों द्वारा किसी भी जांच के बिना अपनी गाड़ियों को आसानी से वहां से आगे ले जा सकेंगे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोलंथरा थाने से पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और देखा कि कम से कम 4 लोग एक गाड़ी को रोककर रुपये वसूल रहे हैं। पुलिस ने उनमें से 3 लोगों को हिरासत में ले लिया, जबकि एक शख्स मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों ने खुलासा किया कि वे आरटीओ, गंजम के कुछ अधिकारियों की ओर से काम कर रहे थे और उन्होंने उनके नाम भी बताए। वे ट्रकों से रुपये वसूल रहे थे ताकि आरटीओ के अफसर एनएच-16 पर उनके गाड़ियों की जांच न करें। आरोपियों ने बताया कि बाद में वसूला गया पैसा कैश या ऑनलाइन लेनदेन के जरिए आरटीओ के अधिकारियों को दे दिया जाता था।। एसपी ने बताया कि अवैध तरीके से पैसे वसूलने के इस अभियान के लिए आरोपी अफसरों ने अपने 'एजेंट' को व्हाट्सएप 'ग्रुप' में जोड़ रखा था और अधिकारी खुद भी उसके सदस्य थे।

पैसे देने वाले ट्रकों की डीटेल उनके 'व्हाट्सएप' ग्रुप में शेयर की जाती थी, ताकि एनएच-16 पर आरटीओ अधिकारियों द्वारा उनकी जांच न की जा सके। उन्होंने बताया कि सभी 5 आरोपियों के खिलाफ बीएनएस और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

संभल हिंसा के लिए पुलिस जिम्मेदार, लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा: डिंपल यादव

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रशासन की तरफ से यहां के उपचुनाव नें बूथ कैप्चरिंग का काम किया गया। उन्होंने कहा कि यूपी में संभल हिंसा के जिम्मेदार शासन और प्रशासन हैं। सम्भल की घटना चुनाव परिणामों की घोषणा के तुरंत बाद हुई, ये घटना सरकार की नीति और मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। संविधान दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि हम तो चाहते हैं कि हर दिन संविधान दिवस मनाया जाना चाहिए और संविधान में दिए गए नियमों का पालन किया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के लोग नहीं चाहते हैं कि देश संविधान के मुताबिक, चलाया जाए। मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव सरकार पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों पर प्रशासन की तरफ से फर्जी मुकदमें दर्ज किए जा रहे हैं और लोगों को परेशान किया जा रहा है। सपा के सांसद पर एफआईआर दर्ज होने को लेकर डिंपल यादव ने कहा कि हिंसा वाले दिन वो मौके पर मौजूद नहीं थे, फिर भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सांसद घटना वाले दिन किसी काम से बैंग्लुरु गए हुए थे। मीडिया के सवाल पूछे जाने पर डिंपल यादव ने कहा कि संभल हिंसा का जिम्मेदार प्रशासन है।

'कितना भी बहुमत क्यों न हो'

सीएम पद को लेकर बीजेपी नेता सुधीर मुनगंटीवार का बड़ा बयान

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने मंगलवार को आईएएनएस से बातचीत में सरकार गठन को लेकर जारी जोड़तोड़ पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री और सरकार गठन को लेकर अपनी बातें रखते हुए कहा कि हर चुनाव के बाद सरकार बनाने में कुछ समय लगता है। कितना भी बहुमत क्यों न हो, सरकार बनाने में कुछ समय लगता ही है। हमारे बीच किसी तरह की कोई अड़चन नहीं है। बहुत देर हुई, यह कहना गलत है। आने वाले पांच से छह दिनों में सब बातें साफ हो जाएंगी। मुख्यमंत्री कौन होगा, सब कुछ साफ हो जाएगा और सरकार भी बन जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बैठा केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के चेहरे पर फैसला लेगा। यह मेरे तय करने का काम नहीं है। जहां उचित होगा, वहां शपथ ग्रहण समारोह होगा। यह पूछे जाने पर कि यह चर्चा है कि कुछ कार्यकर्ता और विधायकों की इच्छा है कि एक बार फिर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बनें और ढाई-ढाई साल वाला फार्मूला हो, इस पर उन्होंने कहा कि इस तरह के फॉर्मूले की चर्चा हमारे पास नहीं आती। बड़े नेता तय करते हैं, उनके पास क्या फार्मूला है? उसके बारे में हमें पता नहीं।

'परिवारवाद की राजनीति करने वालों पर बोला हमला'

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संविधान दिवस मनाया जा रहा है और मनाना भी चाहिए। देश को आगे बढ़ाने का हमारा संकल्प है। हजारों शहीदों ने प्राणों की आहुति भारत माता के चरणों में देकर अपने परिवार की चिंता नहीं की। यह देश मेरा परिवार है, मेरा देश उन्नति-प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। इस भाव से काम किया है।

'कांग्रेस से संविधान को खतरा'

उन्होंने कहा कि हम संविधान पर चलेंगे, लेकिन हमारे यहां अड़चन है कि दुनिया संविधान पर चले। लेकिन, मैं नहीं चलूंगा, कई नेताओं में ये जो आदत है, वो बदलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस से संविधान को हमेशा से खतरा रहा है। खुद ये संविधान बचाओ सम्मेलन कर रहे है, संविधान को सबसे ज्यादा ठेस किसी ने पहुंचाया है तो वो कांग्रेस है। अंबेडकर जी का अपमान हमेशा से कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस हमेशा से जलता घर है, जो जाएगा, वो जल जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में '5 करोड़ साल पुराना जीवाश्म' चोरी

पुलिस ने झट से चोर का पता भी लगा लिया

नोएडा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक शख्स को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के स्टॉल से पांच करोड़ साल पुराना जीवाश्म चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, राजधानी दिल्ली में भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में जीएसआई ने भी स्टॉल लगाया था। यहां भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के स्टॉल पर पांच करोड़ साल पुराना 'गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म' भी रखा था जो कि चोरी हो गया। इसके बाद पुलिस ने जांच कर के आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, 21 नवंबर को मंत्रालय के 'माइंस पैवेलियन' के हॉल नंबर चार में जीवाश्म के चोरी की घटना हुई थी। चोरी हुआ 'गैस्ट्रोपॉड जीवाश्म' एक प्राचीन घोंघा का संरक्षित अवशेष है। जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की स्थापना 1851 में खनन मंत्रालय के तहत भारत सरकार के संगठन के रूप में की गई थी। ये संगठन भारत के अध्ययन और सरकार, उद्योग व आम जनता के लिए पृथ्वी के विज्ञान की बुनियादी जानकारी का प्रमुख प्रदाता भी है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। पुलिस ने एक बयान में बताया है कि 5 करोड़ साल पुराने जीवाश्म चोरी करने की आरोपी की पहचान के लिए घटनास्थल और आसपास के स्टॉल, मंडप और हॉल के 100 से भी ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए थे।

डमी कैंडीडेट बैठाकर नीट पास किया

एडमिशन लेने मेडिकल कॉलेज पहुंचा तो पकड़ाया; अब सीबीआई करेगी पूछताछ

पूर्णिया, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पूर्णिया में एडमिशन लेते वक्त फर्जीवाड़ा करते हुए एक छात्र पकड़ाया है। छात्र को उसके छपरा स्थित घर से सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी ने फर्जीवाड़ा कर नीट यूजी परीक्षा पास की। मेरिट लिस्ट के नाम आने के बाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पूर्णिया में एमबीबीएस के लिए एडमिशन लेने पहुंचा था। जीएमसीएच के प्राचार्य प्रो डॉ गौरीकांत मिश्रा ने बताया कि काउंसलिंग के दौरान जब उक्त छात्र नामांकन कि लिए आया था। उसके कागजातों की जांच के दौरान फर्जीवाड़ा की आशंका हो गयी थी। इसलिए उक्त छात्र से शपथपत्र लेकर उसकी नामांकन प्रक्रिया फ्रीज की गयी। इसके साथ ही बीसीईसीई को इस बारे में सूचित कर दिया गया। बीसीईसीई ने सीबीआई को पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद उक्त छात्र के खिलाफ वारंट इश्यू किया और छात्र को छपरा स्थित उसके घर से सीबीआई की टीम अपने साथ ले गई।

अपने बदले किसी अन्य व्यक्ति को बैठाया था

बताया जाता है कि सीबीआई के घेरे में आये इस छात्र ने खुद परीक्षा नहीं दी थी। अपने बदले डमी कैंडिडेट को परीक्षा में बैठाया था। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ गौरीकांत मिश्रा ने बताया कि उक्त छात्र द्वारा समर्पित किये गये कागजातों पर नामांकन के समय ही कॉलेज प्रशासन को शक हो गया था। उन्होंने बताया कि छात्र के एडमिट कार्ड पर चिपकायी गयी तस्वीर से उसके चेहरे का मिलान भी नहीं हो रहा था। इससे आशंका हो गयी थी कि उसकी जगह पर डमी परीक्षार्थी ने परीक्षा दी है।

जीएमसीएच ने सीबीआई को सुपुर्द किये कागजात

सीबीआई के संज्ञान में मामला सामने आने के बाद सीबीआई ने जीएमसीएच पूर्णिया से संपर्क साधा। सीबीआई के निर्देश पर पिछले हफ्ते ही जीएमसीएच पूर्णिया ने उक्त छात्र द्वारा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में नामांकन के दौरान समर्पित किये गये उसके प्रमाणपत्रों को सीबीआई के दिल्ली स्थित कार्यालय को सुपुर्द किया। सीबीआई को सभी कागजातों को सौंपने के लिए कॉलेज प्रशासन ने अपने एक अधिकारी को दिल्ली भेजा था।बता दें कि मुन्ना भाई के गिरफ्तार होने के बाद डमी परीक्षार्थी समेत कई घेरे में आ गये हैं। जानकारी के अनुसार, डमी परीक्षार्थी के पकड़ने के लिए सीबीआई सहित जिला प्रशासन की टीम कार्रवाई शुरू कर दी गयी है, जिसके बाद इस गोरखधंधे में शामिल अन्य लोग भी बेनकाब हो जायेंगे। इसलिए फिलहाल, पकड़े गये मुन्ना भाई के बारे में कई व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी गयी है।

ट्रेन में एलपीजी सिलेंडर की मदद से खाना बना रही थी कैटरिंग कंपनी, रेलवे ने लिया बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। रेलवे को लेकर आए दिन कुछ न कुछ शिकायतें सामने आती रहती हैं। अब इसी तरह की एक और शिकायत सामने आई है, जिसमें देखा गया है कि कैटरिंग कंपनी एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करके ट्रेन में खाना बना रही थी। जांच में पाया गया कि निजी कैटरिंग फर्म के कर्मचारी सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए पूर्वा एक्सप्रेस की पेंट्री कार में एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल करके खाना बना रहे थे। रेलवे बोर्ड ने 2 जून, 2022 को सभी जोनों को संबंधित अग्नि सुरक्षा जोखिमों को रोकने के लिए ऑन-बोर्ड खाना पकाने पर रोक सुनिश्चित करने के लिए कहा था। यात्रियों को खानपान सेवाएं प्रदान करने के लिए नियुक्त निजी ठेकेदारों को पूरे रेल नेटवर्क के स्टेशनों के पास स्थापित विभिन्न बेस रसोई से भोजन लेने का निर्देश दिया गया था।

संभल हिंसा- 100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी:महिलाओं ने भी छत से पत्थर बरसाए

मंत्री बोले- उपद्रवियों से नुकसान की भरपाई करेंगे

संभल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में पुलिस ने 100 पत्थरबाजों के पोस्टर जारी किए हैं। इनमें ज्यादातर हाथ में पत्थर लिए हैं। मुंह बांधे हैं। बुधवार को पुलिस ने पोस्टर जारी करते हुए कहा कि अभी और वीडियो, सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज की जांच की जा रही है। आगे और भी पोस्टर जारी किए जाएंगे। साथ ही सड़कों पर पोस्टर और होर्डिंग्स भी लगाए जाएंगे। पुलिस अब तक 4 महिलाओं समेत 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। संभल पुलिस ने एक महिला का भी पोस्टर जारी किया। यह महिला पत्थरबाज दीपासराय इलाके की है। वह छत से पत्थर फेंकते हुए नजर आ रही है। यह इलाका सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पास का है।

बर्क के घर के पास महिलाओं ने छत से बरसाए पत्थर

संभल में हुई हिंसा का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के पास कुछ महिलाएं छतों से पुलिस पर पत्थर बरसाती नजर आ रही हैं। कमिश्नर आंजनेय सिंह का कहना है- पत्थरबाजी में शामिल किसी भी अराजक तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे वह पुरुष हों या महिलाएं। वहीं, बुधवार को यूपी के आबकारी राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा-कानून बिगाड़ने वालों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पत्थरबाजी करने वाले, दंगा भड़काने वाले उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर लगाए जाएंगे। सार्वजनिक संपत्ति का जो नुकसान हुआ है। उसकी भरपाई उपद्रवियों से कराई जाएगी। इधर, योगी सरकार हिंसा में जिन-जिन लोगों के नाम सामने सामने आए हैं। उनकी पहचान के बाद वसूली की नुकसान की वसूली की तैयारी कर रही है। गृह और पुलिस विभाग इसमें मिलकर काम कर रहा है। संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दूसरे चरण के दौरान रविवार को हिंसा हुई थी। पथराव-फायरिंग में 4 युवाओं की मौत हुई थी। इस दौरान कई घंटे तक पथराव हुआ था।

रविवार को दोबारा सर्वे के दौरान भड़की हिंसा

2 दिन पहले यानी रविवार सुबह 6.30 बजे डीएम-एसपी के साथ दोबारा से टीम जामा मस्जिद का सर्वे करने पहुंची थी। टीम देखकर मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए। कुछ ही देर में करीब दो से तीन हजार से ज्यादा लोग जामा मस्जिद के बाहर पहुंच गए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद हिंसा भड़क गई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 28 नवंबर- 2024

मुश्किल में बांग्लादेश

बांग्लादेश अब इतना मनबढ़ हो गया है कि उसने विश्वप्रसिद्ध इस्कान मंदिर के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी तक तो फिर भी गनीमत थी लेकिन मामला तब बिगड गया जब वहां कि एक अदालत ने ब्रह्मचारी को जमानत देने से भी इनकार कर दिया। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद भारत समेत कई देशों से आलोचना हो रही है। यह गिरफ्तारी बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के बीच हुई है। आरोप है कि चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे थे। उन पर अक्टूबर में चट्टोग्राम में एक रैली में बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने का भी आरोप है। भारत सरकार ने इस गिरफ्तारी पर गहरी नाराजगी जताते हुए वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि इन घटनाओं के अपराधी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांगें उठाने वाले एक धार्मिक संत को गिरफ्तार कर लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि अल्पसंख्यकों के घरों और दुकानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी, तोड़फोड़ और देवी-देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन इसके अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने यह कह कर पल्ला झाड लिया है कि भारत का आरोप निराधार है। इस्कान ने कृष्ण दास के ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने भी गिरफ्तारी की आलोचना की है। रविशंकर ने कहा, हम प्रो. मोहम्मद यूनुस से और अधिक उम्मीद करते हैं, जिन्हें शांति और सुरक्षा लाने के लिए नोबेल पुरस्कार मिला है। यह घटना बांग्लादेश में हिंदुओं की घटती आबादी और लोकतंत्र के कमजोर होने के बीच हुई है। खबरों के अनुसार एक मुस्लिम युवक ने फेसबुक पर इस्कान पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली एक पोस्ट डाली थी, जिसके बाद स्थानीय हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया। बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति चिंताजनक है। कभी बांग्लादेश की आबादी का 20% हिस्सा हिंदू थे, लेकिन अब घटकर 9% से भी कम रह गया है। हिंदू समुदाय के नेताओं का कहना है कि अल्पसंख्यक हमेशा उपद्रवियों का आसान निशाना बन रहे हैं। शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद यूनुस सरकार में अल्पसंख्यकों और हसीना के पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़ गए हैं। एक इंटरव्यू में यूनुस ने स्वयं कहा कि हिंदुओं पर हमले सांप्रदायिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि ऐसी धारणा है कि ज्यादातर हिंदू हसीना की अवामी लीग का समर्थन करते हैं। हाल ही में, बांग्लादेश को इस्लामी राज्य घोषित करने की मांग उठी है। देश के अटॉर्नी जनरल ने हाई कोर्ट की सुनवाई के दौरान तर्क दिया कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता उस राष्ट्र की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाते हैं जहां 90% आबादी मुस्लिम है। विश्लेषकों ने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति की तुलना अफगानिस्तान और पाकिस्तान के राजनीतिक परिदृश्य से की है। छात्र आंदोलनों के बाद हुए तख्तापलट और शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद, बांग्लादेश की स्थिति की तुलना अफगानिस्तान से की जाने लगी है। इस्कान के संत की गिरफ्तारी और उसके बाद हुई प्रतिक्रियाओं ने बांग्लादेश के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं, और देश किस दिशा में जाएगा यह कहना अब मुश्किल लगने लगा है।

सबसे शर्मनाक अपराधों में से एक है मानव तस्करी

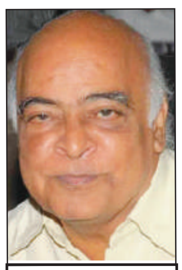

अशोक भाटिया

मानव तस्करी एक वैश्विक समस्या है और दुनिया के सबसे शर्मनाक अपराधों में से एक है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और उनकी गरिमा को छीनता है। तस्कर दुनिया के सभी कोनों से महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को धोखा देते हैं और उन्हें हर दिन शोषणकारी परिस्थितियों में धकेलते हैं। जबकि मानव तस्करी का सबसे प्रसिद्ध रूप यौन शोषण के उद्देश्य से है, सैकड़ों हज़ारों पीड़ितों को जबरन श्रम, घरेलू दासता, बाल भीख मांगने या उनके अंगों को निकालने के उद्देश्य से तस्करी की जाती है।मानव तस्कर लोगों को वस्तु मानते हैं; ऐसी वस्तुएँ जिनका शोषण किया जा सकता है और लाभ के लिए उनका व्यापार किया जा सकता है। यूरोप में, अधिकांश दोषी तस्कर पुरुष हैं, हालाँकि अन्य अपराधों की तुलना में महिला अपराधियों का प्रतिनिधित्व अधिक है, क्योंकि कुछ गिरोह महिलाओं को पीड़ितों का विश्वास जीतकर उन्हें फँसाने में अधिक प्रभावी मानते हैं। हाल ही में सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीबीआई) ने भारत में मानव तस्करी से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह नौकरी दिलाने के नाम पर भारतीयों को रूस-यूक्रेन युद्ध के क्षेत्र में ले जाते थे। जिसके बाद उन्हें रूस की तरफ से जंग लड़ने के लिए मजबूर किया जाता था। सीबीआई ने इस मामले को लेकर सात शहरों के 10 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया था। जानकारी के अनुसार सीबीआई ने कई वीजा परामर्श फर्मों और एजेंट्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच एजेंसी ने सात शहरों में 10 से अधिक स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तलाशी की। यह कार्रवाई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, चंडीगढ़, तिरुवनंतपुरम, अंबाला और मदुरई में की गई है। पुछताछ के बाद कई लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके साथ ही एजेंसी ने 50 लाख रुपए सहित कई दस्तावेज, लैपटाप, मोबाइल, डेस्कटाप आदि इलेक्ट्रानिक रिकार्ड भी जब्त किए। जानकारी के लिए बता दें कि आकर्षक नौकरियों देने की आड़ में यह लोग बेरोजगार युवकों को झांसा देकर रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भेजते थे। इस आरोप में सीबीआई ने कई वीजा कंसल्टेंसी फर्मों और एजेंट्स के खिलाफ मामला दर्ज किया। बता दें कि एजेंसी की जांच में अब तक 35 ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें भारतीयों को अच्छी नौकरियों का झांसा देकर विदेश भेजा गया है। इसके साथ अब तक दो ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां रूस की सेना की ओर से लड़ते हुए भारतीयों की मौत हो गई है। उन दोनों को भी नौकरा का झांसा देकर ही रूस ले जाया गया था। नौकरी का झांसे देकर इन लोगों को विदेश लेजाने के बाद जबरदस्ती यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किया जाता था। हालांकि अब तक विदेश भेजे गए युवकों में से कितनों को जंग में लड़ने को तैनात किया गया है, इसका आंकड़ा साफ नहीं हो पाया है। यह एजेंट्स न सिर्फ युवकों को झांसा देकर विदेश लेकर जाते थे, बल्कि उनसे पैसे भी लेते थे। ऐसी मानव तस्करी को रोकने के लिए सरकार के साथ – साथ समाज को भी चेतना होगा । सबसे पहले देश के नौजवानों और उनके माता-पिताओं को सावधान रहना होगा । सोशल मीडिया यू-ट्यूब, फेसबुक, इन्स्टाग्राम, ट्विटर या किसी भी प्लेटफॉर्म पर कोई नौकरी का ऑफर देता है, स्टूडेंट वीजा पर विदेश भेजकर वहां हर महीने लाखों रूपए कमाने का लालच देता है, तो बिल्कुल भरोसा मत कीजिए, वरना पैसा भी जाएगा और जान जाने की नौबत भी आ सकती है क्योंकि इसी तरह के वीडियो के चक्कर में फंस कर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों के लड़के रूस पहुंच गए। सनद रहे कि ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स और वीज़ा दिलाने के नाम पर लोगों को फंसाने का मानव तस्करी का ये नेटवर्क बड़े सुनियोजित तरीके से काम करता है। प्राइवेट वीजा कंसल्टेंसी की अलग अलग कपनियां सोशल मीडिया पर वीडियो, और यू-ट्यूब के ज़रिए, उन युवाओं से कनेक्ट होते थे जो विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, फिर इन नौजवानों को बताया जाता था कि विदेश में उनके लिए नौकरियों के तरह तरह के ऑप्शन हैं। जैसे डिलीवरी बॉय, हेल्पर, डेटा ऑपरेटर वग़ैरह। रूस के बारे में ये एजेंट दावा किया जाता है कि युवकों को वहां जाकर बॉर्डर पर जाकर न टैंक चलाना है, न तोप के गोले दाग़ने हैं, इन कंपनियों के एजेंट रूस में भी मौजूद हैं। वो वहां से वीडियो बनाकर दिखाते थे कि रूस में हालात बिल्कुल नॉर्मल हैं, सेना मोर्चे पर है, लेकिन सिविलियन इलाकों में लाइफ नॉर्मल है और उनको सिविलियन इलाकों में काम करना है। ये एजेंट दावा करते थे कि ये सब काम करने के लिए युवकों को तीन महीने ट्रेनिंग दी जाएगी और पहले तीन महीने तक हर महीने 40 हज़ार रूपये सैलरी भी मिलेगी। तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद जब इन युवकों की पोस्टिंग होगी, तो उनकी सैलरी बढ़कर एक लाख रुपए प्रति महीना हो जाएगी। विदेश में बसने का सपना देख रहे पढ़े-लिखे नौजवान उनके झांसे में आ जाते थे और वो रूस जाने के लिए जैसे तैसे तीन लाख रुपए इकट्ठा करते थे लेकिन, जैसे ही ये युवक रूस पहुंचते थे, इन एजेंटों का असली खेल शुरू हो जाता था। उनसे रूसी भाषा में एक कॉन्ट्रैक्ट पर ज़बरन साइन कराया जाता था और बंदूक, राइफल चलाने की थोड़ी बहुत ट्रेनिंग देकर जंग के मोर्चे पर भेज दिया जाता था। जो लोग इसका विरोध करते थे, उनको 10 साल के लिए जेल में डालने की धमकी दी जाती थी। इस पूरे रैकेट में सबसे ज़्यादा चर्चा बाबा व्लॉग्स नाम के एक एजेंट की हो रही है। ये असल में दुबई में रहने वाले फ़ैसल अब्दुल मुतालिब ख़ान का वीडियो ब्लॉग है। सबसे ज़्यादा नौजवान इसी फ़ैसल अब्दुल मुतालिब ख़ान के वीडियो देखकर एजेंट्स के जाल में फंसे। इस बाबा व्लॉग के कई वीडियो अब भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। ये फ़ैसल अब्दुल मुतालिब ख़ान दुबई की एक कंपनी में डायरेक्टर है। इस कंपनी का नाम बाबा व्लॉग्स ओवरसीज़ रिक्रूटमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड है। ये शख़्स रूस के अलग अलग शहरों से अपने वीडियो डालकर लोगों को यक़ीन दिलाता था कि रूस में सब कुछ नॉर्मल है, ऐसे में नौजवानों को वहां आकर नौकरी करने में कोई रिस्क नहीं है। इस ब्लॉगर ने दो दर्जन लड़कों को रूस भेजा लेकन जब रूस यूक्रेन की जंग में दो भारतीय नौजवानों की मौत की खबर आई तो हमारी सरकार और एजेंसीज एलर्ट मोड में आईं। धोखाधड़ी की ऐसी ही घटनाओं पर एक्शन लिया। सीबीआई ने इस तरह की 17 प्लेसमेंट एजेंसीज़ का पता लगाया।

दिल्ली, मुंबई, अंबाला चंडीगढ़, मदुरै और चेन्नै समेत 13 जगहों पर छापेमारी की। सीबीआई ने 17 कंपनियों और उनके मालिकों पर केस दर्ज किया। दिल्ली में ओवरसीज़ फाउंडेशन और इसके निदेशक सुयश मुकुट के ख़िलाफ़ केस दर्ज हुआ है। ओवरसीज फाउंडेशन के ठिकानों पर रेड्स भी हुई हैं। ओवरसीज़ फाउंडेशन का ऑफ़िस दिल्ली में कस्तूरबा गांधी रोड पर अंबादीप बिल्डिंग में है। इसी तरह, सीबीआई ने मुंबई की ओएसडी ब्रदर्स ट्रैवल्स ऐंड वीज़ा सर्विसेज़ और इसके निदेशक राकेश पांडेय पर केस रजिस्टर किया। इसके ठिकानों पर रेड की, हालांकि राकेश पांडेय गिरफ़्त में नहीं आया। चंडीगढ़ और अंबाला की एडवेंचर वीज़ा सर्विसेज़ और इसके डायरेक्टर मंजीत सिंह के ख़िलाफ़ भी एक्शन हुआ। सीबीआई ने दुबई की बाबा व्लॉग्स ओवरसीज़ रिक्रूटमेंट सॉल्यूशंस और इसके निदेशक फ़ैसल अब्दुल मुतालिब ख़ान उर्फ़ बाबा के ख़िलाफ़ केस दर्ज किए हैं। सीबीआई के मुताबिक़, जबरन प्राइवेट आर्मी में भर्ती करने के कम से कम 35 मामले सामने आए हैं, अब सबकी जांच की जा रही है। सीबीआई की रेड में 50 लाख नक़द और कई इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस और कुछ वीडियो भी मिले हैं।

ईवीएम को लेकर हाय-तौबा क्यों?

राधा रमण

मंगलवार को भारतीय संविधान दिवस के दिन कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में संविधान रक्षा दिवस मनाया। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में न्याय यात्रा और जनजागरण यात्रा की तरह ईवीएम भगाओ, देश बचाओ यात्रा शुरू करने की जरूरत है। हम इस तरह के अभियान के लिए तैयार हैं। इसके लिए कांग्रेस विपक्षी दलों से बात करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि देश में ईवीएम की बजाय मतपत्रों से मतदान कराया जाएगा तो भाजपा का सफाया हो जाएगा। खड़गे ने देश में जातीय जनगणना कराने की भी कांग्रेस की पुरानी मांग को दोहराया। लेकिन यहां हम ईवीएम को लेकर ही बात करेंगे।

दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव में अपने अब तक के सबसे शर्मनाक पराजय के बाद कांग्रेस बौखला गई है। उसी बौखलाहट में ही वह अनाप-शनाप और बेतुकी मांग कर रही है। ऐसा करके वह कान की बीमारी में जोड़ों के दर्द की दवा से इलाज कराना चाहती है। बीते दिनों हरियाणा की हार के बाद भी कांग्रेस ने कुछ इसी तरह की प्रतिक्रिया दी थी। मुझे कहने दीजिए कि ऐसा कहकर कांग्रेस कहीं 'नाच न जाने ऑगन टेढ़ा' की बहुचर्चित पुरानी लोकोक्ति को चरितार्थ तो नहीं कर रही है। ईवीएम फूलप्रूफ निष्पक्ष और सुरक्षित है या नहीं, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। लेकिन चुनाव आयोग ने जब भी ईवीएम की निष्पक्षता और इसके फूलप्रूफ होने का डेमो दिया तब सभी राजनीतिक दलों के नेता चुनाव आयोग की बैठक में पहुंचे और संतुष्ट होकर चाय पीकर चले आए। होना यह चाहिए था कि आयोग के बुलावे पर राजनीतिक दल नेताओं को न भेजकर आईटी एक्सपर्ट को भेजते, ताकि देश को भी ईवीएम के निष्पक्ष होने का सबूत मिल जाता। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। ईवीएम को लेकर जब भी विवाद उछला, चुनाव आयोग ने वही पुरानी प्रक्रिया अपनाई और बात आई- गई हो गई। इसलिए आज तक देश का जनमानस ईवीएम को लेकर कभी संतुष्ट नहीं हो पाया।

अब बड़ा सवाल यह कि जिस ईवीएम को दुनिया के अधिकांश बड़े देशों ने नकार दिया उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत ने क्यों और कैसे अपना लिया। इसकी अलग कहानी है।

पीछे मुड़कर देखें तो देश के अलग- अलग हिस्सों में बूथ कैप्चरिंग की वारदतें इतनी बढ़ गई कि 1989 में सरकार ने सभी दलों की आमराय से निष्पक्ष और विवाद रहित मतदान के लिए ईवीएम को विकल्प बनाया। बताना जरूरी है कि अपने देश में बूथ कैप्चरिंग की पहली वारदात 1957 के चुनाव झूठे में मुंगेर (अब बेगूसराय) जिले के मटिहानी विधानसभा क्षेत्र में हुई थी, जब दबंगों ने बलपूर्वक अपने पक्ष में मतदान करा लिया। बाद के दिनों में बूथ कैप्चरिंग की वारदतें लगातार बढ़ती गई। राजनीति 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' सरीखी हो गई। राजनीति में अपराधियों के पदार्पण की मूल वजह भी यही है। वरना आजादी के बाद की राजनीति इतनी खराब नहीं थी। सियासत में अच्छे लोग सक्रिय थे जो समाज का भला- बुरा सोचते थे। इस संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को याद करना बेमानी नहीं होगा। चौधरी साहब अक्सर कहा करते थे कि बेटी की शादी अगर गलत घर में हो जाए तो परिवार खराब हो जाता है लेकिन वोट यदि गलत व्यक्ति को मिल जाए तो पूरा समाज खराब हो जाता है।

मुझे कहने दीजिए कि देश में बूथ कैप्चरिंग से लेकर राजनीति के अपराधीकरण और अपराधियों को सांसद विधायक बनाने की सिरमौर कांग्रेस ही रही है। इसके अलावा जिस ईवीएम को लेकर कांग्रेसी अब हाय- तौबा मचा रहे हैं, उसे उपयोग में लाने वाली भी कांग्रेस ही रही है। भले ही उसमें सभी सियासी दलों की सहमति रही हो। अब कांग्रेस कहती है कि ईवीएम में हेराफेरी संभव है। तो क्या कांग्रेस से यह क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए कि यदि ईवीएम से मतदान में गड़बड़ी कराई जा सकती है तो उसने क्या सोचकर देश में ईवीएम से मतदान की व्यवस्था लागू कराई थी। कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना चाहिए कि क्या हिमाचल, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, दिल्ली, तमिलनाडु और केरल की सरकारें ईवीएम की गड़बड़ी से ही बनी हैं? यदि नहीं तो फिर महाराष्ट्र पर हो हल्ला मचाने का तुक क्या है? तुर्रा यह कि संसद में मल्लिकार्जुन खड़गे सीना ठोंक कर कहते हैं कि संविधान की गरिमा बनाने में उनका भी 54 साल का योगदान रहा है।

दरअसल, यह कहने में संकोच नहीं होना चाहिए कि देश की अधिकांश समस्याओं की जड़ कांग्रेस ही रही है। मन मुताबिक नियम बनाने, कानून से खिलवाड़ करने और भ्रष्टाचार की सड़क बनाने में कांग्रेस का कोई सानी नहीं है। भले ही कांग्रेस की भ्रष्टाचार की सड़क पर अब नरेंद्र मोदी अपना रथ दौड़ा रहे हैं।

इस बीच, ईवीएम की बजाय बैलट पेपर से चुनाव कराने संबंधी एक याचिका खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को खूब खरी-खरी सुनाई है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि जब नेताओं को दिक्कत नहीं है तो आपको क्या कष्ट है। याचिकाकर्ता द्वारा यह कहने पर कि चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन रेड्डी भी ईवीएम में गड़बड़ी की बात करते हैं। सुप्रीम अदालत ने कहा कि नेताओं के साथ यही दिक्कत है। जब चुनाव जीत जाते हैं तब उन्हें ईवीएम अच्छा लगता है और हार जाते हैं तब अपने अंदर झांकने की बजाय दोषी ईवीएम को बताने लगते हैं।

दिल्ली में बीजेपी का सियासी धमाका

अजय कुमार

बीजेपी के लिए, महाराष्ट्र में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद, दिल्ली विधानसभा चुनाव एक बड़ी चुनौती है, लेकिन पार्टी अब पूरी ताकत के साथ इस चुनावी मुकाबले में उतरने जा रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा की जीत के बाद बीजेपी में जो जोश और उत्साह का संचार हुआ है, वह स्वाभाविक है। भले ही पार्टी को झारखंड में एक झटका लगा हो, लेकिन इन जीतों के बाद पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ा है, और अब वह दिल्ली की ओर पूरी ताकत के साथ बढ़ रही है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए मिले जख्मों को दो राज्य स्तर की जीतों ने भरने का काम किया है। लोकसभा चुनाव में मिले नुकसान के बाद, बीजेपी की यह जीत जैसे एक टॉनिक का काम कर रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन पिछले कुछ वर्षों से कमज़ोर रहा है। 2013 में, बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन सरकार नहीं बना पाई।

उस चुनाव में बीजेपी को 32 सीटें मिली थीं। 2015 में यह स्थिति और बिगड़ी और पार्टी को दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में से केवल 3 सीटों पर ही जीत मिल पाई। हालांकि, 2020 में बीजेपी का प्रदर्शन थोड़ा सुधरा था, और पार्टी को 8 सीटें मिलीं। लेकिन फिर भी, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (AAP) के सामने बीजेपी का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर ही रहा। 2020 के चुनाव परिणामों से साफ था कि आम आदमी पार्टी का प्रभाव दिल्ली की राजनीति में काफी मजबूत हो चुका है। 2015 में जब AAP ने 67 सीटें जीती थीं, तब से पार्टी का दबदबा लगातार बना रहा। 2020 में भी आम आदमी पार्टी ने 62 सीटों के साथ सत्ता में वापसी की। हालाँकि, बीजेपी के लिए एक राहत की बात यह है कि सीटों में कुछ कमी आई है। बीते हुए चुनावों से यह स्पष्ट होता है कि आम आदमी पार्टी के लिए सत्ता में वापसी अब भी संभव है, लेकिन बीजेपी की रणनीति में कई नए आयाम जोड़े जा रहे हैं। बीजेपी के रणनीतिकारों ने दिल्ली चुनावों के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। पार्टी ने कैलाश गहलोत जैसे नेताओं को अपनी टीम में शामिल किया है, जो पहले आम आदमी पार्टी से जुड़े थे। गहलोत को चुनाव समन्वय समिति और बीजेपी के चुनाव घोषणा पत्र समिति का सदस्य बनाया गया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी इस बार चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। कैलाश गहलोत का बीजेपी में आना और उनकी सक्रिय भूमिका पार्टी की चुनावी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके अलावा, स्वाति मालीवाल जैसे अन्य नेताओं की मुहिम भी बीजेपी के पक्ष में जा सकती है।

बीजेपी ने महाराष्ट्र चुनाव के बाद दिल्ली में एक परिवर्तन यात्रा की घोषणा की है। यह यात्रा दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी। बीजेपी का उद्देश्य इस यात्रा के माध्यम से दिल्लीवासियों को यह बताना है कि उनके इलाके में जो भी समस्याएं हैं, चाहे वह सड़क, सीवर या पानी की कमी हो, उसकी जिम्मेदार केवल और केवल आम आदमी पार्टी है। पार्टी ने इस परिवर्तन यात्रा के लिए सतीश उपाध्याय को जिम्मेदारी दी है। बीजेपी नेताओं का मानना है कि इस यात्रा के दौरान पार्टी दिल्लीवासियों को यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने शहर की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं किया है। दिल्ली में बीजेपी की इस परिवर्तन यात्रा का कांग्रेस के न्याय यात्रा से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच सीधी टक्कर को जन्म दे सकता है। बीजेपी का आरोप है कि आम आदमी पार्टी ने दिल्लीवासियों की समस्याओं को अनदेखा किया और सिर्फ सत्ता में बने रहने की कोशिश की। बीजेपी ने अपने प्रचार में यह भी कहा है कि वह दिल्ली के हर छोटे-बड़े मुद्दे पर काम करने का वादा करती है। पार्टी का कहना है कि वह माइक्रो-लेवल पर जाकर दिल्ली की समस्याओं का समाधान करने में विश्वास रखती है, जो आम आदमी पार्टी नहीं कर पाई है।बीजेपी का हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का एजेंडा पिछले दो चुनावों में पूरी तरह से असफल साबित हुआ था। 2020 के चुनाव में बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आतंकवादियों से जुड़े आरोप लगाए थे, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हुआ था। अब एक बार फिर बीजेपी हिंदुत्व के मुद्दे को चुनावी प्रचार में लाने की योजना बना रही है। पार्टी का मानना है कि दिल्ली में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे को चुनावी मुद्दा बनाया जा सकता है। बीजेपी को उम्मीद है कि इस बार पार्टी की यह रणनीति काम कर सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी का यह अभियान कांग्रेस की भूमिका को भी प्रभावित कर सकता है।

लोन लेकर घी पीजिए की प्रवृत्ति

सुनील महला

भारत में खर्च के लिए क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता की प्रवृत्ति में लगातार इजाफा हो रहा है। क्रेडिट कार्ड कंपनियां भी आज उपभोक्ताओं को क्रेडिट कार्ड जारी करने के एवज में फ्री गिफ्ट्स यथा स्मार्ट वाच, स्पीकर, इयर बड्स व अन्य गिफ्ट आइटम्स आदि बांटकर उन्हें अपने चंगुल में फंसा रहीं हैं।

क्रेडिट कार्ड कंपनियों से फ्री गिफ्ट्स पाकर आम आदमी भी इन कंपनियों के चंगुल में आसानी से फंस जाता है और बहुत बार आनलाइन खरीदारी के बाद क्रेडिट कार्ड बिल का पेमेंट नहीं करने की स्थिति में क्रेडिट कार्ड कंपनियां उपभोक्ता से 'बिग फाइन' वसूलतीं हैं और उपभोक्ता स्वयं को ठगा सा महसूस करता है। उल्लेखनीय है कि आज 39 प्रतिशत लोग महानगरों में और छोटे शहरों के 45 प्रतिशत लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रेडिट कार्ड पर निर्भर हैं। दोनों ही 'बाय नाउ पे लेटर' का सहारा ले रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है कि अक्टूबर माह में त्योहारी सीजन के कारण क्रेडिट कार्ड से खर्च 14.5 प्रतिशत बढ़कर पहली बार दो लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया जो कि एक बहुत बड़ी धनराशि है।

हैरानी की बात यह है कि आज ज्यादातर सैलरीड क्लास लोगों के ऊपर 25 लाख रुपए तक का कर्ज है। वास्तव में आज स्थिति यह है कि ज्यादातर सैलरीड लोग होम लोन ले चुके हैं जैसा कि घर खरीदना सैलरीड लोगों की पहली प्राथमिकता होती है। आश्चर्यजनक है कि आज देश में केवल 13.4 नौकरीपेशा लोग ही कर्ज से मुक्त हैं। आज नौकरीपेशा लोग अपने स्वास्थ्य, रिश्तों, प्रसिद्धि और तरक्की पर पैसा खर्च करते हैं। आज भारत के नौकरीपेशा लोग एजुकेशन लोन, कार लोन, होम लोन ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आज सेलेरीड पर्सन लोन और क्रेडिट काड्र्स का सबसे ज्यादा उपयोग कर रहे हैं।

ऐसे लोग आनलाइन खरीदारी में अपनी रूचि का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इन सबके पीछे कारण यह है कि आज के समय में एक ओर जहां लिविंग कास्ट बढ़ गई है, वहीं पर दूसरी ओर बढ़ती महंगाई भी सैलरीड क्लास लोगों को अपने लक्ष्यों को हासिल करने में आड़े आ रही है और वे अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आज लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे फाइनेंशियल प्राडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, यहां गौरतलब है कि खर्च के साथ आज आमदनी में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है लेकिन बावजूद इसके सैलरीड क्लास के अधिकतर लोगों का कर्ज में डूबना आश्चर्यचकित करता है। खर्च के लिए क्रेडिट कार्ड और बैंक लोन पर निर्भरता की यह प्रवृत्ति भारतीय समाज में पहले कभी नहीं रही और क्रेडिट कार्ड और लोन जैसे फाइनेंशियल प्राडक्ट्स का इस्तेमाल आज अन्य देशों की तरह भारतीय समाज में भी एक नया ट्रेंड बनकर उभर रहा है। वास्तव में भारतीय समाज का यह नया ट्रेंड चार्वाक दर्शन को साकार करता नजर आता है जिन्होंने कहा था - 'यावज्जीवेत्सुखं जीवेत ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत।

पॉलिटिकल पंडित

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

रविवार की सुबह थी और पार्क मानो किसी तीर्थस्थल का रूप ले चुका था। एक ओर महिलाएँ योग की विभिन्न मुद्राओं में जैसे आध्यात्मिक शांति खोज रही थीं, दूसरी ओर पुरुष मंडली हफ्ते भर की कसरत के नाम पर पॉलिटिक्स पंडित बने बैठे थे। यह वही मंडली थी, जो हफ्ते भर अपने घरों में चुप रहते हैं और रविवार को पार्क में सारे ब्रह्माण्ड का ज्ञान बिखेर देते हैं। तभी एक सज्जन चाय के कुल्हड़ के साथ, मानो किसी अनुष्ठान का हिस्सा बनने आए, मंडली में आ बैठे। उन्हें देखते ही बाकियों ने अपनी कुर्सियाँ एक सजीव सर्कल में जमा दीं। अब ज्ञानवर्धक 'गोष्ठी' का आगाज हुआ। पहले सज्जन बोले, भाई, ये सरकार बिल्कुल निकम्मी हो गई है। रोज पेट्रोल के दाम बढ़ रहे हैं। अब हम तो साइकिल चलाने की सोच रहे हैं। उनके इस ऐतिहासिक विचार पर बाकी लोग इतनी सशंकित मुद्रा में हामी भर रहे थे जैसे साइकिल क्रांति बस उनकी ही सोच से आएगी।दूसरे सज्जन, जो योगा मैट पर बैठे-बैठे कुंडली मारने में व्यस्त थे, बोले, अरे भाई, ये तो सब राजनीति है। असली समस्या तो हमारी शिक्षा व्यवस्था है। बच्चों को क्या सिखाया जा रहा है? अरे वो जो पुराना पाठ्यक्रम था, वही बेहतर था। मानो वे खुद उस समय में पैदा हुए थे जब तक्षशिला विश्वविद्यालय फल-फूल रहा था।तीसरे सज्जन ने अपनी मूंछें ऐंठते हुए कहा, देखो भाई, सब दोष सिनेमा का है। ये जो नए-नए हीरो आ रहे हैं, बस बच्चों को बर्बाद कर रहे हैं। जमाना था जब हम केवल रामायण-महाभारत देखते थे और तब का युवा संस्कारी था। उनकी इस बात पर सबकी आंखों में सहमति झलक रही थी। सबको ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो रामायण-महाभारत ही असली जीवन का सार है, बाकी सब तो पाखंड है। तभी एक सज्जन जो काफी देर से खामोश थे, अचानक बोले, अरे ये सब छोड़ो, असली मुद्दा तो ये है कि हमारा पार्क कितना गंदा हो गया है। ये नगर निगम क्या कर रहा है? मैंने तो दो बार शिकायत भी की, पर किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। बाकियों ने इसे समर्थन देने में जरा भी देरी नहीं की और मन ही मन निर्णय कर लिया कि आज पार्क का मुद्दा उच्चाधिकारी तक पहुंचाएंगे।महिलाओं की टोली भी अपने व्यायाम से मुक्त होकर उनकी ओर खिसक आई। वे सोच रहीं थीं कि यहाँ जो ज्ञानी पुरुष बैठे हैं, उनमें जरूर उन सबके बारे में खिचड़ी पक रही होगी। बैठक का मुद्दा पता लगने पर एक महिला ने साहस जुटाते हुए पूछा, अरे भाई साहब, पार्क का कुछ सुधार करने के लिए हम क्या कर सकते हैं?पहले सज्जन ने अपने मुखमंडल पर गंभीरता ओढ़ते हुए कहा, बहनजी, हम हर रविवार यहाँ बैठक करेंगे और अगले महीने हम पार्क की सफाई अभियान भी चलाएंगे। मानो यह अभियान नहीं, बल्कि स्वच्छता क्रांति का आरंभ होगा।सभी ने उनकी इस घोषणा पर तालियाँ बजाईं। सभी को यह महसूस हो गया था कि असल में पार्क की सफाई से ही देश की समस्याएँ हल होंगी। रविवार की इस सजीव सभा का समापन चाय की चुस्कियों और महान योजनाओं के साथ हुआ, और सब अपने-अपने घर लौट गए, यह तय कर के कि अगली बैठक में असली बदलाव लाने का कार्य प्रारंभ करेंगे – यानी अगले रविवार तक सब कुछ फिर से पहले जैसा ही रहेगा।

किन देवताओं की पूजा करते थे पांडव और किनके परम भक्त थे कौरव

युधिष्ठिर यमराज की पूजा करते थे, क्योंकि वो सत्य-निष्ठा के रास्ते पर चलते थे कौरव भी करते थे चार खास देवी - देवताओं की आराधना

कर्ण रोज नहाने के बाद काफी देर तक सूर्य की पूजा करते थे

महाभारत में कहानियों का क्रम बहुत बड़ा है। इनमें बहुत कुछ ऐसा भी है, जो हमें नहीं मालूम। क्या आपको मालूम है कि पांडव और कौरव भी कुछ भगवानों की पूजा करते थे। दोनों आमतौर पर उस दौर के 4-5 बड़े देवी देवताओं की आराधना करते थे। तो हम आपको बताएंगे कि ये भगवान कौन थे। साथ इनमे से किसे सही मायनों में भगवानों का आर्शीवाद मिला। सबसे पहले तो ये बता दें कि कृष्ण के साथ पांडवों के घनिष्ठ संबंध थे, जो उनके सहयोगी और मार्गदर्शक दोनों थे। भगवान विष्णु के अवतार कृष्ण ने कुरुक्षेत्र युद्ध में अर्जुन के सारथी के रूप में कार्य किया। भगवद गीता के माध्यम से उन्हें आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी दिया।

महाभारत के दौर में मुख्य तौर पर ब्रह्मा, विष्णु, शिव, दुर्गा और यम की पूजा की जाती थी। इंद्र की पूजा भी होती थी। हालांकि इन सभी देवताओं की पूजा आज भी होती है लेकिन अब ब्रह्मा और इंद्र की पूजा उस तरह नहीं होती, जैसी तब होती थी। यम की उपासना का रिवाज भी अब सामान्य तौर पर नहीं है लेकिन तब उनकी भी आराधना होती थी।

द्रौपदी थीं किसकी भक्त

अब जानते हैं कि कौन से पांडव और द्रौपदी किसकी उपासना करते थे। महाभारत की कहानियों के अनुसार, पांडवों की पत्नी द्रौपदी दुर्गा (या उनके योद्धा रूप में पार्वती) की भक्त थीं।दुर्गा से उनकी प्रार्थनाओं का जिक्र अक्सर महाभारत में आया है।

कौन था शिव का उपासक

खासतौर पर अर्जुन भगवान शिव के उपासक थे। उन्होंने गहन तपस्या के बाद शिव से शक्तिशाली हथियार पाशुपतास्त्र प्राप्त किया। हालांकि शिव को अन्य पांडवों द्वारा भी पूजा जाता था। कौरव भी भगवान शिव के उपासक थे।

भीम थे किसके भक्त

पांडवों में सबसे बलशाली भीम को हनुमान की उपासना के लिए जाना जाता है। महाभारत में एक जगह जिक्र भी आया है कि वनवास के दौरान कैसे हनुमान ने भीम की परीक्षा ली। कहा जाता है कि भीम के रथ पर हनुमान की पताका थी। भीम को अपनी शक्ति और वीरता के लिए जाना जाता है।

भीम की हनुमान के प्रति भक्ति का एक महत्वपूर्ण उदाहरण तब देखने को मिलता है जब उन्होंने हनुमान जी से प्रेरणा ली और उन्हें अपने बलशाली व्यक्तित्व का आदर्श माना। भीम का मानना था कि हनुमान की शक्ति और भक्ति उन्हें युद्ध में विजय दिला सकती है। भीम ने अन्य देवताओं की भी पूजा की, लेकिन हनुमान के प्रति उनकी विशेष श्रद्धा और भक्ति थी।

युधिष्ठिर के आराध्य कौन थे

धर्म के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाने वाले युधिष्ठिर को यम (मृत्यु और धर्म के देवता) का पुत्र माना जाता था। उनके दृढ़ नैतिक नियम और धर्म के प्रति श्रद्धा यम के आदर्शों के प्रति उनके समर्पण का हिस्सा थे। वह उनकी लगातार पूजा अर्चना करते थे।यमराज को धर्म का प्रतीक माना जाता है। युधिष्ठिर को भी "धर्मराज" कहा जाता है, क्योंकि वह भी हमेशा सत्य और धर्म के प्रति अडिग निष्ठा पर चलने वाले थे। युधिष्ठिर का जन्म यमराज के अंश के रूप में हुआ था, जब उनकी माता कुंती ने यम का आह्वान किया। उनका जीवन सत्यवादिता और धार्मिक आचरण के लिए विख्यात रहा। इस प्रकार युधिष्ठिर की पूजा का मुख्य देवता यमराज ही हैं, जो उन्हें नैतिकता और धर्म का मार्ग दिखाते हैं। महाभारत में युधिष्ठिर ने इंद्र की भी पूजा की, विशेषकर जब उन्होंने स्वर्गारोहण किया। इंद्र ने उन्हें स्वर्ग में आमंत्रित किया। **(जारी)**

नवंबर का आखिरी प्रदोष व्रत आज

प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। हर व्रत हर महीने किया जाता है। प्रदोष व्रत महादेव और मां पार्वती को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भोले बाबा की आराधना करने से भक्त की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। प्रदोष व्रत करने से पापों से मुक्ति मिलती है। गुरु प्रदोष व्रत रखने से यश, सुख-समृद्धि और सफलता की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं नवंबर महीने का प्रदोष व्रत कब है और कैसे भगवान शंकर की पूजा करें कि वह खुश हो जाएं।

इस दिन रखा जाएगा गुरु प्रदोष व्रत

हर माह की त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष व्रत किया जाता है। मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को गुरु प्रदोष व्रत का संयोग बन रहा है। यह नवंबर महीने का आखिरी प्रदोष व्रत भी होगा। त्रयोदशी तिथि 28 नवंबर 2024 को सुबह 06 बजकर 23 मिनट पर प्रारंभ होगी और त्रयोदशी का समापन 29 नवंबर 2024 को सुबह 08 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।उदयातिथि मान्य होने के कारण गुरु प्रदोष व्रत 28 नवंबर 2024 को रखा जाएगा।

पूजा के लिए क्या है शुभ मुहूर्त

28 नवंबर को शाम 05 बजकर 23 मिनट से रात 08 बजकर 05 मिनट तक प्रदोष व्रत पूजा के लिए शुभ मुहूर्त रहेगा। इस दौरान प्रदोष काल रहेगा। भगवान शिव की प्रदोष काल में पूजा करना अत्यंत शुभ माना गया है। गुरुवार के दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत की महत्ता अधिक है क्योंकि गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित है।

गुरु प्रदोष व्रत की महिमा और इसके क्या हैं नियम ?

ऐसे में इस दिन भगवान शिव के साथ भगवान विष्णु की पूजा जरूर करें। ज्योतिष गणना के अनुसार प्रदोष व्रत पर गर और वणिज करण बन रहे है, जिस पर चित्रा नक्षत्र का संयोग रहेगा। इस योग में पूजा करना बेहद कल्याणकारी माना जाता है। इस तिथि पर सौभाग्य योग बन रहा है, जो शाम 4 बजकर 1 मिनट तक रहेगा। इसके बाद शोभन योग का निर्माण हो रहा है, जो 29 नवंबर 2024 को शाम 4:33 मिनट तक रहेगा। प्रदोष व्रत की पूजा हमेशा प्रदोष काल में की जाती है।

पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

इसके बाद घर के मंदिर को साफ करें और प्रसाद बनाएं।

भगवान शिव और देवी पार्वती के समक्ष घी का दीपक जलाएं। भोले बाबा को बेलपत्र और फूल अर्पित करें।

माता पार्वती को शृंगार का सामान अर्पित करें।

यदि आप व्रत रखना चाहते हैं तो हाथ में जल, फूल और अक्षत लेकर संकल्प लें।

संध्या के समय घर के मंदिर में दीपक जलाएं। निकट के शिव मंदिर में जाकर पूजा करें और ध्यान लगाएं।

शिव मंत्र ऊं नमः शिवाय का जाप करें।

इसके बाद प्रदोष व्रत की कथा सुनें और फिर भगवान भोले की आरती करें।

अंत में किसी भूल चूक के लिए भगवान से माफी मांगें।

प्रदोष व्रत के अगले दिन भोजन बनाकर सबसे पहले गाय को खिलाएं। इसके बाद खुद भोजन करके अपना उपवास खोलें।

गुरुवार को बृहस्पति देव की इस विधि से करें पूजा, चमक उठेगी किस्मत

सनातन धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित है। इसी तरह गुरुवार के दिन बृहस्पति देव की पूजा की जाती है। बृहस्पति को देवताओं का गुरु माना जाता है यही वजह है कि इस दिन को गुरुवार कहा जाता है। जिस तरह हर देव के पूजा की एक खास विधि तय है उसी तरह सप्ताह के सात दिन भी किसी न किसी देवी-देवताओं को समर्पित किए गए हैं। धार्मिक मान्यता है कि दिन विशेष के अनुसार देवताओं की पूजा करने से उस पूजा का विशेष लाभ प्राप्त होता है। साथ ही, बृहस्पतिदेव जीवन से सारे कष्ट दूर कर उसका जीवन सुख,शांति एवं समृद्धि से भर देते हैं। अब सवाल है कि आखिर गुरुवार के दिन क्या करना चाहिए?

बृहस्पति देव की पूजा विधि

गुरुवार के दिन बृहस्पतिदेव की पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान वाले पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर उस पानी से नहाना चाहिए। इसके बाद माथे पर केसर या हल्दी का तिलक लगाएं। बृहस्पति देव की मूर्ति या तस्वीर को पीले रंग के कपड़े पर विराजित करना चाहिए। इसके बाद विधि-विधान से उनकी पूजा-आरती करना चाहिए। पूजा में पीले फूल, केसरिया चंदन, प्रसाद के तौर पर गुड़ और चने की दाल का भोग अवश्य लगाना चाहिए। यही ऐसा न कर सकें तो कोई भी पीले रंग का पकवान चढ़ाना चाहिए। इसके अलावा केले के वृक्ष में जल अर्पित करने के साथ ही उसकी धूप-दीप से पूजा करना चाहिए।

गुरुवार को विष्णु भगवान का विधि-विधान से पूजन करने से बृहस्पति देव प्रसन्न होते हैं। इस दिन ब्राह्मणों का आदर-सत्कार कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। इसके अलावा गुरुवार को केसर और चने की दाल का मंदिर में दान करें। साथ ही, योग्य व्यक्तियों को गुरुवार के दिन ज्ञानवर्धक पुस्तकों का दान करना चाहिए।

गुरुवार के दिन ध्यान रखने योग्य बातें

गुरुवार के दिन हेयर कटिंग या शेविंग नहीं करवाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से संतान सुख में बाधा पैदा होती है।

इस दिन नमक नहीं खाना चाहिए।

गुरुवार का दिन दक्षिण, पूर्व, नैऋत्य दिशा में यात्रा करने के लिए वर्जित माना जाता है।

इस दिन कपड़े धोना और घर का पोछा लगाना भी वर्जित माना गया है।

आपको भी बनना है स्वामी विवेकानंद जैसा विद्वान

आज से फालो करें उनकी ये सीख

एक बार स्वामी विवेकानंद जयपुर में 2 सप्ताह के लिए ठहरे थे। इस दौरान एक व्याकरण के विद्वान से उनकी भेंट हुई। परिचय होने के पश्चात स्वामी जी ने उनसे पाणिनि का अष्टाध्यायी व्याकरण पढ़ने की इच्छा जाहिर की। इस शास्त्र में विलक्षण ज्ञान होने पर भी पंडित जी की अध्ययन प्रणाली सरल नहीं थी।

इसके बाद पंडित जी ने लगातार 3 दिनों तक पातंजल भाष्य सहित प्रथम सूत्र की व्याख्या की लेकिन उन्होंने पाया कि इसका अर्थ स्वामी जी को पूरी तरह से समझ में नहीं आया। चौथे दिन उन्होंने स्वामी जी से कहा, ''मुझे लगता है कि जब तीन दिनों में मैं आपको प्रथम सूत्र का ही अर्थ नहीं समझा सका, तब मुझसे आपको कोई विशेष लाभ नहीं होगा।''

पंडित जी की बात सुनकर स्वामी विवेकानंद जी ने दृढ़ संकल्प किया कि चाहे जैसे हो अपने ही प्रयास से वह उक्त भाष्य का अर्थ समझेंगे और जब तक ऐसा नहीं होता तब तक वे अन्य किसी ओर मन नहीं लगाएंगे। संकल्प कर एकांत स्थान में वह उसे पढ़ने बैठे। कुछ ही समय में स्वामी जी ने भाष्य को कंठस्थ कर लिया।

इसके बाद वह पंडित जी के समक्ष उपस्थित होकर उसकी व्याख्या करने लगे। उनकी तर्कपूर्ण व्याख्या सुनकर पंडित जी आश्चर्यचकित हो गए। इस घटना का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने बाद में कहा था कि मन में यदि प्रबल संकल्प हो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

बस इस मूर्ति को घर में रखें और देखें कैसे हर मुश्किल से निकल कर आपको कामयाबी है मिलती !

आम तौर पर ये कहा जाता है कि कछुआ, हाथी जैसी कुछ मूर्तियां घर में नहीं रखनी चाहिए, लेकिन क्या ये सच है? हमारे पूर्वजों ने हमें कुछ चीजें करने से मना किया था, उनके पास इसके कुछ कारण थे। हालांकि,ये भी मान्यता है कि कछुआ की मूर्ति घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। पौराणिक मान्यताएं के अनुसार, कछुआ भगवान विष्णु का रूप होता है। इसे घर में रखने से उत्तर दिशा में पैसे का आगमन बढ़ता है और घर में सुख-शांति रहती है, तो चलिए इसके बारे में और जानते हैं...

हाथी की मूर्ति

हाथी को प्राचीन समय से ही समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। माता गजलक्ष्मी की सवारी होने के कारण, हाथी को सुख और समृद्धि का जीव माना गया है। अगर आप हाथी की मूर्ति घर में रखते हैं, तो देवी लक्ष्मी आपके घर में खुशी लेकर आएंगी। हाथी की मूर्ति उत्तर या पूर्व दिशा में रखें। यदि चांदी का हाथी बेडरूम में रखा जाए तो राहु के दोष से मुक्ति मिलती है।

हंस की मूर्ति

हंस को प्रेम, शांति और सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है। आप अपने बेडरूम में हंस की जोड़ी की मूर्तियां रख सकते हैं। इससे आपको वित्तीय लाभ होगा। इसके अलावा, पति-पत्नी के बीच प्यार और स्नेह भी बढ़ेगा।

तोता की मूर्ति

वास्तु के अनुसार, तोता प्रेम और सुख का प्रतीक होता है। यह घर में सकारात्मक उर्जा को बढ़ाता है। यदि आप अपने बच्चों के कमरे में तोते की मूर्ति या चित्र रखते हैं, तो यह उनकी पढ़ाई में ध्यान आकर्षित करेगा। फेंग शुई के अनुसार, तोता – पृथ्वी, अग्नि, जल, लकड़ी और धातु का प्रतीक होता है। घर में तोते की मूर्ति रखने से सुख और समृद्धि आती है।

मछली की मूर्ति

आजकल हर घर में मछलियां पाई जाती हैं। रंग-बिरंगे मछली के टैंक लगभग सभी घरों में होते हैं। वास्तु और फेंग शुई के अनुसार, मछली रखना या उसकी मूर्ति घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप घर में मछली नहीं रख सकते, तो आप पीतल या चांदी की मछली की मूर्तियां खरीद सकते हैं। यदि मछली की मूर्ति घर की पूर्व या उत्तर दिशा में रखी जाए, तो जीवन में सुधार होगा।

सोना पहनना हर किसी के लिए फलदायी नहीं ! ग्रह होते हैं नाराज

सोना यानी गोल्ड से बने गहनें हमारी सुंदरता को चार गुना कर देते हैं। इसलिए लोग खरीदने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। लेकिन, गलती ये कर देते हैं कि हम बिना सोचे-समझे ही सोना खरीद लेते हैं। ज्योतिष विद्वानों की मानें तो कुछ राशि जातकों के लिए सोना धारण करना शुभ नहीं होता है। दरअसल, हर व्यक्ति की कुंडली में 9 ग्रह विराजित हैं, जो उसके जीवन के संचालन में भूमिका निभाते हैं।

कुंडली में मौजूद ये ग्रह जैसी चाल चलते हैं वैसा ही असर हमारे जीवन पर देखने को मिलता है। अब सवाल है कि आखिर किन लोगों के लिए सोना पहनना शुभ और किसके लिए अशुभ होता है? जीवन में क्या पड़ता है प्रभाव?

सोने का किस ग्रह से है संबंध?

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, हर ग्रह का संबंध किसी न किसी रत्न और धातु से होता है। जिस तरह तांबे का संबंध सूर्य से और लोहे का संबंध शनि से है। ठीक उसी तरह सोने का संबंध बृहस्पति ग्रह से माना गया है। ऐसे में सोना धारण करने से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है और जीवन में धन-धान्य और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। लेकिन, कुछ लोगों को सोना धारण करने से बचना चाहिए।

सोना धारण करना इन लोगों के लिए शुभ

रत्न शास्त्र के मुताबिक, जिन लोगों का जन्म मेष, सिंह, कर्क, धनु, मीन राशि या लग्न में हुआ है उनके लिए सोना शुभ फल देने का काम करता है। ऐसे में यदि व्यक्ति गले में सोना पहनता है तो वह बृहस्पति के लग्न में असर दिखाता है। वहीं, अगर कुंडली में बृहस्पति शुभ और उच्च में है तो सोना धारण किया जा सकता है। बृहस्पति की स्थिति अगर कमजोर है तब भी सोना धारण कर सकते हैं। इसे पहनने से आर्थिक मजबूती आती है।

सोना पहना इन लोगों के लिए अशुभ

वृषभ, मिथुन, मकर, तुला, वृश्चिक और कुंभ राशि के लोगों को सोना धारण करने से बचना चाहिए।

जिन्हें पेट से संबंधित परेशानी है उन्हें सोना नहीं पहनना चाहिए। इससे कारोबार पर बुरा असर पड़ता है।

जिनको मोटापे की समस्या है वह भी सोना न पहनें। क्योंकि मोटापे का संबंध गुरु ग्रह से बताया जाता है।

जो लोग तेल, कोयला या लोहे का काम करते हैं ऐसे लोगों को भी सोना पहनने से बचना चाहिए।

दिलजीत बोले-'हर रोज दिक्कतों का सामना करता हूं' निपटने का सटीक तरीका भी साझा किया

दिलजीत दोसांझ पंजाबी और हिंदी फिल्मों में बतौर गायक और अभिनेता लंबे समय से सक्रिय हैं। साथ ही वह अपने लाइव म्यूजिक शो या कॉन्सर्ट भी समय-समय पर करते हैं। इन दिनों देश भर में वह अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट दिल लुमिनाती को लेकर खबरों में हैं। हजारों की संख्या में लोग उनके कॉन्सर्ट में आ रहे हैं। हाल ही में वह पुणे में अपना शो कर रहे थे। यहां पर दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ ही उन्होंने अपनी जिंदगी में आने वाली परेशानियों का जिक्र भी उनसे किया। इन सभी बातों का एक वीडियो दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी भी लगाया है।

हर दिन परेशानियां आती हैं

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में दिलजीत कहते हैं, ' मैं बता नहीं सकता हूं कि हर दिन कितने तनाव और परेशानियों का सामना करता हूं। जितना बड़ा काम होता है उतनी बड़ी टेंशन होती है।'

दिक्कतों को दूर करने का तरीका बताया

आगे वीडियो में दिलजीत कहते हैं कि आप कहीं भी काम करते हों। टेंशन आपको आएगी ही। ऐसे में आप योग कीजिए। योग करने से आपका तनाव कम होगा। दिलजीत पहले भी कई बार योग की अहमियत और फायदे पर बात कर चुके हैं। एक बार फिर उन्होंने अपने कॉन्सर्ट स्टेज से इस बारे में बात की और लोगों को इसके फायदे बताए।

पिछले दिनों बैन से हुए परेशान

दिलजीत ने कहा कि उन्हें हर दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पिछले दिनों भी वह काफी परेशान रहे। दरअसल, तेलंगाना सरकार ने उन्हें नोटिस दिया था, जिसमें कहा गया कि उनके राज्य में शराब, हिंसा और ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गाने न गाएं। उनके कई गानों पर बैन लगा दिया गया।

अनन्या पांडे को अपने पिता चंकी नहीं बल्कि शाहरुख खान लगते हैं अमेजिंग डैड?

अनन्या पांडे का शाहरुख खान के साथ पुराना नाता है, क्योंकि वह सुहाना खान और आर्यन खान के साथ बड़ी हुई हैं। शाहरुख ने अनन्या पांडे को कई सीख दी हैं, जिन्हें वह अपने बच्चों में से एक मानते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या ने बताया कि सुपरस्टार अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद अपने करीबी लोगों के लिए हमेशा हाजिर रहते हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान जब अनन्या से शाहरुख के बारे में कुछ ऐसा बताने के लिए कहा गया जो उनके प्रशंसकों को नहीं पता है, तो अनन्या ने कहा, वह सबसे अमेजिंग डैड हैं। उन्होंने अपने बच्चों और हम सभी को बहुत समय दिया है, भले ही वह सबसे बिजी अभिनेता हों। वह हमेशा अपने बच्चों, उनकी शिक्षा, उनके खेल, उनके जीवन में होने वाली हर छोटी या बड़ी चीज के लिए समय निकालते हैं।

आगे अनन्या ने कहा, वह हमारे हर खेल दिवस पर आते हैं। उन्होंने मुझे रिले रेस करना सिखाया है, वह हमारे साथ ताइक्वांडो का अभ्यास भी करते थे। उन्होंने मुझे और शनाया (कपूर) को बाइक चलाना सिखाया। वह हमारे साथ फुटबॉल खेलते थे। वह हमारे होमवर्क में हमारी मदद करते थे। हमें कोई भी समस्या होती तो हम उन्हें फोन कर सकते थे। वह अपने जीवन में लोगों के लिए हमेशा मौजूद रहते हैं।

शाहरुख खान और गौरी खान बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। उनके इंडस्ट्री के दोस्त अक्सर उनके बारे में बात करते हैं और हर किसी के जीवन पर उनके प्रभाव के बारे में बताते हैं। इससे पहले, अनन्या की मां भावना पांडे ने खुलासा किया था कि कैसे शाहरुख खान ने सुहाना खान और अनन्या पांडे को बड़े होते हुए खेल सिखाया।

एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या की मां भावना ने कहा था, शाहरुख खान सीखने के लिए बहुत कुछ है और मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि बच्चों ने उनके साथ इतना समय बिताया। क्योंकि यह शाहरुख खान होने के बारे में नहीं है, यह इस बारे में है कि वह सुहाना, आर्यन और अब अबराम के पिता के रूप में कैसे रहे हैं। और वह मेरे बच्चों के साथ कैसे रहे हैं। यह अद्भुत रहा है।

गिरफ्तारी के बचने के लिए घर से गायब राम गोपाल वर्मा, वीडियो जारी कर दी सफाई

फिल्मकार राम गोपाल वर्मा इन दिनों गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में जुटे हुए हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और अन्य राजनीतिक नेताओं के बारे में अपत्तिजनक पोस्ट्स के कारण पुलिस उनकी लगातार तलाश कर रही है। इस बीच हाल ही में उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर अपनी बात रखी है। इस संदेश में उन्होंने उन आरोपों और मामलों को लेकर सवाल उठाए हैं, जो उनके खिलाफ उनके पोस्ट्स के चलते दायर किए गए हैं।

राम गोपाल वर्मा ने जारी किया वीडियो संदेश

एक अज्ञात स्थान से जारी किए गए वीडियो संदेश में राम गोपाल वर्मा ने कहा, मुझे नहीं पता कि ये मामले अदालत में कैसे स्वीकार किए जाएंगे, लेकिन अंत में देश का कानून है, जिसके तहत मैं एक नागरिक के रूप में इसका पालन करूंगा। उन्होंने कहा कि इन मामलों का कोई ठोस आधार नहीं है।

जवाब देने के लिए मांगा अतिरिक्त समय

वीडियो संदेश में राम गोपाल वर्मा ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस से नोटिस प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वह अपने पेशेवर प्रतिबद्धताओं की वजह से पूछताछ में शामिल नहीं हो सके हैं, इसलिए उन्होंने अतिरिक्त समय मांगा है।

हाई कोर्ट में होनी है सुनवाई

राम गोपाल वर्मा की अग्रिम जमानत याचिका पर उच्च न्यायालय ने 27 नवंबर तक सुनवाई स्थगित कर दी है। पहले खबरें थीं कि वह कोयम्बटूर भाग गए हैं, लेकिन हाल की जानकारी के अनुसार, वह एक लोकप्रिय फिल्म स्टार के फार्महाउस पर शरण लिए हुए हैं।

कई मशहूर फिल्में बना चुके हैं राम गोपाल वर्मा

राम गोपाल वर्मा भारतीय सिनेमा के मशहू फिल्मकार हैं, जो अपनी थ्रिलर और म्यूजिकल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में कई सफल और चर्चित फिल्में बनाई हैं, जिनमें 'शिवा' 'रंगीला', 'सत्या', 'भूत' और 'कंपनी' जैसी फिल्में शामिल हैं।

नागा-शोभिता की होगी 4 दिसंबर को इंटिमेट वेडिंग? नागार्जुन ने किया खुलासा, अखिल 2025 में करेंगे शादी

नागार्जुन की खुशी सातवें आसमान पर है। उनके दोनों बेटे नागा चैतन्य और अखिल अक्किनेनी जल्द ही शादी करने वाले हैं। नागा चैतन्य ने इस साल अगस्त में शोभिता धुलिपाला से सगाई की थी, जबकि अखिल ने मंगलवार, 26 नवंबर को अपनी जिंदगी के प्यार जैनब रावजी के साथ शादी की।

कैसी होगी नागा-शोभिता की शादी

नागार्जुन ने दोनों शादियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान नागार्जुन ने कहा कि नागा चैतन्य की शोभिता के साथ इंटिमेट वेडिंग होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अखिल और जैनब अगले साल शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के नागार्जुन ने एक इंटरव्यू मेंव कहा, 4 दिसंबर आने वाला है। हम अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी की मेजबानी कर रहे हैं, यह पारिवारिक स्टूडियो है, जिसे मेरे पिता ने बनवाया था। हमने इसे एक निजी समारोह के रूप में आयोजित किया था, लेकिन मेहमानों की सूची सीमित करके भी, हम काफी बड़ी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा परिवार बड़ा है, शोभिता का भी परिवार बड़ा है।

नागार्जुन ने अखिल की सगाई को लेकर खुशी जाहिर की और कहा, मैं अखिल के लिए बहुत खुश हूं। उनकी मंगेतर जैनब एक प्यारी लड़की है और मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने अपना जीवन एक साथ बिताने का फैसला किया है। लेकिन, उनकी शादी 2025 में होगी। मंगलवार को नागार्जुन ने जैनब के परिवार में स्वागत किया। उन्होंने अखिल की सगाई की तस्वीरें ऑनलाइन शेयर कीं और एक्स पर लिखा, ₹हमें अपने बेटे अखिल की सगाई, हमारी होने वाली बहू जैनब रावजी से करते हुए बेहद खुशी हो रही है। जैनब का हमारे परिवार में स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। कृपया युवा जोड़े को बधाई देने के लिए हमारे साथ जुड़ें और उन्हें प्यार, खुशी और आपके अनगिनत आशीर्वाद से भरी जिंदगी की शुभकामनाएं दें।

पहले भी हो चुकी है अखिल की सगाई

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2016 में अखिल की सगाई बिजनेस टाइकून जीवीके रेड्डी की पोती श्रेया भूपाल से हुई थी। अखिल और श्रेया ने 2017 में अपनी शादी रद्द करके सभी को चौंका दिया था। उनकी भव्य शादी इटली में होने वाली थी, जिसमें कई सितारों ने शिरकत की थी, लेकिन शादी के कुछ महीने पहले ही किसी वजह से शादी रद्द कर दी गई।

कीर्ति सुरेश ने सोशल मीडिया पर दिए शादी के संकेत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी शादी को लेकर बड़ा संकेत दिया है। इस पोस्ट में वह बॉयफ्रेंड एंटनी थाटिल के साथ नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की शादी 11 और 12 दिसंबर को गोवा में होगी। हालांकि, इन तारीखों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। कीर्ति सुरेश ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में एंटनी थाटिल के साथ एक तस्वीर साझा की, जो इस साल की दिवाली की थी। उन्होंने लिखा, 15 साल और सफर जारी है....। इस पोस्ट से यह साफ हो गया कि दोनों के बीच 15 साल पुराना और मजबूत रिश्ता है।

सितारों ने दी शुभकामनाएं

कीर्ति सुरेश की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने खुशी जाहिर करते हुए दोनों को बधाइयां दी हैं। तृषा कृष्णन, नजरिया नाजिम, राशी खन्ना और सुंदीप किशन जैसे सितारे ने उन्हें कमेंट बॉक्स में शुभकामनाएं दी हैं।

गोल्ड पहनना नहीं था बप्पी लहरी का खुद का स्टाइल, इस हॉलीवुड स्टार से हुए थे इंस्पायर

हिंदी सिनेमा के मशहूर गायक बप्पी लहरी की 27 नवंबर को बर्थ एनिवर्सिरी है। आज से 71 साल पहले 1952 पंश्चिम बंगाल में उनका जन्म हुआ था और 15 फरवरी 2022 को मुंबई में उनका निधन हो गया था। उनकी गायकी के साथ-साथ उनका स्टाइल काफी हटके था। चाहे वो उनका डिस्को स्टाइल म्यूजिक हो या फिर गोल्ड की ज्वेलरी। उनके गोल्ड को लेकर वह काफी चर्चा में भी रहते थे, लेकिन बता दें कि हॉलीवुड स्टार को देखने के बाद वो इतने इंस्पायर हो गए थे कि उन्होंने भी सोने की मोटी-मोटी चेन और अंगूठियां पहननी शुरू कर दी थी।

बप्पी हॉलीवुड सिंगर एल्विस प्रेस्ली को खूब पसंद करते थे और उन्हीं के कारण बप्पी को भी गोल्ड पहनना का शौक चढ़ा था। ये बात खुद बप्पी लहरी ने एक इंटरव्यू में बताई थी। उन्होंने कहा था, "मैं हॉलीवुड सिंगर एल्विस

प्रेस्ली को काफी पसंद करता था। मैंने देखा था कि वह हमेशा एक सोने की चेन गले में पहना करते थे। मुझे उनका वो अंदाज काफी पसंद आया था।" बप्पी ने ये भी बताया था कि उनके पास 754 ग्राम गोल्ड और 4.6 किलो चांदी है। बता दें कि बप्पी लहरी को गोल्ड मैन भी कहा जाता था।

गौरतलब है कि बप्पी लहरी ने साल 1974 में बंगाली फिल्म 'दादू' के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और इस फिल्म के गाने लता मंगेशकर ने गाए थे, जो उस वक्त मशहूर सिंगर बन चुकी थीं। इसके बाद 'नन्हा शिकारी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और फिर 'जख्मी' फिल्म 'आओ तुम्हें चांद पे ले जाएं' से धीरे-धीरे इंडस्ट्री के डिस्को किंग बन गए।

उन्होंने 1983 में आई मिथुन चक्रवर्ती की 'डिस्को डांसर' के गीत 'आई एम ए डिस्को डांसर', 'जिमी जिमी आजा आजा' गीत गाए, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया और आज भी करते हैं।

भूमि ने अपनी आगामी सीरीज 'द रॉयल्स' और 'दलाल' पर की बात, दोनों किरदारों में होगा बड़ा अंतर

भूमि पेडनेकर हाल में ही भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के उद्घाटन समारोह की सह-मेजाबानी करती नजर आईं। इस दौरान अभिनेत्री ने अपनी आगामी परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें नेटफ्लिक्स सीरीज द रॉयल्स और प्राइम वीडियो की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर दलदल शामिल है।

रोमांटिक कॉमेडी होगी द रॉयल्स

भूमि ने द रॉयल्स का टीजर साझा करते हुए कहा कि यह उनकी पहली सीरीज है और वह इसके लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह काफी उत्साहित है कि नेटफ्लिक्स उनके साथ काम कर रहा है और एक शानदार सीरीज बनाई जा रही है।

अभिनेत्री ने आगे खुलासा करते हुए बताया कि यह सीरीज कॉमेडी और रोमांस को जोड़ती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि भले ही यह एक रोमांटिक कॉमेडी है, लेकिन जीनत अमान और ईशान खट्टर समेत सभी कलाकार इसमें कई लेयर वाले और बारीकियों से भरे अभिनय का प्रदर्शन करते हैं।

'द रॉयल्स' में दिखेंगे कई कलाकार

प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना की नई रोमांटिक कॉमेडी सीरीज में उदित अरोड़ा, लिसा मिश्रा, ल्यूक केनी, विहान समत, नोरा फतेही, डिनो मोरिया, मिलिंद सोमन, चंकी पांडे, काव्या त्रेहान, सुमुखी सुरेश और साक्षी तंवर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।प्रीतिश नंदी ने इसका निर्माण किया है, जबकि रंगिता और इशिता शो के निर्माता हैं। इस शो में रोमांस, महत्वाकांक्षा, इच्छा आदि भावनाओं से भरी कहानी देखने को मिलेगी।

'दलाल' में अपने किरदार को भूमि ने बताया जटिल

इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी आगामी सीरीज दलाल पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये सीरीज द रॉयल्स के बिलकुल विपरीत है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी भी इस तरह के पेचीदा किरदार को नहीं निभाया है। उन्होंने अपने किरदार को बहुत जटिल करार दिया है। बताते चलें कि ये सीरीज थ्रिलर को पसंद करने वाले दर्शकों को पसंद आ सकती है, क्योंकि ये सीरीज एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होने वाली है। आईएफएफआई में अन्य फिल्मी हस्तियों के साथ मंच साझा करते हुए अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये एक वैश्विक मुद्दा है और चीजें अब पहले से काफी अच्छी हुई हैं।

जब छलका सामंथा का दर्द, बताया कैसे तलाक के बाद ध्वस्त हो गईं जीवन से जुड़ी योजनाएं

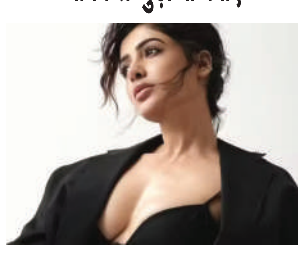

सामंथा रूथ प्रभु और नागा चैतन्या ने साल 2021 में तलाक की घोषणा की थी। तलाक के बाद अभिनेत्री ने अनुपमा चोपड़ा के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि जीवन के लिए उनके द्वारा बनाई गईं सभी योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं। अब उनका ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री तलाक को लेकर बात करती नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मेरा मतलब है, 2021 में मेरे निजी जीवन में जो कुछ भी हुआ है, उसे लेकर वास्तव में मुझे कोई उम्मीद नहीं थी। मेरी सभी सावधानीपूर्वक बनाई गई योजनाएं ध्वस्त हो गई हैं, इसलिए मुझे कोई उम्मीद नहीं है। भविष्य में मेरे लिए जो कुछ भी है, मैं उसके लिए तैयार हूं। मैं बस इतना जानती हूं कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। हाल ही में, अभिनेत्री ने तलाक के बाद एक महिला को झेलने वाली परिस्थितियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा,दुर्भाग्य से, हम एंक ऐसे समाज में रहते हैं, जो प्रकृति में इतना पितृसत्तात्मक है कि जब भी कुछ गलत होता है, तो एक महिला को बहुत अधिक आलोचना और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, न केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी।

निर्देशक के कट कहने के बाद भी अभिनेता करता रहा ये काम, सयानी गुप्ता ने साझा किया बुरा अनुभव

'फोर मोर शॉट्स प्लीज', 'मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ' और 'इनसाइड एज' में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने हाल ही अपना एक बुरा अनुभव साझा किया है। इसमें उन्होंने सेट से जुड़ा एक परेशान कर देने वाला वाकया बताते हुए कहा कि उनके सह-कलाकार ने निर्देशक के कट कहने के बाद भी किस करना जारी रखा। इस दौरान अभिनेत्री ने महिलाओं के लिए काम करने की जगह को सुरक्षित बनाए जाने को लेकर बात की है।

सीन कट होने के बाद भी अभिनेता ने किस करना रखा जारी

सयानी गुप्ता ने कहा कि फिल्म सेट पर इंटिमेसी कोर्डिनेटर्स की जरुरतों को अब प्रमुखता से उठाने की जरूरत है। इसको लेकर उन्होंने कहा कि एक बार एक अभिनेता ने उन्हें निर्देशक के कट करने के बाद भी किस करना जारी रखा। अभिनेत्री ने इसे अभ्रद बताते हुए अभिनेता और प्रोजेक्ट का नाम बताने से इनकार कर दिया।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने साल 2013 में मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ के लिए काम करते हुए उनके लिए इंटिमेट सीन्स को फिल्माना आसान रहा, क्योंकि उनके तकनीकी स्वभाव की वजह से ये अभिनेत्री के लिए आसान बन गया था। अभिनेत्री ने आगे कहा कि इसके बावजूद कई बार लोग इसका गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

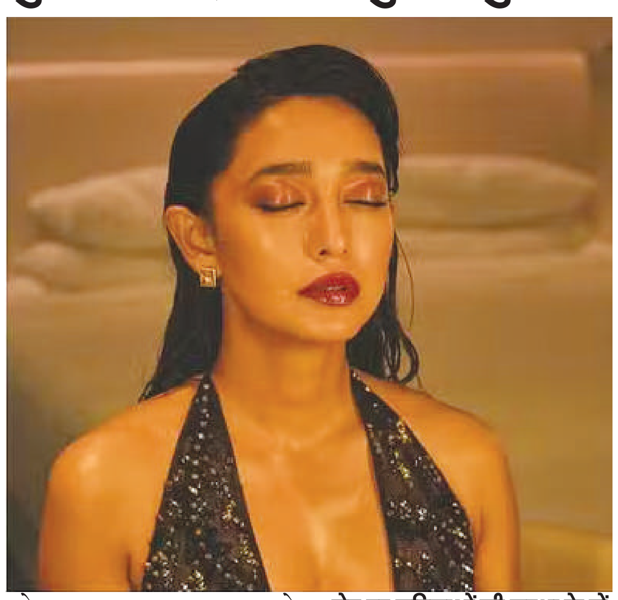

जब सयानी को छोटी ड्रेस पहन कर 70 लोगों के सामने लेटना पड़ा

इस बातचीत के दौरान अभिनेत्री अपनी फिल्म 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' की शूटिंग की याद साझा करते हुए बताया कि इसके सेट पर वह खुद को असहज महसूस कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटी सी ड्रेस पहन कर समुंदर किनारे लेटना पड़ा, जबकि तब वहां क्रू के सदस्यों समेत कई लोग उनके सामने खड़े थे।

अभिनेत्री ने कहा, मैं उस समय बहुत असुरक्षित महसूस कर रही थी, क्योंकि मेरे सामने करीब 70 लोग खड़े थे।

सेट पर महिलाओं की सुरक्षा के हों बेहतर इंतजाम

अभिनेत्री ने इसमें आगे बात करते हुए कहा कि सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर सुरक्षा के इंतजाम किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि एक बार वो शूटिंग के दौरान चाहती थीं कि कोई उनके बगल में शॉल लेकर खड़ा हो, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अभिनेत्री ने कहा, कई बार ऐसा होता है कि हम इतनी जल्दी में शूटिंग करते हैं कि किसी की सुरक्षा किसी के दिमाग में आखिरी चीज भी नहीं होती।

कभी-कभी आपकी सीमाएं समझौता कर लेती हैं, जो एक सामान्य मानसिकता है, जिसे विस्तारित करने की जरूरत है।

कॉलर पर मौजूद जिद्दी दाग को सिर्फ 5 मिनट में साफ करता है यह 1 घरेलू नुस्खा

साफ-सुथरा कपड़ा पहनना लगभग हर किसी को पसंद होता है। इसलिए कई लोग शर्ट से लेकर अन्य कपड़े साफ और प्रेस करके पहनने का शौक रखते हैं। लेकिन यह कई बार देखा जाता है कि शर्ट के अन्य हिस्से तो चमकते हैं, पर शर्ट के कॉलर पर जिद्दी दाग मौजूद ही रहता

है। बार-बार की सफाई के बाद भी कॉलर से तेल, पाउडर आदि के दाग साफ नहीं होते हैं। इसलिए शर्ट का कॉलर सबसे अधिक और सबसे तेजी से गंदा होता है। हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से शर्ट के कॉलर पर मौजूद जिद्दी से जिद्दी दाग को चंद मिनटों में साफ करके चमका सकते हैं।

शर्ट के कॉलर को साफ करने से पहले करें ये काम

शर्ट के कॉलर पर मौजूद जिद्दी से जिद्दी दाग को साफ करना कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन सफाई करने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी। जैसे- सिरका, बेकिंग सोडा, नींबू का रस, अमोनिया पाउडर और स्टार्च। इसके अलावा आप ब्लीच पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

विनेगर के इस्तेमाल से कॉलर को साफ करें

सफेद शर्ट लेकर रंगीन शर्ट के कॉलर में लगे जिद्दी से जिद्दी दाग को साफ करने के लिए जिस एक चीज का जिक्र कर रहे हैं उसका नाम विनेगर (सिरका) है। सिरके के इस्तेमाल से कुछ ही देर में कॉलर को साफ करके चमका सकते हैं। इसके लिए आपको अधिक मेहनत भी करने की जरूरत नहीं है। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले शर्ट को नॉर्मल पानी में डुबोकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे गंदगी नरम जाएगी।

इधर एक बाउल में 2-3 चम्मच विनेगर और 2 चम्मच नींबू के रस को डालकर मिक्स कर लें।

अब मिश्रण ले आधे हिस्से को शर्ट के कॉलर पर डालकर करीब 5 मिनट के लिए छोड़ दें।

5 मिनट बाद बचे हुए आधे मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर को रगड़े।

इस प्रक्रिया को 5 मिनट लगातार करते रहे। दाग साफ करने के बाद शर्ट को पानी से साफ कर लें।

विनेगर और बेकिंग सोडा का मिश्रण इस्तेमाल करें

शायद आपको मालूम होगा, अगर नहीं मालूम है तो आपको बता दें कि विनेगर और बेकिंग सोडा का मिश्रण शर्ट के किसी भी हिस्से में लगे दाग को आसानी से साफ कर सकता है। इनके इस्तेमाल से सब्जी का दाग, चाट, चटनी, हल्दी आदि का दाग भी कुछ ही देर में साफ सकते हैं। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले एक बाउल में 2-3 चम्मच विनेगर को डालें।

अब इसमें 1-2 चम्मच बेकिंग बेकिंग सोडा को डालकर गाढ़ा मिश्रण तैयार कर लें।

इसके बाद मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर पर लगा दें और 5 मिनट मिनट के लिए छोड़ दें।

5 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर कॉलर को साफ कर लें।

विनेगर और स्टार्च के इस्तेमाल से कॉलर को साफ करें

विनेगर और स्टार्च का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर मौजूद तेल, साबुन, पाउडर आदि के दाग को साफ करने के लिए एक बेस्ट विकल्प हो सकता है। इसका इस्तेमाल से सफेद शर्ट की सफाई करने से लेकर रंगीन शर्ट की भी सफाई कर सकते हैं। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले एक बर्तन में 2-3 चम्मच विनेगर को डालें।

इसके बाद इसमें 2 चम्मच स्टार्च और 2-3 चम्मच पानी को दलकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब मिश्रण को हल्का गुनगना कर लें और मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर पर 5 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें।

5 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर साफ कर लें।

तौलिए से नहीं आएगी फंफूद जैसी बदबू, अपनाएं ये हैक्स

तौलिए से बदबू दूर करने के लिए आपको महंगे डिटर्जेंट की जरूरत नहीं है। गर्म पानी से लेकर नींबू तक के उपयोग से आप इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। नहाने के बाद हाथ-मुंह और शरीर को पहुंचने के लिए तौलिए का इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर तौलिया गंदा होता है। गंदे तौलिए के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसलिए तौलिए को अच्छे से साफ करना चाहिए और हर दूसरे या तीसरे दिन वॉश करना चाहिए।

क्या आपने यह महसूस किया है कि तौलिए को धोने के बाद इसमें से फफूंद जैसी बदबू आती है? जिसके कारण तौलिए का इस्तेमाल करने का मन भी नहीं करता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको तौलिए से आ रही है फंफूद की बदबू से छुटकारा पाने के आसान तरीका बताएंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि किन कारणों से तौलिए से बदबू आती है।

तौलिए से बदबू आने के कारण

अक्सर हम सभी यह गलती करते हैं कि बाथरूम में गीला तौलिया छोड़ देते हैं। गीले तौलिए में नमी रह जाती है, जिसके कारण तौलिए से फफूंद जैसी बदबू आने लगती है। टॉयलेट बंद होने के कारण तौलिया सही तरीके से सूख भी नहीं पाता है।

अक्सर लोग तौलिए को सही तरीके से सुखाते नहीं हैं। गीले तौलिए को सुखाने के लिए पहले ड्रायर का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद धूप में सुखाना चाहिए। ऐसा करने से तो तौलिया पूरी तरह से ड्राई हो जाता है और इसमें से बदबू नहीं आती है।

2 दिन से ज्यादा एक तौलिए का इस्तेमाल करने से फफूंद जैसी बदबू आने लगती है। इसलिए हर दूसरे दिन नए और साफ तौलिए का उपयोग करें।

बेकिंग सोडा से कैसे दूर करें तौलिए की बदबू?

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल घर में कई तरीकों से किया जाता है। कपड़ों से दाग-धब्बे हटाने से लेकर बाथरूम से आने वाली बदबू से छुटकारा पाने के लिए बेकिंग सोडा फायदेमंद होता है।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि तौलिया धोने के बाद भी उसमें फंफूद की बदबू आती है?

जिसके कारण आप उस तौलिए का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं? ऐसे में तौलिए से बदबू दूर करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं-

पानी को अच्छे से गर्म कर लें।

अब गर्म पानी में एक कप बेकिंग सोडा डालें।

बेकिंग सोडा के इस घोल में कुछ देर तौलिए को भिगो कर रख दें।

आप चाहें, तो मशीन में भी तौलिए को धो सकती हैं। मशीन में धोने के लिए हॉट वाटर साइकिल का इस्तेमाल करें। करीब आधे घंटे बाद तौलिए को डबल रिंस करें, ताकि तौलिए में बेकिंग सोडा का कोई भी अवशेष ना रहे।

एक बार बेकिंग सोडा के घोल में तौलिए को धोने से आप आएंगे कि इसमें से बदबू नहीं आ रही है।

तौलिए को धोने के लिए कैसे करें सिरका का इस्तेमाल?

अगर आपके तौलिए से बदबू आती है, तो इसे सामान्य पानी और डिटर्जेंट से धोने के बजाय सिरके का इस्तेमाल करें। सिरका नेचुरल क्लीनर डिओडराइजर है। इसलिए सिरके से कपड़ा धोने से बदबू नहीं आती है।

सबसे पहले आपको पानी को गर्म करना होगा।

अब तौलिए को गर्म पानी में भिगो लें।

गर्म पानी में एक कप व्हाइट विनेगर डालें।

तौलिए को इस सॉल्यूशन में करीब 1 घंटे तक भिगने के लिए छोड़ दें।

करीब 1 घंटे बाद एक कप सिरका में लॉन्ड्री डिटर्जेंट डालकर तौलिए को अच्छे से धो लें।

ऐसा करने से तौलिए से बदबू नहीं आएगी। तौलिए को तुरंत सुखाना ना भूलें। तौलिए को सुखाने के लिए आप मशीन का इस्तेमाल कर सकती हैं, क्योंकि इसमें आसानी से तौलिया पूरी तरीके से सूख जाता है।

तौलिए को साफ रखने के तरीके?

तौलिए को गीली जगह पर न रखें। इसके कारण तौलिए से बदबू आने लगेगी। आप तौलिए को फोल्ड करके रख सकती हैं। इसके अलावा, हैंगर में टांगकर रखें।

तौलिए को सुखाना जरूरी है। तौलिए को स्टैंड पर डालकर सुखाएं। आप चाहें, तो तार में भी सुखा सकती हैं।

तौलिए को सही तरीके से धोना जरूरी है। अक्सर महिलाएं कपड़े धोने के लिए ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से कपड़ा साफ और चमक जाएगा।

ऐसा नहीं करना चाहिए। कई बार ज्यादा काम की वजह से तौलिए को धोने का समय नहीं मिलता है। ऐसे में तौलिए पर बैक्टीरिया न पैदा हो, इसके लिए आप एंटी- बैक्टीरियल लिक्विड स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे स्प्रे करने से बैक्टरिया मर जाते हैं और बदबू भी नहीं आती है।

30 की उम्र के बाद हर महीने कराएं ये दो जांच, गंभीर बीमारियों से हो सकेगा बचाव

किसी भी गंभीर बीमारी से बचे रहने के लिए शरीर के लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान देते रहना जरूरी है। जिस तरह से कम उम्र में ही लोगों में क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है उसे ध्यान में रखते हुए पहले से ही अलर्ट हो जाना जरूरी है। समय पर बीमारियों का पता लगाने के लिए आवश्यक है कि आप नियमित से डॉक्टरी सलाह लेते रहें। जिन लोगों में पहले से किसी बीमारी का निदान किया गया है, उन्हें और भी सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है।

डॉक्टर कहते हैं, अच्छी सेहत चाहते हैं और चाहते हैं कि आप बीमारियों से बचे रहें तो सभी लोगों के लिए कुछ प्रकार के जांच जरूरी हैं। डॉक्टर कहते हैं, भले ही आप स्वस्थ हैं फिर भी कुछ जांच कराएं। आइए इस बारे में जानते हैं।

नियमित रूप से कराएं सेहत की जांच

डॉक्टर कहते हैं, जिस तरह से लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी देखी जा रही है, इसने सभी उम्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य

जोखिमों को बढ़ा दिया है। हालिया आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि 20 से कम आयु के लोग भी हाई ब्लड प्रेशर, हाई ब्लड शुगर और मोटापा का शिकार हो रहे हैं। ये स्थितियां शरीर के कई अंगों को प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। इन समस्याओं पर निरंतर ध्यान देते रहना और इसे बढ़ने से रोकना जरूरी है। इसलिए ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच करते रहें।

ब्लड शुगर की जांच जरूरी

ब्लड शुगर (रक्त शर्करा) की जांच करते रहना मधुमेह के प्रबंधन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। जिन लोगों को पहले से टाइप-1 या टाइप-2 डायबिटीज की समस्या रही है, या जो लोग इंसुलिन लेते हैं उन्हें डॉक्टर नियमित रूप से इसके जांच की सलाह दे सकते हैं। आप घर पर ही ग्लूकोज मीटर से शुगर के स्तर की निगरानी कर सकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों के माता-पिता को डायबिटीज की समस्या रही है उन्हें 30 की उम्र के बाद हर महीने ग्लूकोज मीटर से और हर छह महीने पर HbA1c की जांच करानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर की जांच

ब्लड शुगर की ही तरह से ब्लड प्रेशर के स्तर पर भी ध्यान देते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर की अनियंत्रित स्थिति हार्ट, आंखों, किडनी के लिए खतरनाक हो सकती है। जिन लोगों के माता-पिता या परिवार में पहले से किसी को हाई ब्लड प्रेशर या फिर हृदय रोगों की समस्या रही हो उन्हें और भी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप ब्लड प्रेशर की दवा खाते हैं तो इसके रीडिंग को एक या दो दिन की गैप पर नोट करते रहें। वहीं अगर आपको पहले से ब्लड प्रेशर की दिक्कत नहीं है तो हर महीने इसकी निगरानी जरूर करें।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ नरेश सिंह कहते हैं, अगर ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल रख लिया जाए तो कई गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य जोखिमों को कम किया जा सकता है। हार्ट, शुगर, आंखों की डॉक्टर से एक नियमित अंतराल पर जांच कराते रहें।

अगर आपके परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज, ब्लड प्रेशर या हार्ट की दिक्कत रही है तो आपको और भी सतर्क हो जाना चाहिए।अपने डॉक्टर से मिलें तो नियमित जांच के बारे में सलाह जरूर लें। समय पर जांच होने से बीमारियों का पता लगाने और इससे ठीक होने की संभावना अधिक होती है।

सर्दियों में साबुन की जगह चेहरे पर इस्तेमाल करें ये चीजें, त्वचा रहेगी खिली-खिली

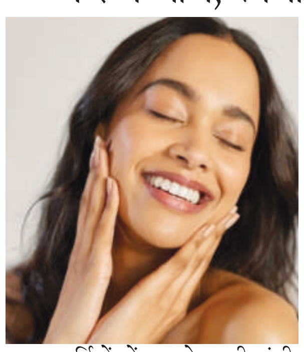

सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवाओं का असर लोगों की त्वचा पर पड़ना शुरू हो गया है। अभी से हर कोई त्वचा के रूखेपन की समस्या से परेशान होने लगा है। हाथ-पैर को तो कपड़ों से कवर करके ठंडी हवाओं से बचाकर रखा जा सकता है, लेकिन दिक्कत होती है चेहरे पर।

सर्द हवाओं की वजह से चेहरा डल होने लगता है, जो कि देखने में भी अजीब लगता है। ऐसे में यदि चेहरे की नाजुक त्वचा पर साबुन का इस्तेमाल किया जाए तो ये ज्यादा ही नुकसानदायक होगा। इसी वजह से आज हम कुछ ऐसी चीजों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप सर्दी के मौसम में अपने चेहरे पर कर सकते हैं। इन प्राकृतिक चीजों की वजह से आपका चेहरा साबुन में पाए जाने वाले केमिकल्स से बचा रहेगा।

दूध और शहद का मिश्रण

सर्दी के मौसम में त्वचा काफी रूखी और डल हो जाती है। ऐसे में आप एक चम्मच दूध में आधा चम्मच शहद मिलाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। ये दोनों ही चीजें त्वचा में नमी पहुंचाने का काम करती हैं।

बेसन और दही

बेसन और दही तो हर रसोई में मिल ही जता है। ऐसे में 1-2 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही मिलाएं। इसे पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से स्क्रब करें। बेसन और दही का पेस्ट त्वचा की नमी बरकरार रखने का काम करती है।

ओट्स और दूध

यदि आपके पास ओट्स रखा है तो उसे पीसकर उसमें दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगाएं और 5 मिनट बाद धो लें। यह त्वचा को एक्सफोलिएट करते हुए मुलायम बनाता है। इसके इस्तेमाल से भी त्वचा निखर जाती है।

एलोवेरा जेल

इसका इस्तेमाल काफी आसान है। इसके इस्तेमाल के लिए सबसे पहले फ्रेश एलोवेरा जेल निकालकर सीधे चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद धो लें। एलोवेरा जेल त्वचा को हाइड्रेट करने का काम भी करता है।

नारियल तेल या बादाम का तेल

सोने से पहले चेहरे पर हल्के हाथों से नारियल या बादाम का तेल लगाएं। यह प्राकृतिक मॉइश्चराइज़र की तरह काम करता है और त्वचा को गहराई से पोषण देता है।

रोज 10000 कदम चल लेते हैं तो 45% तक कम हो सकता है हृदय रोगों का खतरा

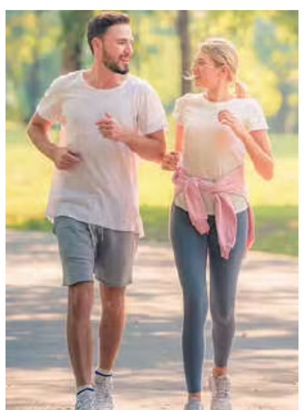

हृदय रोग वैश्विक स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं। वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के अनुसार, साल 2021 में 20.5 मिलियन (दो करोड़ से अधिक) लोगों की मौत कार्डियोवैस्कुलर बीमारी (सीवीडी) के कारण हो गई, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी मौतों का लगभग एक तिहाई है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी माना जा रहा था हालांकि अब यह कम उम्र के लोगों में भी देखा जा रहा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतते रहने और हृदय को स्वस्थ रखने के लिए उपाय करने की सलाह देते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार के सेवन के साथ शारीरिक रूप से सक्रिय रहना सबसे जरूरी है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि अगर हम सब रोजाना वॉक करने की आदत बना लें तो हृदय से संबंधित बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

ऐसे में सवाल है कि रोजाना कितने कदम चलना चाहिए, जिससे हृदय को स्वस्थ और फिट रखा जा सके? आइए इस बारे में जानते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए करिए वॉक

इस सवाल का जवाब जानने के लिए विशेषज्ञों ने विस्तृत अध्ययन किया। जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित निष्कर्ष में वैज्ञानिकों ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को प्रतिदिन 6,000 से 9,000 कदम जरूर चलना चाहिए, इससे हृदय रोगों का जोखिम काफी हद तक कम हो सकता है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, वॉक करना संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। युवा लोगों को प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का लक्ष्य बनाना चाहिए। ये उनके संपूर्ण फिटनेस को ठीक बनाए रखने में मददगार है। इस एक आदत से आप न सिर्फ हार्ट अटैक और हृदय की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं, साथ ही ये आपको कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से बचाए रखने में भी सहायक है।

युवा लोग भी बरतें सावधानी

डॉ. पालुच कहती हैं कि सीवीडी को अब भी मुख्यरूप से वृद्ध लोगों की बीमारी माना जाता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि युवा वयस्कों को अपने हृदय स्वास्थ्य के बारे में ध्यान नहीं देना चाहिए। कोरोना महामारी के बाद से युवाओं में भी ये खतरा तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है।

वॉक करने और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की आदत हृदय और इसके प्रमुख कारकों जैसे उच्च रक्तचाप, मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज से भी बचाने में भी मददगार है। सभी लोगों को रोजाना वॉक जरूर करना चाहिए।

गैस्ट्रिक कैंसर का बढ़ रहा है खतरा, महिलाओं में जोखिम अधिक

कैंसर को गंभीर और जानलेवा बीमारियों में से एक माना जाता है, हर साल विभिन्न प्रकार के कैंसर के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दुनियाभर में गैस्ट्रिक कैंसर ऐसा ही एक बढ़ता हुआ खतरा है जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। गैस्ट्रिक कैंसर को 'स्टमक कैंसर' के नाम से भी जाना जाता है, हमारी लाइफस्टाइल की कुछ गड़बड़ आदतों के कारण इस रोग के बढ़ने का खतरा अधिक हो सकता है।

पेट के भीतर कोशिकाओं में असामान्य रूप से वृद्धि होने की समस्या इस रोग के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। वैसे तो पेट का कैंसर किसी को भी हो सकता है लेकिन इसका सबसे ज्यादा जोखिम 60 साल से अधिक उम्र वालों में अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा कुछ अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के इस कैंसर से पीड़ित होने की आशंका अधिक हो सकती है।

गैस्ट्रिक कैंसर का जोखिम

गैस्ट्रिक कैंसर पेट के किसी भी हिस्से में हो सकता है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि गैस्ट्रिक कैंसर के ज्यादातर मामले, गैस्ट्रोएसोफेगल हिस्से में शुरू होते हैं, यह वो हिस्सा है जहां भोजन को ले जाने वाली लंबी नली पेट से मिलती है। भोजन को पेट तक ले

जाने वाली नली को ग्रासनली कहते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, पेट के कैंसर का इलाज आसान हो सकता है अगर कैंसर सिर्फ पेट तक ही सीमित है या फिर समय रहते इसकी पहचान कर ली जाए। इसके लक्षणों की पहचान करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण हर बार नजर आएं, ये आवश्यक नहीं है। पेट का कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है, जिस हिस्सों में ये कैंसर फैलता है उसके आधार पर इसके लक्षण अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब कैंसर लिम्फ नोड्स में फैलता है तो इसमें गांठें हो सकती हैं जिन्हें आप त्वचा के माध्यम से महसूस कर सकते हैं। लिवर तक फैलने वाले कैंसर के कारण त्वचा और आंखों का सफेद भाग पीला पड़ सकता है।

पेट के भीतर कैंसर फैलने की स्थिति में पेट में तरल पदार्थ भर सकता है जिससे पेट सूजा हुआ दिखता है।

क्यों होता है ये कैंसर?

यह स्पष्ट नहीं है कि पेट का कैंसर किस कारण से होता है? हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादातर मामलों में ये तब शुरू होता है जब पेट की अंदरूनी परत को किसी चीज के कारण नुकसान पहुंचने लगता है। उदाहरण में पेट में संक्रमण होना, लंबे समय से एसिड रिफ्लक्स की समस्या बने रहना या बहुत अधिक नमकीन खाद्य पदार्थों का सेवन भी इस समस्या के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

ऐसे लोगों को हो सकता है खतरा

कुछ स्थितियां आपमें इस कैंसर के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। इसमें खान-पान और लाइफस्टाइल में होने वाली समस्याओं को प्रमुख माना जाता है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या वाले लोगों में पेट के कैंसर के विकसित होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा नमकीन और स्मोक्ड खाद्य पदार्थ, गैस्ट्राइटिस की बीमारी या अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों में भी इसका खतरा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले किसी को ये कैंसर की समस्या रही है उन्हें इसके खतरे को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

नसों में ब्लॉकेज या नसों के दबने की समस्या आम होती जा रही है। इसका कारण धूम्रपान, शराब पीना, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, तनाव, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खराब खानपान, पोषक तत्वों की कमी और शारीरिक गतिविधियों के कारण भी नसें बंद हो सकती हैं।

नसों के बंद होने के कारण मांसपेशियों व शरीर में तेज दर्द, जलन या झुनझुनी महसूस होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। शरीर के उस भाग का सुन्न हो जाना या सूजन व दर्द होना सामान्य लक्षण है। सही समय और तरीके से इलाज न किए जाने से उठने बैठने में परेशानी होने लगती है।

योगासन और व्यायाम नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। योग से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और नसों की ब्लॉकेज दूर होती है। तनाव और दबाव को कम करने के साथ की कई प्राणायाम तंत्रिकाओं को शांत कर सकते हैं। यहां नसों की समस्याओं को ठीक करने और मांसपेशियों के मजबूती के लिए कुछ लाभकारी योगासनों के बारे में बताया जा रहा है।

भुजंगासन : रोजाना भुजंगासन का अभ्यास करने से नसों और मांसपेशियों में खिचांव आता है। रोजाना दस मिनट भुजंगासन का अभ्यास करने से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। दबी हुई नसें खुलती है और सूजन व दर्द से राहत मिलती है।

ताड़ासन : नसों की ब्लॉकेज खोलने के लिए ताड़ासन का अभ्यास कर सकते हैं। इस आसन के अभ्यास से शरीर में खिंचाव उत्पन्न होता है जो बंद नसों को खोलने का काम करता है।

शीर्षासन : इसे हेड स्टैंड भी कहते हैं। इस योगासन को सिर के बल किया जाता है, जिससे सिर से पैर तक का ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होता है। रोजाना शीर्षासन के अभ्यास से नसों की ब्लॉकेज खोलने में मदद मिलती है।

दो साल में ही हो गया कमाल !

रूस बन गया हमारे लिए जीरो से हीरो, क्रूड बास्केट में हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)। हम और आप समझते हैं कि भारत कच्चे तेल की सबसे ज्यादा खरीददारी खाड़ी देशों से करता है। लेकिन सच्चाई यही है कि इस समय भारत में कुल खपत का 35 फीसदी क्रूड ऑयल रूस से आ रहा है। तभी तो इस समय रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया है। करीब दो साल पहले अपने उपयोग का आधा प्रतिशत भी कच्चा तेल रूस से नहीं आता था। अब वहां से हम 35 फीसदी खरीदारी कर रहे हैं। यह जानकारी खुद केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दी है।

भारत के क्रूड बॉस्केट में हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

हरदीप सिंह पुरी ने एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवाड्र्स समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बताया कि भारत के क्रूड बॉस्केट में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2022 में रूस से भारत महज 0.2% क्रूड ऑयल खरीदता था। यह अब बढ़कर 35% हो गया है। उन्होंने बताया कि रूस के अलावा भारत सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत और अमेरिका से भी तेल खरीदता है।

हर महीने बदलता रहता है

पुरी ने कहा, "पिछले कुछ समय से, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा है। यह प्रतिशत 35% से ऊपर है, लेकिन यह हर महीने बदलता रहता है।" उन्होंने बताया कि यह बढ़ोतरी वैश्विक कीमतों और उपलब्धता पर निर्भर करती है। भारत लंबी अवधि के अनुबंधों और स्पॉट मार्केट खरीद के बीच संतुलन बनाए रखता है। उन्होंने आगे कहा, "फरवरी 2022 में यह केवल 0.2 प्रतिशत था, लेकिन फिर यह बढ़ गया। यह कैसे रहेगा और कहां जाएगा, मैं कहता रहता हूं कि ये फैसले मंत्रालय नहीं लेता है। हमारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, कच्चे तेल के विशेष ग्रेड के लिए टेंडर निकालती रहती हैं।"

भारत में एलपीजी की कीमत दुनिया में सबसे कम

भारत की ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति पर बात करते हुए, हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि इस समय भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है एलपीजी सिलेंडर काफी सस्ता मिलता है। उन्होंने बताया, "भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें दुनिया भर में सबसे कम हैं। पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों के लिए यह खर्च 6 रुपये प्रतिदिन जितनी कम है। वहीं सामान्य परिवारों के लिए यह 14 रुपये प्रतिदिन है। इसके अलावा, भारत साल 2030 तक अपने अन्वेषण क्षेत्र को दस लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने की राह पर है। 2025 तक इसमें 16 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।

ग्रीन की दिशा में बड़ा कदम

पेट्रोलियम मंत्री ने पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग का जिक्र करते हुए बताया कि साल 2014 में यह महज 1.53 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 16 प्रतिशत हो गया है। अगले साल इसे 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि ब्राजील के बाद भारत को जैव ईंधन सम्मिश्रण में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करती है।

अनिल अंबानी की बल्ले-बल्ले हाईकोर्ट से राहत के बाद दूसरे दिन भी लगा आर पावर में अपर सर्किट

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी के लिए इस हफ्ते की शुरुआत अच्छी रही। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बैन और पब्लिक नोटिस के बाद, अब दिल्ली हाईकोर्ट से उनकी कंपनी को राहत मिली है। दरअसल, मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर को मिले एसईसीआई के नोटिस पर रोक लगा दी है। इस खबर के बाद से ही रिलायंस पावर के शेयर स्टॉक मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, नवंबर महीने की शुरुआत में रिलायंस पावर ने बताया था कि उसे सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से एक नोटिस मिला है, जिसमें कंपनी को निर्देश दिया गया है कि कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को संगठन द्वारा जारी किए जाने वाले सभी भविष्य के टेंडरों में भाग लेने से 3 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कंपनी पहुंच गई थी हाईकोर्ट

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बैन और पब्लिक नोटिस के बाद रिलायंस पावर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गई और एसईसीआई नोटिस को चुनौती दी। अब मंगलवार यानी 26 नवंबर 2024 को मामले पर ताजा अपडेट आया। रिलायंस पावर ने मंगलवार को बताया कि हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगा दी है। कोर्ट से राहत मिलने के बाद आर पावर के शेयरों में लगातार तेजी देखनो को मिल रही है। मंगलवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा था और आज यानी बुधवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा है। 3 अक्तूबर 2024 को रिलायंस पावर के एक शेयर की कीमत 53. 64 पैसे पहुंच गई थी। इसके बाद से ये गिरना शुरू हुआ और 34.13 रुपये तक आ गया। हालांकि, अब मंगलवार से इस शेयर में फिर से तेजी देखने को मिल रही है।

एक दिन की गिरावट के बाद संभला बाजार

सेंसेक्स 230 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह के शेयरों में तेज उछाल और ताजा विदेशी फंड प्रवाह के चलते बुधवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 230.02 अंक या 0.29 प्रतिशत चढ़कर 80,234.08 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 507.09 अंक या 0.63 प्रतिशत बढ़कर 80,511.15 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 80.40 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 24,274.90 पर पहुंच गया। बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे (अनंतिम) गिरकर 84.44 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले शेयरों में अदाणी पोट्र्स में 6 प्रतिशत की तेजी आई। एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति और एक्सिस बैंक भी लाभ में रहे। इसके विपरीत टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में उछाल आया। अदाणी समूह के शेयरों में यह तेजी समूह की ओर से यह स्पष्टीकरण देने के बाद आई है कि गौतम

अदाणी और उनके सहयोगियों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के तहत आरोप नहीं लगाया गया है, साथ ही उन पर प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी सहित जो तीन अन्य आरोप हैं, वे मौद्रिक जुर्माने से दंडनीय हैं। समूह की कुछ कंपनियां अपनी ऊपरी सर्किट सीमा तक पहुंच गईं।

निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,157.70 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में शंघाई और हांगकांग बढ़त में बंद हुए, जबकि सियोल और टोक्यो में गिरावट दर्ज की गई। यूरोपीय बाजारों में ज़्यादातर गिरावट देखी गई।

मंगलवार को अमेरिकी बाज़ार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत बढ़कर 73.23 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स 105.79 अंक या 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 80,004.06 पर बंद हुआ था। निफ्टी 27.40 अंक या 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 24,194.50 पर बंद हुआ था।

वॉरेन बफे ने 1.1 अरब डॉलर दान किया, उनके बाद संपत्ति का क्या होगा यह भी बताया

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बर्कशायर हैथवे के प्रमुख अरबपति निवेशक और परोपकारी वॉरेन बफे ने कई फाउंडेशनों को 1.1 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त दान दिया है।

यह कदम उनके लंबे समय से चले आ रहे वादे को जारी रखता है, जिसके तहत वे अपने जीवनकाल में और उसके बाद धीरे-धीरे अपनी 150 बिलियन डॉलर की विशाल संपत्ति दान करेंगे।

बर्कशायर हैथवे के शेयरधारकों को लिखे अपने नवीनतम पत्र में 94 वर्षीय बफे ने जीवन की अनिश्चितता पर गहन व्यक्तिगत विचार व्यक्त किए हैं और अपने निधन के बाद अपनी संपत्ति के वितरण की विस्तृत योजना साझा की है।

वॉरेन बफे बफे का नवीनतम दान

बफे ने बर्कशायर हैथवे के 1,600 क्लास ए शेयरों को 2,400,000 क्लास बी शेयरों में बदलने की घोषणा की और इन्हें चार पारिवारिक संस्थाओं को वितरित करने का एलान किया।

इन चार संस्थाओं में शामिल हैं

सुसान थॉम्पसन बफे फाउंडेशन (1,500,000 शेयर)

शेरवुड फाउंडेशन (300,000 शेयर)

हॉवर्ड जी. बफे फाउंडेशन (300,000 शेयर)

नोवो फाउंडेशन (300,000 शेयर)

इस दान से बफे की बर्कशायर क्लास ए शेयरों की हिस्सेदारी घटकर 206,363 रह गई है, जो 2006 में उनकी ओर से अपनी संपत्ति का अधिकांश हिस्सा दान करने के किए गए संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उस संकल्प के बाद से, वह पहले ही बर्कशायर में अपनी लगभग 57% हिस्सेदारी दान कर चुके हैं।

शेयरधारकों को लिखे पत्र में बफे ने जीवन और मृत्यु पर भी अपनी राय दी

पत्र में बफेट ने जीवन और मृत्यु से जुड़े अपने विचारों पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने ₹फादर टाइम₹ की अपरिहार्यता को स्वीकार किया। बफे ने अपनी पहली पत्नी सूसी के निधन को याद किया। उनका 2004 में निधन हो गया था। बफे के अनुसार दंपति के रूप में हम हमेशा मानते थे कि वह उनसे (बफे से) अधिक जीवित रहेंगी और उनकी संपत्ति के वितरण की देखरेख करेंगी, लेकिन परिस्थितियां बदल गईं। बफे ने लिखा, समय की जीत हमेशा होती है। आज तक, मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूँ, लेकिन जल्द ही वह मेरे पास आ जाएगा। बफे ने परोपकार पर अपनी संपत्ति के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला और बताया है कि अब तक उनका सबसे बड़ा दान- लगभग 43 बिलियन डॉलर- बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को दिया गया है।बफ ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी वसीयत को अपडेट कर दिया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी शेष 99.5% संपत्ति कैसे वितरित की जाएगी। उन्होंने अपने तीन बच्चों - सूसी, होवी और पीटर - पर भरोसा जताया कि वे बर्कशायर में उनकी होल्डिंग्स के क्रमिक वितरण को संभालेंगे। अरबपति ने पैतृक संपत्ति से बचने में अपना विश्वास साझा करते हुए कहा, मैंने कभी कारोबार वंश के भरोसे आगे बढ़े या काम में बच्चों को आगे बढ़ाया जाए ऐसी कोई योजना नहीं बनाई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081

शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त

महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444

कलियुग अवधि-432000

सूर्योदय - 06-32
सूर्यास्त. - 17-36

भोग्य कलि वर्ष-426875

कलियुग संवत् -5125 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् -197294912 5

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-38	बजे
चंद्र-	तुला	मे	धनु----	07-52	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर...	09-57	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-49	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	13-27	बजे
शुक्र-	धनु	मे	मेष---	15-02	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-48	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-48	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	21-01	बजे
			सिंह---	23-12	बजे
			कन्या--	01-19	बजे
			तुला---	03-25	बजे

दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले

तिथि- त्रयोदशी 08-40 पूर्ण दिनरात तक

मास - मार्गशीर्ष कृष्ण , गुरुवार 28 November

नक्षत्र - चित्रा 07-35 तक उपरान्त स्वाति

योग - सौभाग्य 16-01 तक उप शोभन

करण- गर 19-35 तक उप वणिज

विशेष:-

व्रत -त्योहार - प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:28 से 14:51 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:32 - 07:53	शुभ	अमृत	17:36 - 19:15	शुभ
रोग	07:53 - 09:17	अशुभ	चंचल	19:15 - 20:52	शुभ
उत्पात	09:17 - 10:41	अशुभ	रोग	20:52 - 22:28	अशुभ
चंचल.	10:41 - 12:04	शुभ	काल	22:28 - 00:04	अशुभ
लाभ	12:04 - 13:28	शुभ	लाभ	00:04 - 01:41	शुभ
अमृत	13:28 - 14:51	शुभ	उत्पात	01:41 - 03:17	अशुभ
काल	14:51 - 16:15	अशुभ	शुभ.	03:17 - 04:54	शुभ
शुभ	16:15 - 17:36	शुभ	अमृत.	04:54 - 06:32	शुभ

अडानी पर अमेरिकी कोर्ट में केस, पूर्व अटॉर्नी जनरल ने बताया अभियोग में कहां-कहां है नाम

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)। कथित तौर पर रिश्वत देने और धोखाधड़ी के आरोप में घिरे गौतम अडानी को लेकर पूर्व अटॉर्नी जनरल और सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि अमेरिकी अभियोग में गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और विनीत एस. जैन का नाम पांच मामलों में है, लेकिन 'असल' में ये नाम तीन मामलों में हैं।

उन्होंने कहा, 'पहला और पांचवां मामला बाकी मामलों से ज्यादा महत्वपूर्ण है, लेकिन इनमें से किसी में भी अडानी और उनके भतीजे पर आरोप नहीं है। पहला मामला गौतम अडानी और सागर अडानी को छोड़कर कुछ अन्य लोगों के खिलाफ है।

क्या है पहला और पांचवां मामला?

रोहतगी ने कहा कि पहला मामला यह है कि अमेरिकी संसद में विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि इस आरोप में गौतम अडानी और सागर अडानी का नाम नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि पांचवां मामला न्याय में बाधा डालने से संबंधित है। इसमें भी गौतम अडानी या उनके दो अधिकारियों का नाम नहीं है। रोहतगी ने कहा कि आरोपों में उस व्यक्ति या संस्था का उल्लेख नहीं है जिसे रिश्वत दी गई है, जबकि ये आरोपपत्र में जरूरी है।

रिश्वत देने के मामले में कही यह बात

रोहतगी ने कहा, 'आपको यह स्पष्ट रूप से कहना होगा कि किस व्यक्ति ने क्या काम किया है और किस शख्स ने किसे रिश्वत दी है। यह आरोपपत्र आरोप लगाता है कि अडानी ने बिजली की खरीद से संबंधित भारतीय संस्थाओं को रिश्वत दी है। लेकिन मुझे इस अभियोग में एक भी नाम या विवरण नहीं मिला कि रिश्वत किसे दी गई और किस तरह से दी गई।'इससे पहले अडानी रिन्यूएबल्स ने एक फाइलिंग जारी की थी। इसमें कहा गया था कि गौतम अडानी, सागर अडानी और वरिष्ठ कार्यकारी विनीत एस. जैन अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार रिश्वतखोरी के सभी आरोपों से मुक्त हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अभियोग के तीन आरोप हैं। एक्सचेंज फाइलिंग में एजीईएल ने कहा है कि अडानी अधिकारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों पर विभिन्न मीडिया हाउस में प्रकाशित समाचार 'गलत' हैं।अडानी और उनके भतीजे समेत कुल 8 लोगों पर पिछले हफ्ते अमेरिकी अभियोजकों ने रिश्वत देने का आरोप लगाया था। अभियोजकों के मुताबिक सोलर एनर्जी का कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर 265 मिलियन डॉलर की रिश्वत दी गई थी।

इस मामले में कोर्ट ने अडानी और उनके भतीजे के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है।

सऊदी अरब का विजन पूरा करेंगे अनिल अग्रवाल

कर ली 17,000 करोड़ की डील

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। वेदांता लिमिटेड ने सऊदी अरब में महत्वपूर्ण कॉपर प्रोजेक्ट्स में दो बिलियन डॉलर यानी करीब 17 हजार डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। वेदांता लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली यूनिट वेदांता कॉपर इंटरनेशनल ने सऊदी अरब के निवेश मंत्रालय और उद्योग एवं खनिज संसाधन मंत्रालय के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 400 किलो टन प्रति वर्ष (केटीपीए) क्षमता वाले नए तांबा स्मेल्टर एवं शोधन संयंत्र और 300 केटीपीए क्षमता वाली तांबा रॉड परियोजना लगाने के लिए है।

सऊदी अरब का विजन

वेदांता ने बयान में कहा कि इस गठजोड़ का मकसद विजन 2030 के अनुरूप महत्वपूर्ण कॉपर प्रोजेक्ट्स में दो अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करना है। कंपनी ने बयान में कहा कि ये पहल सऊदी अरब के महत्वाकांक्षी विजन 2030 का समर्थन करती है, जिसका मकसद 2030 तक खनिज संसाधनों में अनुमानित 1,300 अरब अमेरिकी डॉलर की क्षमता हासिल करना और सकल घरेलू उत्पाद में खनिज क्षेत्र के योगदान को 17 अरब डॉलर से बढ़ाकर 64 अरब डॉलर करना है।

मिल प्रोजेक्ट्स मिली हरी झंडी

इस परियोजना को स्थापित करने के लिए सभी जरूरी मंजूरियां मिल चुकी हैं, भूमि अधिग्रहण हो चुका है, प्रौद्योगिकी के ठेके दिए जा चुके हैं और परियोजना स्थल पर काम जल्द ही शुरू होने की संभावना है। इस परियोजना से वाणिज्यिक उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक शुरू होने की संभावना है। सऊदी अरब की तांबे की मांग इस समय लगभग 365 किलो टन प्रति वर्ष है, जो 2035 तक दोगुनी से अधिक हो सकती है।

वेदांता के शेयरों में तेजी

मंगलवार को वेदांता के शेयरों में तेजी देखने को मिली। आंकड़ों के अनुसार वेदांता लिमिटेड का शेयर एक फीसदी की तेजी के साथ 448.55 रुपए पर बंद हुआ। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयर में 2 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। वैसे कंपनी का शेयर एक दिन पहले 445.05 रुपए पर ओपन हुआ था। जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 444.15 रुपए पर बंद हुआ था। मौजूदा समय में कंपनी का मार्केट कैप 1,75,400.46 करोड़ रुपए देखने को मिल रहा है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे ।इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें ।आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें ।दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे ।अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मात्र 50 रुपये में घर पहुंचेगा नया पैन कार्ड

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)। जब से सरकार ने पैन 2.0 प्रोजेक्ट की घोषणा की है, काफी लोगों के दिमाग में सवाल है कि यह नया पैन कार्ड फ्री मिलेगा या इसके लिए कुछ पैसे खर्च करने होंगे। साथ ही लोगों के जहन में यह सवाल भी है कि यह नया पैन कहां बनवाना होगा। अगर आपके भी ऐसे ही सवाल हैं तो हम आपको इसके बारे में पूरी जानकारी दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत नागरिकों को जल्द ही एक क्यूआर कोड सुविधा वाला नया पैन कार्ड मिलेगा। इसमें टैक्सपेयर्स रजिस्ट्रेशन सर्विसेज को मॉडिफाई किया जाएगा। साथ ही वर्तमान पैन/टैन 1.0 इको-सिस्टम का अपग्रेड किया जाएगा। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने वालों को इससे काफी फायदा होगा। इस प्रोजेक्ट को जल्द लॉन्च किया जाएगा। नया पैन कार्ड आधार कार्ड की तरह मौजूद रहेगा। ई-पैन कार्ड आप अपनी ई-मेल आईडी पर मंगवा सकते हैं। इसके लिए कुछ भी खर्च नहीं करना होगा। वहीं अगर आप आधार कार्ड की तरह इसकी फिजिकल कॉपी मंगवाना चाहते हैं तो इसके लिए 50 रुपये खर्च करने होंगे।नया पैन कार्ड जारी करवाते समय आप अपनी कुछ डिटेल्स भी अपडेट करवा सकते हैं। इसमें आप ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, पता, नाम या जन्मतिथि को अपडेट या सही करना चाहते हैं इसे नए पैन कार्ड में बिना किसी खर्च के करवा सकेंगे। यह सुविधा ऑनलाइन मिलेगी।

सोने-चांदी के दाम में तेजी : सोना 453 रुपए बढ़कर 76,143 रुपए पर पहुंचा

चांदी 88,898 रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के भाव में आज यानी 27 नवंबर को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 453 रुपए बढ़कर 76,143 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले इसके दाम 75,690 रुपए प्रति दस ग्राम थे।

चांदी की कीमत में भी आज तेजी है। ये 435 रुपए बढ़कर 88,898 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 88,463 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,660 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,510 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,510 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,510 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,050 रुपये है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार गाड़ियों में लगेंगे 3 नंबर प्लेट

40 लाख गाड़ियों में हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट होगा अपडेट, फास्टैग लगाने की जरुरत नहीं

रायपुर, 27 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ के 40 लाख से ज्यादा वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) परिवहन के अधिकारी लगवाएंगे। परिवहन मुख्यालय के अफसरों ने इस संबंध में बैठक करने के बाद अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। एचएसआरपी लगने के बाद इन वाहनों में तीन नंबर प्लेट होगी। इसके बाद फास्टैग लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

परिवहन अधिकारियों ने बताया, कि अप्रैल 2019 से पहले के जितने भी वाहन है, उन सभी में 120 दिन के अंदर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाने का टारगेट रखा है। एचएसआरपी लगाने के लिए परिवहन विभाग ने मेसर्स रीयल मेजॉन इंडिया लिमिटेड और रोसमर्टा सेफ्टी सिस्टम लिमिटेड को अधिकृत किया है।

निर्देश का पालन नहीं करने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ परिवहन नियम के तहत कार्रवाई भी की जाएगी। वाहन मालिकों की सुविधा के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन चिन्ह आवेदन की प्रक्रिया वेबसाइट में उपलब्ध होगी।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट एक विशेष तरह की नंबर प्लेट होती है, जिसे वाहनों की सुरक्षा और ट्रैकिंग के लिए सरकार ने अनिवार्य किया है। यह प्लेट, पुराने नंबर प्लेट से ज्यादा सुरक्षित होती है।

टारगेट पूरा करने प्रदेश को दो जोन में बांटा गया

जोन ए- रायपुर, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोंडागांव, मुंगेली, बेमेतरा, कवर्धा, कोरबा, जांजगीर-चांपा आरटीओ कार्यालय शामिल हैं।

जोन बी- आरटीओ कार्यालय रायगढ़, गरियाबंद, जशपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, महासमुंद, राजनांदगांव, बालोद, दुर्ग, दंतेवाड़ा, कांकेर, अम्बिकापुर, बैकुंठपुर, जगदलपुर जिले के पंजीकृत वाहन शामिल हैं।

टू-व्हीलर मोटर साइकिल, स्कूटर, मोपेड के अलावा ट्रैक्टर, पॉवर टीलर और ट्रेलर पर एचएसआरपी प्लेट लगाने के लिए जीएसटी सहित 365.80 रुपए वाहन मालिकों को लगेगा।

3-व्हीलर के लिए 427.16 रुपए, लाइट मोटर व्हीकल/पैसेंजर कार के लिए 656.08 रुपए और 705.64 रुपए लगेगा।

ऑटोमोबाइल डीलर के जरिए 2019 के पहले रजिस्टर वाहनों पर इंस्टॉलेशन के लिए 100 रु अतिरिक्त चार्ज के साथ लगाया जाएगा। घर पहुंच सेवा के लिए भी अतिरिक्त राशि देनी होगी।

गाड़ियों में इस तरह लगेंगी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

टू व्हीलर: पहली प्लेट शॉकप के पास। दूसरी प्लेट बैक लाइट के पास और तीसरी प्लेट मेटगार्ड के ऊपर।

थ्री व्हीलर: पहली प्लेट फ्रंट कांच के नीचे। दूसरी प्लेट बैक लाइट के नीचे और तीसरी प्लेट फ्रंट कांच के टॉप या साइड पर।

फोर व्हीलर: पहली प्लेट फ्रंट लाइट के नीचे। दूसरी प्लेट बैक लाइट के नीचे और तीसरी प्लेट बोनट के साइड या फ्रंट में।

अतिरिक्त परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है। वाहन स्वामी सुरक्षित रहे और उनकी गाड़ी की मॉनिटरिंग हो सके, इसलिए दो महीने के अंदर टारगेट लेकर गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन प्लेट को बदला जाएगा। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना पहले जारी की थी।

15 लाख के इनामी नक्सली छोटू की गोली मारकर हत्या

बॉडी पर सिलाई के निशान, 7 घंटे से पुलिस कर रही जांच

लातेहार, 27 नवंबर (एजेंसियां)। लातेहार में 15 लाख के इनामी भाकपा माओवादी की रीजनल कमेटी के सदस्य छोटू खरवार की हत्या कर दी गई है। बुधवार सुबह छिपादोहर थाना क्षेत्र की चुंगरु पंचायत के नावाडीह गांव के भीमपांव जंगल से उसका शव बरामद किया गया। छोटू खरवार की हत्या गोली मारकर की गई है। पुलिस को उसके पेट पर सिलाई के निशान मिले हैं। आशंका है कि आरोपियों ने छोटू खरवार के पेट को चीरकर उसमें बम प्लांट किया है। बॉडी सुबह 10 बजे से घटनास्थल पर पड़ी है। पुलिस बम डिटेक्टर मशीन से जांच कर रही है। वहां से लोगों को दूर हटा दिया गया है। पुलिस को संदेह है कि नक्सलियों के आपसी विवाद और लेवी के बंटवारे को लेकर यह हत्या की गई है। 2013 में लातेहार में ही नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ के चार जवान शहीद हो गए थे। नक्सलियों ने उनके पेट को चीरकर उसमें बम प्लांट कर दिया था। जब

पोस्टमॉर्टम के लिए उनकी बॉडी रांची लाई गई तो पेट पर हुई सिलाई के बाद यह मामला सामने आया था। काफी मशक्कत के बाद बम निरोधक दस्ते ने बम को नाकाम किया था। छोटू खरवार उर्फ छोटू जी उर्फ सुजीत जी सिकिद, हेरहंज (लातेहार) का रहने वाला था। उसके खिलाफ लातेहार, पलामू, गढ़वा, लोहरदगा, गुमला समेत कई अन्य जिलों के थानों में नक्सली संगठन की तरफ से की गई हत्या, आगजनी, गोलीबारी, विस्फोट समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। 2013 में लातेहार में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के 14 जवान शहीद हुए थे। इस मामले में भी छोटू खरवार का नाम शामिल था।

लातेहार जिले में छोटू खरवार एक मात्र ऐसा बड़ा नक्सली था, जो पुलिस को लगातार चुनौती दे रहा था। छोटू को गिरफ्तार के लिए राज्य से लेकर जिले के पुलिस अधिकारी कई बार सर्च ऑपरेशन चला चुके थे। लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

2019 में चंदवा थाना क्षेत्र के लुकइया मोड में नक्सली हमले में चार जवान शहीद हुए थे। इस घटना में भी छोटू खरवार शामिल था। इधर, सूत्रों के अनुसार, भाकपा माओवादी के जोनल कमांडर 10 लाख के इनामी मनीष यादव द्वारा हत्या करने की बात सामने आ रही है। छोटू का शव जिस जगह पर बरामद हुआ, वहां लेवी के बंटवारा को लेकर माओवादी जुटे थे। इसी दौरान झगड़ा हो गई और उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

छत्तीसगढ़ में प्रिंसिपल, शिक्षक, रेंजर ने छात्रा से किया गैंगरेप

बोले- परीक्षा में पास करा देंगे, वीडियो बनाकर दी धमकी, सभी सस्पेंड, गिरफ्तार

बनवारी सिंह, डिप्टी रेंजर

कुशल सिंह परिहार, व्याख्याता

सरगुजा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले में 11वीं की छात्रा से वहां के प्रिंसिपल, लेक्चरर, हेडमास्टर और डिप्टी रेंजर ने गैंगरेप किया। उसका वीडियो भी बना लिया। फिर ब्लैकमेल कर दोबारा सामूहिक दुष्कर्म किया। अब थाने में छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, विभाग ने चारों आरोपियों को निलंबित कर दिया है। घटना जनकपुर थाना इलाके की है।

दिन का समय था। तारीख 13 नवंबर 2024 थी। जगह जनकपुर गांव। 17 साल की 11वीं की छात्रा एक दुकान में फोटो कॉपी कराने पहुंची। जहां हेडमास्टर (सीएससी) रावेन्द्र कुशवाहा (48) से उसकी मुलाकात हुई। दोनों के बीच कुछ बातचीत भी हुई। फिर छात्रा अपने किराए के रूम में चली गई। यहां रहकर वो पढ़ाई कर रही थी।

तीसरे दिन 15 नवंबर 2024, समय दोपहर 12 बजे। जगह वही जनकपुर गांव। छात्रा से हेडमास्टर रावेन्द्र दोबारा मिला। उसकी पढ़ाई में मदद करने और परीक्षा में पास करा देने की बात कही।

शिक्षक रावेन्द्र ने उसे परीक्षा के बारे में बातचीत करने अपने साथ चलने को कहा। फिर अपनी कार में बैठाकर लेक्चरर कुशल सिंह परिहार (50) के जनकपुर स्थित घर ले गया। कुशल की पत्नी घर पर नहीं थी। वहां उसके दोस्त देवगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रभारी प्रिंसिपल अशोक कुशवाहा (55) पहले से मौजूद थे।

छात्रा जैसे ही घर के अंदर घुसी दरवाजा बंद कर लिया गया। फिर रावेन्द्र, कुशल और अशोक ने छात्रा से रेप किया। शिक्षकों ने इस घटना का वीडियो भी बना लिया। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी भी दी। सभी टीचर और छात्रा अलग-अलग स्कूल के हैं। 22 नवंबर की शाम करीब 5 बजे पीड़ित छात्रा दुकान में सामान लेने जा रही थी, तब कुशल सिंह परिहार उसे बस स्टैंड के पास मिला। उसे धमकी देकर अपनी बाइक पर बैठाया और डिप्टी रेंजर बनवारी सिंह के घर ले गया, जहां बनवारी सिंह सहित उन्हीं दो शिक्षकों ने वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल किया, फिर दोबारा छात्रा से गैंगरेप किया।

दूसरी बार छात्रा के साथ ऐसी घटना होने पर वो काफी सहम गई। घर जाकर उसने अपनी मां को पूरी आप-बीती बताई। इसके बाद पीड़िता अपनी मां के साथ 26 नवंबर को जनकपुर थाने पहुंची। चारों के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई।

जनकपुर थाना प्रभारी दीपेश सैनी ने बताया कि, शिकायत सोमवार को मिली थी। एसपी चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर तत्काल उसी दिन मामले में कार्रवाई की गई है। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

इस गैंगरेप में शामिल देवगढ़ स्कूल के प्राचार्य अशोक कुशवाहा का एक साल पुराना वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नशे में उसने स्कूल के एनुअल फंक्शन में जमकर हंगामा किया था।

कोयला कारोबारी ने जहर खाकर दी जान

सुसाइड नोट में लिखा- कोयला कारोबारियों ने बर्बाद किया, 70 लाख के कर्ज का जिक्र

बिलासपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के बिल्हा विधायक और भाजपा नेता धरमलाल कौशिक का करीबी बताने वाले कोयला कारोबारी ने सरगांव में कार के अंदर जहर खाकर जान दे दी है। घटनास्थल से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें लिखा है कि कोयला कारोबारियों राजेश कोटवानी, देवेंद्र उपवेजा, सूरज प्रधान और संजय भट्ट ने बर्बाद कर दिया है। 70 लाख के कर्ज का भी जिक्र है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

तिफरा के परसदा निवासी नरेंद्र कौशिक ट्रांसपोर्टर था। साथ ही वो कोयला डिपो भी चलाता था। मंगलवार को जहर खाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन आनन-फानन में उसे अपोलो अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान शाम करीब 5 बजे उसकी मौत हो गई। अपोलो अस्पताल प्रबंधन ने इस घटना की जानकारी सरकंडा थाने में नहीं दी थी।

मालगाड़ी डिरेल, आज भी रूट क्लियर नहीं

बिलासपुर-शहडोल मेमू रद्द, 4 एक्सप्रेस ट्रेनों के चलने पर संशय, एमपी-यूपी जाने वाले यात्री परेशान

बिलासपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में खोंगसरा-भनवारटंक स्टेशन के बीच मंगलवार को कोयला लदी मालगाड़ी डिरेल हो गई। इंजन समेत 23 डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। आज (बुधवार) सुबह तक लाइन चालू नहीं हो पाई है। जिसके कारण रेलवे ने बिलासपुर-शहडोल मेमू को कैंसिल किया है। दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस सहित चार ट्रेनों के चलने पर संशय बना हुआ है। वहीं, 9 ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलाई जा रही हैं। अगर, दोपहर-शाम तक इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन शुरू नहीं हुआ, तो यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले, मंगलवार को बिलासपुर से छूटने वाली अधिकांश ट्रेनों को रद्द कर दिया था। रेलवे की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करने से एमपी-यूपी जाने वाली यात्री परेशान हैं।

ट्रेन कैंसिल होने की जानकारी देने के बाद रेल प्रशासन ने बिलासपुर के यात्रियों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की थी। विशेषकर दुर्ग से छूटने वाली गाड़ियों के लिए उन्हें पहुंचना था। लेकिन, रेलवे ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके चलते यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा और यात्रा रद्द करनी पड़ी। यात्री अपने खर्च पर दुर्ग पहुंच भी जाते, लेकिन यहां से कोई ट्रेन नहीं थी। ट्रेनें कैंसिल होने से बिलासपुर या उसलापुर स्टेशन से यात्रा करने यात्रियों को ज्यादा परेशानी हुई। अमरकंटक एक्सप्रेस और सारनाथ एक्सप्रेस में बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। जिन यात्रियों का रिजर्वेशन था, वो पूरी तैयारी के साथ सफर शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन, हादसे की वजह से अचानक उन्हें यात्रा कैंसिल करनी पड़ी। बुधवार को भी यही स्थिति होने वाली है।

दरअसल घटना स्थल पर रेलवे का पूरा अमला जुटा हुआ है, लेकिन दुर्घटना बड़ी होने और ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के कारण बुधवार रात तक भी लाइन सामान्य होने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। हालांकि, अफसरों ने इसकी अधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

वक्फ-बोर्ड चेयरमैन को धमकी कहा-गर्दन से 6 इंच काट देंगे

पाकिस्तान से आया था फोन, रायपुर में दर्ज कराई एफआईआर, बोले- मैं डरता नहीं हूं

रायपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर सलीम राज को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। उसने कहा कि, गर्दन से 6 इंच काटकर छोटा कर देंगे। अब सलीम राज ने आजाद चौक थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। डॉक्टर सलीम का कहना है कि, वो ऐसे किसी भी धमकी से डरने वाले नहीं है।

दरअसल, डॉ. सलीम राज ने मौखिक निर्देश में कहा था कि, छत्तीसगढ़ की मस्जिदों में जुमे की नमाज (शुक्रवार की नमाज) के बाद होने वाली तकरीर (बातचीत) के टॉपिक के लिए वक्फ बोर्ड की इजाजत लेनी होगी। टॉपिक विवादित ना हो, इसलिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के सदस्यों ने यह फैसला लिया है। मुतवल्ली (मस्जिद की संपत्ति का प्रबंध करने वाला) इस नियम का पालन नहीं करेगा, उसके खिलाफ लीगल एक्शन लिया जाएगा।

डॉक्टर सलीम राज ने दैनिक भास्कर को बताया कि, वक्फ बोर्ड के मुतवल्ली को लेकर दिए फैसले के बाद ओवैसी और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने बयान जारी किया था। जिसके बाद से मुझे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और केरल से फोन आ रहे हैं। जिसमें मुझे धमकी देते हुए कहा गया कि, तुमको 6 इंच छोटा कर देंगे। ऊपर गर्दन से छोटा होना है या नीचे से बता दो।

उन्होंने कहा कि, मैं इस तरह की धमकियों से डरने वाला नहीं हूं। मैंने जो नियम बनाया, वो देश हित के लिए और सर्वहित के लिए है। इस नियम में साफ है कि तकरीर के दौरान राजनीतिक भाषण न हो। जिससे सामाजिक सौहार्द्र और वातावरण बना रहे। हमारे फैसले के बाद 154 मुतवल्ली ने टॉपिक भेजा था।

छत्तीसगढ़ में करीब 6 हजार आरक्षक भर्ती पर रोक

हाईकोर्ट जस्टिस बोले- सिर्फ पुलिसकर्मियों के बच्चों को लाभ देना भेदभाव, फिजिकल में थी छूट

बिलासपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आरक्षक संवर्ग 2023-24 के पदों पर होने वाली भर्तियों पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। पुलिसकर्मियों के बच्चों को फिजिकल में छूट मिली थी। इसके खिलाफ याचिका लगी थी। छत्तीसगढ़ में कॉन्स्टेबल के 5,967 पदों पर भर्ती निकली है। इसके लिए 16 नवंबर से भर्ती प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। सुनवाई के दौरान, जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने कहा कि, पुलिसकर्मियों को लाभ देने नियमों में बदलाव कैसे हो सकता है। लाभ सभी को मिलना चाहिए।

दरअसल, विज्ञापन जारी होने और फॉर्म भरने के बाद डीजी पुलिस ने सचिव को पत्र लिखा। पत्र में नियुक्ति प्रक्रिया में पुलिस विभाग में कार्यरत और एक्स सर्वीसमेन कर्मचारियों के बच्चों को छूट देने का जिक्र था। पत्र में सुझाव दिया गया कि, भर्ती नियम 2007 कंडिका 9(5) के तहत भर्ती प्रक्रिया के मापदंडों को शिथिल किया जा सकता है। इसमें फिजिकल टेस्ट के दौरान सीने की चौड़ाई और ऊंचाई जैसे कुल 9 पॉइंट्स शामिल थे। अवर सचिव ने इस सुझाव को स्वीकार भी कर लिया। इससे आहत होकर याचिकाकर्ता बेदराम टंडन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। याचिकाकर्ता के बेटे ने राजनांदगांव में कॉन्स्टेबल जनरल ड्यूटी के लिए आवेदन दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि, केवल अपने विभाग के कर्मचारियों को छूट देना आम नागरिकों के साथ भेदभाव है। ऐसे में इस भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। मामले में वकील की ओर से पेश किए गए दलीलों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने भर्तियों पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि, क्योंकि नियमों को शिथिल करने का लाभ सभी पदों पर मिलता, इसलिए सभी पदों पर होने वाली भर्ती पर रोक लगा दी गई है। राज्य शासन ने कहा कि, 2007 में नियम बनाया गया है कि पुलिसकर्मियों के परिवार के लोगों को भर्ती में छूट का प्रावधान है। इस पर हाईकोर्ट ने आपत्ति करते हुए कहा कि, नियम के तहत डीजीपी को अधिकार दिया गया है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि वो मनमाना छूट देंगे। हाईकोर्ट ने कहा कि, छूट देने का नियम है इसका मतलब यह नहीं कि डीजीपी कमेटी बनाकर ऐसा करे। नियम का लाभ सभी वर्ग के लोगों को मिलना चाहिए। ऐसा नहीं है कि एसपी और टीआई के बेटे-बेटियों को ही भर्ती में प्राथमिकता दी जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस अपने फायदे के लिए रूल बना लें, यह पद का दुरुपयोग है।

मेधा घोटाले में चेयरमैन सहित 70 के खिलाफ चार्जशीट

जेपीएससी सदस्य और को-ऑर्डिनेटर ने इंटरव्यू में बढ़वाया नंबर, प्रमोशन पाए अफसरों की बढ़ेगी परेशानी

रांची, 27 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के बहुचर्चित मेधा घोटाले में सीबीआई ने चार्जशीट दायर कर दी है। जांच में खुलासा हुआ है कि पहली और दूसरी जेपीएससी (झारखंड लोक सेवा आयोग) परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली की गई थी। सीबीआई ने हाईकोर्ट को बताया कि अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि लगभग 100 अभ्यर्थियों की कॉपी में ओवरराइटिंग कर और उत्तर पुस्तिका में छेड़छाड़ कर न सिर्फ नंबर बढ़ाए गए, बल्कि उन्हें इंटरव्यू में भी ज्यादा नंबर दिए गए। इसकी पुष्टि एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री) की जांच में भी हुई है। इस मामले में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप कुमार प्रसाद, तत्कालीन सदस्य राधा गोविंद नागेश और को-ऑर्डिनेटर परमानंद सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण थी। कोर्ट में मामले की अगली सुनावई 28 नवंबर को होगी। चार्जशीट में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप प्रसाद समेत 70 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें कुछ ऐसे अधिकारियों का नाम भी है, जो प्रमोशन पाकर डीएसपी से एसपी बन चुके हैं। चार्जशीट में कहा गया है कि जेपीएससी के तत्कालीन सदस्य और को-आर्डिनेटर के कहने पर 12 परीक्षार्थियों के नंबर बढ़ाए गए थे। कई अभ्यर्थियों की कॉपियों में काट-छांट कर नंबर बढ़ाए गए और सफल उम्मीदवारों के इंटरव्यू में मिले वास्तविक नंबर को भी बढ़ाया गया। चार्जशीट में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप कुमार प्रसाद, सदस्य गोपाल प्रसाद सिंह, शांति देवी, राधा गोविंद सिंह नागेश, एलिस उषा रानी सिंह, अरविंद कुमार, सोहन राम, प्रशांत कुमार लायक, राधा प्रेम किशोर, विनोद राम, हरि शंकर बराईक, हरि शंगर सिंह मुंडा, रवि कुमार कुजुर, मुकेश कुमार महतो, एसए खन्ना, बटेश्वर पंडित, को-आर्डिनेटर परमानंद सिंह, अल्बर्ट टोप्पो, एस अहमद, नंदलाल, कुंदन कुमार सिंह, मौसमी नागेश, कानुराम नाग, लाल मोहन नाथ शाहदेव, प्रकाश कुमार, कुमारी गीतांजलि, संगीता कुमारी, रजनीश कुमार, शिवेंद्र, संतोष कुमार चौधरी, कुमार शैलेंद्र और हरि उरांव का नाम शामिल है। जेपीएससी प्रथम का 2004 में और द्वितीय का 2008 में रिजल्ट जारी हुआ था। दोनों परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोप लगे तो सरकार ने निगरानी को जांच का जिम्मा सौंपा। इसी बीच हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग को लेकर पीआईएल दायर की गई।

शारीरिक संबंध बनाया फिर गर्लफ्रेंड के किए 50 टुकड़े

खूंटी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के खूंटी में एक खौफनाक घटना सामने आई है। बॉयफ्रेंड ने गर्लफ्रेंड को 50 टुकड़ों में काटकर फेंक दिया। मामले का खुलासा तब हुआ जब कुत्ता लड़की की बॉडी के पार्ट को खा रहा था। गांववालों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। बॉयफ्रेंड ने यह हत्या इसलिए की, क्योंकि वो दूसरी लड़की से उसके संबंध का विरोध कर रही थी। पुलिस के अनुसार, बॉयफ्रेंड ने हत्या से पहले लड़की के साथ संबंध बनाया था। उसके बाद उसके गले को उसके ही दुपट्टे से घोंट दिया। मरने के बाद उसने बॉडी के 50 टुकड़े किए और घर से 500 मीटर दूर जंगल में जाकर फेंक दिया। पुलिस को अब तक बॉडी का पूरा पार्ट नहीं मिला है। फिलहाल लड़की का सिर, दो हाथ की हड्डी और बाल मिले हैं। पुलिस ने आरोपी बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार कर लिया है। घटना खूंटी में जरियागढ़ थाना क्षेत्र के भगवान पांज टोंगरी की है। पुलिस को यहां 24 नवंबर को लड़की के शरीर के कुछ टुकड़े, उसका फटा हुआ आधार कार्ड व बैंक पासबुक मिला था। इसके बाद लड़की पहचान की गई। पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ शुरू की तो लड़की के प्रेमी के बारे में पता चला। पुलिस ने 26 नवंबर को प्रेमी से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार कर पूरी घटना बताई। आरोपी नरेश भेंगरा ने पुलिस को बताया कि प्रेमिका गांगी के अलावा वे एक दूसरी लड़की के संपर्क में आ गया था। जब प्रेमिका को यह जानकारी मिली तो वो युवक के पास आई। उसने कहा- 'जब तुम दूसरी लड़की के साथ रह रहे हो, तो मुझे मेरे गांव मालगो पहुंचा दो। साथ ही जो पैसे मैंने तुम्हें दिए हैं, उसे लौटा दो।' इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया और आरोपी ने प्रेमिका की हत्या कर दी। एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया- आरोपी नरेश भेंगरा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वो बेंगलुरु में मुर्गा काटने का काम करता था। इसलिए उसे शव के टुकड़े करने में कोई झिझक नहीं हुई। मृतका की शिनाख्त लापुंग के मालगो जतरा टोली निवासी गांगी कुमारी (24) के रूप में हुई थी। गांगी, नरेश भेंगरा के साथ लिव इन में रह रही थी। नरेश का ननिहाल युवती के गांव में था। ननिहाल आने-जाने के दौरान गांगी और नरेश में प्रेम हो गया। डेढ़ साल साथ रहने के बाद गांगी काम करने के लिए तमिलनाडु के त्रिपुर चली गई और नरेश बेंगलुरु में काम करने लगा। उसी दौरान नरेश का प्रेम संबंध एक अन्य युवती के साथ हो गया। दोनों का एक बेटा भी है। इधर, जब गांगी को मामले की जानकारी मिली तो वह बेंगलुरु आ गई। 6 नवंबर को नरेश, गांगी को लेकर हटिया स्टेशन आ गया। वहां से 8 नवंबर की शाम गांगी को लेकर जोजोदाग के लिए निकला। लेकिन गांगी को वह गांव के पास ही भगवान पांज टोंगरी पर ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

नवोजत-सिद्धू की पत्नी को छग सिविल-सोसाइटी का लीगल नोटिस

डाइट से कैंसर ठीक होने का मांगा सबूत, कहा- मरीजों में भ्रम की स्थिति, वरना 850 करोड़ क्षतिपूर्ति दें

रायपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी को कैंसर से ठीक करने वाले इलाज के दावे पर देशभर में बहस छिड़ गई है। डॉक्टर इस दावे पर सवाल खड़े कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी ने सिद्धू की पत्नी को शोकॉज नोटिस भेजा है। कैंसर ठीक करने के प्रमाणित दस्तावेज मांगे हैं।

छत्तीसगढ़ सिविल सोसाइटी के संयोजक डॉक्टर कुलदीप सोलंकी ने अपने पत्र में कहा कि, आपकी डाइट की बातें सुनकर देश-विदेश के कैंसर मरीजों में भ्रम और एलोपैथी मेडिसिन के विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही है। 7 दिनों में इलाज के डॉक्यूमेंट पेश करें,

नहीं तो 100 मिलियन डॉलर यानी 850 करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति का दावा किया जाएगा।

डॉक्टर कुलदीप सोलंकी ने पत्र लिखकर नवजोत कौर से जानकारी मांगी है कि, उनके पति ने डाइट के जरिए कैंसर ठीक करने का दावा किया है। क्या आप उनके बयान का पूर्ण समर्थन करते हैं? क्या आपको लगता है कि एलोपैथी मेडिसिन का जो इलाज आपने कई अस्पतालों में कराया है, उनके इलाज से आपको कोई भी लाभ नहीं हुआ? क्या आपके कैंसर फ्री होने में सिर्फ आपकी डाइट, नीम पत्ता, नींबू पानी, तुलसी पत्ता, हल्दी का ही सेवन किया है। किसी भी एलोपैथी मेडिसिन का इस्तेमाल नहीं किया? यदि आपके पति के दावे का समर्थन करते हैं, तो वे सभी प्रमाणित दस्तावेज हमें 7 दिनों के भीतर उपलब्ध कराए। जिससे यह साबित हो कि आपने महज 40 दिनों में बिना मेडिसिन लिए, बिना चिकित्सकीय सहायता के मात्र डाइट को बदलाव कर स्टेज 4 के कैंसर को समाप्त कर आप कैंसर फ्री हो गए हैं।

रूस ने ब्रिटिश डिप्लोमैट को निष्कासित किया

कहा– जासूसी के मकसद से देश में घुसा था ब्रिटेन का यूक्रेन में सैनिक भेजने से इनकार

मॉस्को, 27 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने मंगलवार को ब्रिटेन के एक राजनयिक को निष्कासित कर दिया। रूसी न्यूज एजेंसी ठास की रिपोर्ट के मुताबिक रूस के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि ब्रिटिश राजनयिक जासूसी के मकसद से देश में आया था और उसने अपने बारे में गलत जानकारी दी थी। विदेश मंत्रालय ने कहा रूसी कानून का उल्लंघन करने की वजह से राजनयिक की राजनयिक मान्यता रद्द कर दी है और उसे दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ने को कहा गया है।

ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने राजनयिक के निकाले जाने के फैसले पर कहा कि यह पहली बार नहीं है जब रूस ने ब्रिटिश कर्मचारियों के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। वे सही समय पर इसका जवाब देंगे।

फ्रांस के अखबार ले मोंडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ब्रिटेन और फ्रांस, यूक्रेन में सैनिक भेजने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से अखबार ने दावा किया है कि नवंबर की शुरुआत में पीएम कीर स्टार्मर की पेरिस यात्रा के दौरान उनकी राष्ट्रपति मैक्रों से यूक्रेन में सैनिकों की तैनाती पर बातचीत हुई थी।

हालांकि ब्रिटिश सरकार ने इस दावे को 'गलत' बताया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि वे यूक्रेन का समर्थन जारी रखेंगे लेकिन वहां सेना भेजने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

ब्रिटेन ने स्टॉर्म शैडो मिसाइल की नई खेप भेजी

ब्रिटेन ने हाल ही में यूक्रेन को स्टॉर्म शैडो मिसाइलों की नई खेप भेजी है। स्टॉर्म शैडो की रेंज 250 किमी से ज्यादा है। इसका इस्तेमाल 2000 के दशक की शुरुआत से किया जा रहा है। ब्रिटेन और फ्रांस ने मिलकर इस हथियार को विकसित किया है। इसके फ्रांसीसी संस्करण को 'स्कैल्प' के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने 18 नवंबर को यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल- आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) इस्तेमाल करने की इजाजत दी थी। इसके बाद ब्रिटेन ने भी यूक्रेन को शैडो स्टॉर्म मिसाइलों के इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी थी। इसके जवाब में रूस ने यूक्रेन पर मध्यम दूरी की नई हाइपरसोनिक मिसाइल 'ओरेशनिक' दागी थी।

यूक्रेन को खत्म करना चाहता है फ्रांसः रूस

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि यूक्रेन में पश्चिमी बलों की तैनाती से यूरोप में गंभीर संघर्ष और वैश्विक संघर्ष हो सकता है। पुतिन ने कहा कि रूस उन देशों की सैन्य सुविधाओं पर हमला करने का अधिकार रखता है जो अपने हथियारों का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की अनुमति देते हैं। दूसरी तरफ, ब्रिटेन-फ्रांस के द्वारा सैनिकों को भेजने के मामले में रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा है कि हम इस मीडिया रिपोर्ट की सत्यता की जांच कर रहे हैं। रूसी पर किसी भी हमले को फ्रांस की हरी झंडी से केवल यूक्रेन को नुकसान होगा। जाखारोवा का आरोप है कि फ्रांस यूक्रेन को खत्म करना चाहता है।

मैक्रों ने कहा था- सेना भेजना जरूरी, ताकि रूस को जीतने से रोका जा सके

मीडिया रिपोर्ट का दावा है कि फ्रांस और ब्रिटेन निजी रक्षा कंपनियों के कर्मचारियों को यूक्रेन में सैनिकों को ट्रेनिंग देने और पश्चिमी देशों के भेजे उपकरणों के रखरखाव के लिए भेज सकते हैं। इस रिपोर्ट के खुलासे के बाद फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक कार्यक्रम में कहा कि यूक्रेन में सेना भेजने में कोई रोक नहीं है। इससे पहले, फरवरी में राष्ट्रपति मैक्रों ने यूक्रेन में जमीनी सेना भेजने की इच्छा जताई थी, ताकि रूस को यूक्रेन जंग जीतने से रोका जा सके।

प्रेग्नेंसी स्कैम कर महिलाओं से ठगी

फेक प्रेग्नेंसी और चाइल्ड ट्रैफकिंग से लूटा, एक साल चले अंडरकवर ऑपरेशन से खुलासा

अबुजा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नाइजीरिया में अनाम्ब्रा स्टेट में फेक प्रेग्नेंसी स्कैम का खुलासा हुआ है। बीबीसी अफ्रीका के मुताबिक, यहां कुछ फर्जी डॉक्टर फेक प्रेग्नेंसी और चाइल्ड ट्रैफकिंग के जरिए महिलाओं को निशाना बनाते थे। इसके लिए महिलाओं को पहले फेक प्रेग्नेंसी रिपोर्ट दिखाई जाती और फिर उन्हें किसी और का बच्चा थमा दिया जाता। इसके एवज में इलाज के नाम पर मोटी रकम ऐंठी जाती। ठगों ने इस स्कैम के लिए सोशल मीडिया का भी जमकर इस्तेमाल किया। एक साल तक अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर इस इस स्कैम का भांडाफोड किया गया। नाइजीरिया उन देशों की फेहरिस्त में शामिल है जहां, ज्यादा जन्म दर काफी हाई है। यहां महिलाओं पर बच्चे को जन्म के लिए काफी ज्यादा दबाव रहता है। ऐसा नहीं कर पाने पर उनके साथ दोयम दर्जे के व्यवहार किया जाता है। इस वजह से कई महिलाएं बच्चे की चाह में इस तरह के स्कैम का शिकार हो जाती हैं।

चीन में लगातार तीसरे रक्षा मंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप

आर्मी की एंटी करप्शन ड्राइव में नाम आया कई सीनियर अफसर भी जांच के घेरे में

बीजिंग, 27 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन पर चीनी सेना में भ्रष्टाचार के आरोपों में फंस गए है। इसके बाद उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। फाइनेंशियल टाइम्स की 27 नवंबर की एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे एंटी-करप्शन ड्राइव के तहत इन आरोपों में फंसे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन को डर है कि भ्रष्टाचार की वजह से चीन की सेना कमजोर हो रही है। इसलिए 2023 से चीन की सेना में एंटी करप्शन ड्राइव चलाया जा रहा है। इसके तहत अब तक नौ पीएलए जनरल और कई अधिकारियों को हटाया गया है। डोंग को साल 2023 में चीन का रक्षा मंत्री बनाया गया था। इससे पहले ली शांगफू चीन के रक्षा मंत्री थे। पद संभालने के 7 महीने के बाद ही ली को उनके पद से हटा दिया गया था। 29 अगस्त 2023 को एक कार्यक्रम में भाषण देने के बाद से वो गायब थे। जिसके बाद, सितंबर में उन्हें डिफेंस मिनिस्टर के पद से हटा दिया गया। कम्युनिस्ट पार्टी के मुताबिक ली ने मिलिट्री इक्विपमेंट्स के खरीद में गड़बड़ी की थी।

इससे पहले 2023 में वेई फेंगहे को भी डिसिप्लिन उल्लंघन के आरोप में कम्युनिस्ट पार्टी से निकाल दिया गया था। वेई पर पार्टी का भरोसा तोड़ने, सेना की प्रतिष्ठा खराब करने और भारी रिश्वत लेने का आरोप था।

पिछले हफ्ते अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी से नहीं मिले थे डोंग

डोंग डिफेंस मिनिस्टर के तौर पर चीन की मिलिट्री डिप्लोमैसी की देखरेख करते हैं। पिछले हफ्ते लाओस में रक्षा मंत्रियों की बैठक में डोंग ने अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात करने से इनकार कर दिया था।

तब इसके पीछे की वजह ताइवान को लेकर अमेरिका की नीतियों को बताया था। हालांकि, सितंबर में कमांडर लेवल की वार्ता के दौरान डोंग ने अमेरिका और चीन के संबंधों में सुधार के लिए हाथ बढ़ाया था।

आमतौर पर चीन में रक्षा मंत्री को 6 सदस्यीय सेंट्रल मिलिट्री कमीशन(सीएमसी) और स्टेट काउंसिल का मेंबर बनाया जाता है। इस साल कम्युनिस्ट पार्टी के अधिवेशन के दौरान डोंग को सीएमसी का सदस्य नहीं बनाया गया था। इसके बाद मार्च में कैबिनेट फेरबदल के दौरान उन्हें स्टेट काउंसिल का भी सदस्य भी नहीं बनाया गया। चीन राष्ट्रपति शी जिनपिंग पीएलए से भ्रष्टाचार को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। ताकि, भविष्य में होने वाले संघर्ष की तैयारी की जा सके। इस जांच का मुख्य फोकस पीएलए रॉकेट फोर्स है, जो चीन के परमाणु मिसाइलों के हथियारघर को संभालती है। जुलाई में इसी फोर्स के अधिकारी सन जिनमिंग को भी कम्युनिस्ट पार्टी से बर्खास्त कर दिया गया था।

जयशंकर ने हिंद-प्रशांत के लिए सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

जी7 देशों को बताया साझेदार

रोम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर क्वाड की स्थापना और इसकी उन्नति को पूरी दुनिया के लिए एक अहम घटनाक्रम करार दिया है। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत इस वक्त बड़े बदलावों को अनुभव कर रहा है। इनमें नई साझेदारियां और साझा हितों का साथ आना शामिल है। इटली के फियुगी शहर में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में आमंत्रित जयशंकर ने कहा, ऐसे समय, जब सहयोग बढ़ाने से जुड़ी कोशिशें जारीं हैं, तब हिंद-प्रशांत क्षेत्र को भी व्यवहारिक समाधान, तेज कूटनीति, बेहतर समायोजन और ज्यादा खुली बातचीत की जरूरत है। इस काम में जी7 एक अच्छा साझेदार हो सकता है।

बता दें कि क्वाड समूह ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का गठबंधन है। इसकी स्थापना हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के मकसद से हुई थी। विदेश मंत्री इसी मुद्दे को लेकर जी7 के विदेश मंत्रियों की 24-26 नवंबर को होने वाली आधिकारिक बैठक में भारत की तरफ से बतौर अतिथि पहुंचे। जयशंकर ने इस सत्र के खत्म होने के बाद कहा, क्वाड का विकास एक अहम घटनाक्रम रहा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र का आज का परिदृश्य बड़े स्तर पर सहयोगात्मक दृष्टिकोण के पक्ष में तर्क पेश करता है। यह सहयोग नौसैन्य क्षेत्र के अलावा सेमीकंडक्टर, सप्लाई चेन व अन्य क्षेत्रों में हो सकता है। जयशंकर ने चीन का नाम लिए बिना उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजना की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हिंद प्रशांत में देशों का सहयोग ज्यादा संसाधन जुटाने, खराब कर्ज या अवहनीय कर्ज को रोकने और क्षेत्र में ज्यादा गतिविधि का समर्थन करने में अहम साबित हो सकता है। इसके अलावा शासन, स्वास्थ्य, तकनीक, आपदा और प्राकृतिक संसाधान के प्रबंधन में भी नई और अहम क्षमताएं पैदा की जा सकती हैं।

ताइवान के एयरस्पेस में घुसे चीनी विमान

लगातार तीसरे दिन घुसपैठ अमेरिकी विमानों की निगरानी के लिए भी चीन ने जहाज तैनात किए

ताइपे, 27 नवंबर (एजेंसियां)। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि चीन उसकी सीमा के आस-पास सैन्य गतिविधियां बढ़ा रहा है। बुधवार सुबह चीन के करीब 17 विमान और 7 जहाज ताइवान की सीमा के पास पहुंचे। इनमें से 10 विमानों ने ताइवान के एयरस्पेस में घुसपैठ भी की है। चीन ने पिछले कई दिनों में ताइवान की सीमा में घुसपैठ बढ़ाई है। इससे पहले मंगलवार को भी चीन के 5 विमान और 7 जहाजों को ताइवान सीमा के पास देखा गया था। इनमें से 4 विमान ताइवान के एयरस्पेस में घुसे थे।

वहीं सोमवार को भी चीन के 12 विमानों और 7 जहाजों ने ताइवान की सीमा को पार किया था। चीन की तरफ से लगातार हो रही घुसपैठ के चलते ताइवान ने सुरक्षा को कड़ी करने का फैसला किया है।

इस्कॉन बांग्लादेश की यूनुस सरकार से अपील

हिंदुओं के लिए 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' को दें बढ़ावा

ढाका, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ने बांग्लादेश के अधिकारियों से देश में हिंदुओं के लिए 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' को बढ़ावा देने का आग्रह किया है, इस्कॉन ने प्रमुख समुदाय के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की हाल ही में हुई गिरफ्तारी की 'कड़ी निंदा' की है। मंगलवार को एक बयान में, इस्कॉन बांग्लादेश के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने कहा, 'हम अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और चिन्मय कृष्ण दास की हाल ही में हुई गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं, हम बांग्लादेश के कई क्षेत्रों में सनातनियों के खिलाफ बाद में हुई हिंसा और हमलों की भी निंदा करते हैं। चिन्मय कृष्ण दास, बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोते के प्रवक्ता, को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया, जब वह एक रैली में शामिल होने के लिए चटगांव जाने वाले थे। उन्हें मंगलवार को राजद्रोह के एक

मामले में चटगांव की छठी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। उन्होंने कहा, 'हम सरकारी अधिकारियों से सनातनी समुदाय के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने का आग्रह करते हैं।' इस बात को रेखांकित करते हुए कि बांग्लादेश 'हमारा जन्मस्थान और पैतृक घर' है, बयान में मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से 'सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने और प्रत्येक नागरिक को अपनी मान्यताओं और विवेक के अनुसार अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति देने' का आग्रह किया गया। इस्कॉन के बयान में कहा गया है कि चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा के लिए मुखर वकील रहे हैं और उनके अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को बनाए रखना और दूसरों को इस अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उनके प्रयासों का समर्थन करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है, 'उनके लिए न्याय और निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है,' और कहा कि चिन्मय कृष्ण दास और सनातम समुदाय बांग्लादेश के नागरिक के रूप में न्याय के हकदार हैं और उनके खिलाफ किसी भी तरह का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। चिन्मय कृष्ण दास इस्कॉन के सदस्य भी थे, जिसने हाल ही में उन्हें निष्कासित कर दिया।

इस्कॉन बांग्लादेश ने मांग की कि बांग्लादेश सरकार को सनातनी समुदाय पर हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें जवाबदेह ठहराना चाहिए; चिन्मय कृष्ण दास और अन्य हिंदू सदस्यों के नागरिक अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए; और देश में सभी समुदायों के बीच शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए तत्काल और प्रभावी उपायों को लागू करना चाहिए। इस बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश में इस्कॉन हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों समेत अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है।

इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन का सीजफायर मंजूर

बाइडेन बोले– हिजबुल्लाह ने डील तोड़ी तो इजराइल को खुद की सुरक्षा का अधिकार

तेल अवीव, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल की वॉर कैबिनेट ने लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 60 दिन के लिए सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। इसे लेकर मंगलवार देर रात कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। इसे 10-1 से मंजूरी मिल गई। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही सीजफायर के प्लान को मंजूरी दे चुके हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस सीजफायर को अच्छी खबर बताया है। उन्होंने कहा कि सीजफायर के लिए उन्होंने नेतन्याहू और लेबनान के पीएम नजीब मिकाती से बात की है। दोनों देशों के बीच बुधवार सुबह 4 बजे (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे) जंग रुक जाएगी।

बाइडेन ने कहा कि सीजफायर का मतलब जंग को हमेशा के लिए खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना कब्जे वाले इलाके को लेबनानी सेना को

सौंपेगी और वहां से हटेगी, ताकि हिजबुल्लाह वहां कब्जा न जमा ले। 60 दिन के भीतर यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

बाइडेन ने यह भी कहा कि अगर हिजबुल्लाह या कोई और समझौते का उल्लंघन करता है और इजराइल के लिए खतरा पैदा करता है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, इजराइल को आत्मरक्षा करने का अधिकार होगा। वहीं, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह समझौते का उल्लंघन करता है तो हम फिर से हमला करेंगे।

नेतन्याहू बोले- 3 वजहों से सीजफायर को दी मंजूरी

नेतन्याहू ने सीजफायर समझौते की मंजूरी से पहले एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने हिजबुल्लाह के साथ सीजफायर समझौता करने के पीछे 3 वजहें बताईं।

1. ईरान पर ध्यान केंद्रित करना।

2. थके हुए रिजर्व सैनिकों को आराम देना।

3. हमास को अलग-थलग करना।

नेतन्याहू ने कहा कि हमास, हिजबुल्लाह पर भरोसा कर रहा था। उन्हें यकीन था कि हिजबुल्लाह के लड़ाके उनके साथ लड़ेंगे, लेकिन अब वे अकेले रह गए हैं। अब उन पर दबाव बढ़ेगा। इससे हमारे बंधकों को छुड़ाने में मदद मिलेगी।

हालांकि, नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्लाह सीमा के पास इजराइल पर हमला करने की कोशिशें करता है, इस इलाके में बुनियादी ढांचा तैयार करता है, सुरंगें खोदता है या इस इलाके में रॉकेट ले जाने वाले ट्रक लाता है तो इसे समझौते का उल्लंघन माना जाएगा। इजराइल के नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इतमार बेन ग्विर ने नेतन्याहू के सीजफायर के फैसले को गलत कदम बताया।

गाजा युद्ध में अब लेजर से होगी लड़ाई?

सैनिकों की सुरक्षा के लिए इजरायल खरीदेगा 'आयरन बीम' सिस्टम, होगा बड़ा फायदा

तेल अवीव, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल अपने पैदल सैनिकों और टैंकों की सुरक्षा के लिए लेजर हथियार चाहता है। रक्षा मंत्रालय और हथियार बनाने वाली कंपनी राफेल जल्द ही एक डील करने वाले हैं। इसके तहत इजरायल कॉम्पैक्ट एंटी-मिसाइल लेजर सिस्टम खरीदेगा। यह डेवलपमेंट युद्ध के मैदान में क्रांति ला सकता है। यह इजरायली टैंकों पर लगा आईडीएफ का ट्रॉफी एक्टिव डिफेंस सिस्टम या आयरन डोम के बराबर होगा। सेना अपने सैनिकों के साथ इसे तैनात करेगी जो एक सक्रिय लेजर-आधारित रक्षा प्रणाली होगी। संभवतः शुरुआत में इसे विशिष्ट इकाइयों और लड़ाकू ब्रिगेड के साथ तैनात किया जाएगा। यह प्रणाली लेजर

बीम के इस्तेमाल से सैनिकों को निशाना बनाने वाली एंटी टैंक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन जैसे खतरों को हवा में ही बेअसर कर सकता है।

इस सौदे के जल्द ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। राफेल ने ही ट्रॉफी सिस्टम बनाया, जिसके जरिए इजरायल ने लेबनान सीमा पर मर्कवा मार्क IV टैंक और बख्तरबंद वाहनों को सैकड़ों खतरों से बचाया। नया सिस्टम अगले साल की शुरुआत में आईडीएफ में आ सकता है। इस कॉम्पैक्ट लेजर सिस्टम से आईडीएफ का काफी धन बचने की उम्मीद है। क्योंकि प्रत्येक ट्रॉफी सिस्टम को एक हमला रोकने के लिए हजारों डॉलर का खर्च आता है। वहीं एक्टिव लेजर सिस्टम से यह लागत कुछ ही डॉलर होगी। न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक राफेल एक सिक्के के बराबर लक्ष्य को भी मारने में कामयाब रहा है। यह लंबी दूरी की तुलना में छोटी दूरी के लिए और भी आसान है, जो पैदल सेना की रक्षा के लिए उपयुक्त है। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच बुधवार को संघर्ष विराम शुरू हो गया। हालांकि क्षेत्र में इस बात को लेकर संशय बना हुआ है कि यह संघर्ष विराम कायम रहेगा या नहीं। संघर्ष विराम समझौते के कथित उल्लंघन के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली।

म्यांमार के मिलिट्री लीडर को गिरफ्तार करने की मांग

यांगोन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसिक्यूटर करीम खान ने म्यांमार के मिलिट्री लीडर मिन आंग ह्लाइंग के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अपील की है। मिन आंग पर अल्पसंख्यक रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा, उत्पीड़न और मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप है। इस वजह से कई लाख रोहिंग्या बांग्लादेश भागने को मजबूर हो गए थे। करीम खान ने रोहिंग्याओं के खिलाफ हिंसा को जातीय नरसंहार के तौर पर पेश किया, जिसमें सामूहिक हत्या, रेप और बस्तियों को बर्बाद करना शामिल है। उन्होंने जल्द ही म्यांमार के दूसरे नेताओं के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट के लिए अपील का ऐलान किया।

अमेरिकी मिसाइलों ने दिखाया कमाल

रूसी एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम तबाह, पुतिन ने मानी यूक्रेन की बड़ी सफलता

मास्को, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की सेना ने रूस को बड़ा झटका देते हुए उसके सबसे अत्याधुनिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 को तबाह कर दिया है। यही नहीं यूक्रेन की इस सफलता को खुद रूस की सेना ने भी माना है जो अपने आप में दुर्लभ है। यूक्रेनी सेना ने इस हमले के लिए अमेरिका से मिली एटीएसीएमएस मिसाइलों का इस्तेमाल किया जो लंबी दूरी तक तबाही मचाने में सक्षम हैं। रूस ने अपने बयान में कहा है कि कुर्स्क इलाके में हुए इस यूक्रेनी हमले में एक एयर डिफेंस सिस्टम और एक एयर बेस को नुकसान पहुंचा है। रूस ने धमकी दी है कि वह इस हमले का करारा जवाब देगा। इससे पहले यूक्रेन ने दावा किया था कि उसने रूसी इलाके में सफल हमला किया है। रूस अपने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को अब तक अजेय बताता रहा है लेकिन अब यूक्रेनी हमले से उसकी पोल खुल गई है। रूस और यूक्रेन के बीच उस समय से तनाव बढ़ गया है जब अमेरिका ने कीव को इन लंबी दूरी की मिसाइलों को इस्तेमाल की मंजूरी दी। इसके जवाब में रूस अब उत्तर कोरिया के सैनिकों को तैनात कर रहा है। यही नहीं रूस ने ओरेशनिक मिसाइल से पहली बार हमला किया है जिससे पूरी दुनिया हैरान है। रूस ने हाल ही में इस मिसाइल को बनाने का दावा किया है। बताया जा रहा है कि सोमवार को यूक्रेन ने कुर्स्क के उत्तर पश्चिम में स्थित लोटारेवका इलाके में एस-400 मिसाइल सिस्टम को निशाना बनाया। इसे काफी गंभीर कदम करार दिया जा रहा है। एस-400 रूस के लिए ठीक उसी तरह से है जैसे अमेरिका के लिए पेट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 5 में से 3 अमेरिकी मिसाइलों को मार गिराया गया लेकिन दो मिसाइलें एयर बेस को हिट करने में सफल रहीं। इससे एस 400 के रेडॉर को काफी नुकसान पहुंचा है और सैनिक भी मारे गए हैं। इस बीच रूस ने जवाब में यूक्रेन पर रात भर में 188 लड़ाकू ड्रोन भेजे। दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से यह रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला है।

सेना ने इमरान समर्थकों से खाली कराया डी-चौक

बुशरा बीबी बोलीं– जब तक खान नहीं मिलेंगे हम हटेंगे नहीं, हिंसा में 7 की मौत

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर रविवार को शुरू हुआ प्रदर्शन हिंसक हो गया। हिंसा में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 4 प्रदर्शनकारी और 3 पुलिसकर्मी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान के समर्थकों ने श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षाबलों पर गाड़ियां चढ़ा दीं, जिसमें कुचलकर 3 सैनिक मारे गए। हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। ज्यादातर की हालत गंभीर है।

द डॉन के मुताबिक इमरान खान के सैकड़ों समर्थक

इस्लामाबाद के डी चौक पर पहुंच गए। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके जवाब में प्रदर्शनकारी पुलिस और सेना पर पत्थर फेंके। घंटों के टकराव के बाद सेना ने प्रदर्शनकारियों से डी चौक खाली करवा लिया। इस बीच, प्रदर्शन की अगुआई कर रही इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने कहा है कि जब तक उन्हें खान नहीं मिल जाते, प्रदर्शन जारी रहेगा। डी चौक इस्लामाबाद का सबसे हाई प्रोफाइल इलाका है। राष्ट्रपति भवन, पीएम ऑफिस, संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट इसी इलाके में हैं। सेना ने शिपिंग कंटेनर रखकर राजधानी पहुंचने वाले हाईवे को ब्लॉक कर दिया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने लिफ्टिंग मशीन और कई भारी मशीनों की मदद से बैरिकेड्स तोड़ दिए। कुछ प्रदर्शनकारी कंटेनरों पर चढ़ गए।

अशोक गहलोत की बढ़ेगी मुश्किलें!

अब राजस्थान पहुंचेगी दिल्ली पुलिस की जांच

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। चार साल पहले अशोक गहलोत सरकार के समय हुए फोन टैपिंग मामले में दिल्ली पुलिस की जांच अब राजस्थान पहुंचेगी। दिल्ली पुलिस पहले इस मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी (ओएसडी) रहे लोकेश शर्मा से मिले मोबाइल-पेन ड्राइव सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की एफएसएल जांच कराएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि अशोक गहलोत की मुश्किलें बढ़ सकती है।

फोन टैपिंग मामले में अब तक जांच तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा तक अटकी हुई थी। वे पहले मोबाइल-पेन ड्राइव सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दिल्ली पुलिस को सौंपने से बचते आ रहे थे। राज्य में सरकार बदलने के बाद शर्मा ने यू टर्न लिया। शर्मा ने न केवल इस मामले में खुलकर तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आरोप लगा दिए, बल्कि पिछले दिनों दिल्ली पुलिस को यह बयान भी दे दिया कि उन्हें तो गहलोत ने जो भी उपलब्ध कराया वह उनके निर्देशों की पालना में वायरल कर दिया।

ऑडियो की होगी सत्यता जांच

ऑडियो के टेलीफोन टैप प्रकरण से संबंधित होने या नहीं होने, उससे छेडछाड़ आदि की सत्यता पता करने के लिए एफएसएल जांच जरूरी है। ऐसे में एफएसएल रिपोर्ट से ही ऑडियो की सत्यता सामने आ पाएगी।

यह कर सकती है पुलिस

लोकेश शर्मा के बयान और उसके द्वारा पेश सबूतों के आधार पर जांच का दायरा आगे बढ़ा सकती है। आगे की पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर सकती है और जिनके भी बयान लेने हैं उनको नोटिस जारी कर सकती है। इसी घटना से जुडे एक अन्य प्रकरण में राजस्थान में एसीबी में मामला दर्ज है, संभव है दिल्ली पुलिस उस मामले की जानकारी भी मंगा सकती है।

टैपिंग की निर्धारित प्रक्रिया

फोन टैपिंग के लिए आइटी एक्ट के अंतर्गत गृह विभाग के संयुक्त सचिव या उससे ऊपर के अधिकारी की कमेटी से अनुमति जरूरी है और रिव्यू के लिए मुख्य सचिव, विधि सचिव एवं गृह सचिव के अतिरिक्त किसी सचिव स्तर के अधिकारी की कमेटी होती है। दिल्ली पुलिस इस मामले में यह भी जांच करेगी कि एक्ट से संबंधित प्रक्रिया पूरी की गई या नहीं?

उपचुनाव में क्यों विफल रही कांग्रेस?

डोटासरा ने बताई असली वजह

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। विधानसभा उप चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली करारी हार को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि चुनाव सभी ने मिलकर लड़ा था फिर भी वे परिणामों की जिम्मेदारी लेते हैं। राजनीति में 'मीठा -मीठा गप, कड़वा-कड़वा थू' ... ऐसा नहीं चलता। हम हार का विश्लेषण करेंगे, पार्टी संगठन को फिर से चुस्त-दुरुस्त कर सरकार की नाकामियों को जनता के सामने उजागर करेंगे। उपचुनाव परिणामों को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा - दौसा, झुंझुनूं और देवली-उनियारा में हमारी प्रथम पंक्ति के नेता जो पहले विधायक थे वे सांसद बन गए। सांसदों की राय का सम्मान करते हुए हमें दूसरी पंक्ति से टिकट देना पड़ा। देवली-उनियारा और झुंझुनूं में भाजपा के समर्थन से खड़े हुए बागियों ने नुकसान पहुंचाया। सरकार ने भी संसाधनों का दुरूपयोग कर भाजपा की राह आसान की। रामगढ़ में जुबेर खान के पुत्र को टिकट दिया, लेकिन भाजपा ने ध्रुवीकरण कर मतदाताओं को बांटने का काम किया। खींवसर की स्थिति अलग थी। यहां लोकसभा चुनाव में गठबंधन के कारण हमने आरएलपी को समर्थन दिया। लेकिन 6 माह के भीतर उपचुनाव में मतदाताओं का मन बदलने और उन्हें आरएलपी से वापस लाने में हम कामयाब नहीं हो पाए। चौरासी और सलूम्बर में पार्टी को भितरघात से नुकसान हुआ है, जिसकी हम जांच करवा रहे हैं। वहीं दौसा में हमारे कार्यकर्ताओं ने एक तरह से सरकार को हराया। फिर भी मैं मानता हूं कुछ कमियां रही हैं, जिनका हम विश्लेषण कर सुधार करेंगे। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय 9 उपचुनाव में भाजपा सिर्फ 1 राजसमंद की सीट जीत पाई थी। उपचुनाव में लोगों को सरकार से काम की उम्मीद होती है, जिसका लाभ सत्ताधारी दल को मिला।

उम्मीदवार कोर कमेटी की सहमति, सांसदों की अनुशंसा और स्थानीय इकाई की राय से तय किए गए। किसी नेता को कोई एतराज नहीं था। हम सफल नहीं हुए वो अलग बात है। भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग, ध्रुवीकरण और धनबल के बूते चुनाव लड़ा। बागियों को फंडिंग और सौदेबाजी करके समीकरण बिगाड़े। इसलिए नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आए। प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते परिणाम की जिम्मेदारी मेरी है। एक सीट का सोशल मीडिया पर पोस्ट करके जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। चुनाव प्रभारी और प्रत्याशियों ने जिस भी नेता को प्रचार के लिए बुलाया वो गए। प्रदेश के सभी बड़े नेताओं ने प्रत्याशियों की मांग अनुसार रैलियां की, स्वयं मैंने भी 5 जगह प्रचार किया।

बुरे फंसे विश्वराज, महिमा कुमारी और दीप्ति माहेश्वरी

गड़बड़ी पर हाईकोर्ट ने दिया नोटिस

जोधपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर राजस्थान हाईकोर्ट ने राजसमंद के लोकसभा चुनाव को लेकर निर्दलीय प्रत्याशी की ओर से पेश चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस मदन गोपाल व्यास की बेंच में जितेन्द्र कुमार खटीक की याचिका पर राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़, राजसमंद विधायक दिप्ती माहेश्वरी सहित अन्य को नोटिस जारी किया है। याचिका पर जस्टिस मदन गोपाल व्यास की बेंच ने 16 दिसंबर सुनवाई की तारीख तय की।

निर्दलीय प्रत्याशी एवं अधिवक्ता जितेन्द्र कुमार खटीक ने चुनाव याचिका पेश की। याचिका में लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी के आरोप और नामांकन गलत तरीके से स्वीकार करने को लेकर एवं गलत शपथ पत्र पेश करने और चुनाव जीतने के लिए मतदाताओं को प्रलोभन अन्य अवैध तरीके से विधि विरुद्ध चुनाव जीतने का आरोप लगाते हुए याचिका में चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद याचिका में सभी पक्षकारों को नोटिस जारी करते हुए 16 दिसम्बर को जवाब तलब किया है। महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ के राजतिलक के बाद से परेशानी बढ़ी हुई है। पारिवारिक विवाद के बाद हंगामा मच हुआ है। भाई के नोटिस का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब चुनाव में गड़बड़ी के आरोप के चलते हाईकोर्ट ने भी नोटिस थमा दिया है।

राजसमंद के एडवोकेट जितेंद्र खटीक ने 8 जुलाई 2024 को यह याचिका दाखिल की थी, जिसे 23 जुलाई को स्वीकार किया गया। याचिका में सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, उनके पति नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

संपत्ति और शपथ पत्र में विसंगतियां

खटीक ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान महिमा कुमारी और उनके पति विश्वराज सिंह द्वारा पेश किए गए शपथ पत्रों में संपत्ति संबंधी महिमा कुमारी ने अपने शपथ पत्र में 5 पैन कार्ड की जानकारी दी, जबकि विश्वराज सिंह ने केवल 4 पैन कार्ड अंकित किए। यह विसंगति चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती है।

दोहरा वोटर कार्ड का विवाद

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी पर आरोप है कि उन्होंने विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान राजसमंद का वोटर कार्ड नामांकन के साथ पेश किया, जबकि इससे पहले हुए उपचुनावों में उन्होंने उदयपुर का वोटर कार्ड प्रस्तुत किया था। याचिका में यह सवाल उठाया गया है कि एक व्यक्ति के पास दो अलग-अलग जगहों के वोटर कार्ड कैसे हो सकते हैं।

मतदाताओं को लुभाने का आरोप

चुनाव के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए राजसमंद में वी-मार्ट मॉल का कथित रूप से इस्तेमाल किया गया। याचिका के अनुसार, मॉल के माध्यम से मतदाताओं को सामान और फ्रीबीज दिए गए, जिससे चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन हुआ।

ड्रग्स माफियाओं के 36 ठिकानों पर कोटा पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

कोटा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा शहर में खुलेआम गांजा, स्मैक बिकने के राजस्थान पत्रिका के खुलासे के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। सिटी पुलिस की 42 टीमों ने ड्रग्स माफिया के 36 स्थानों पर छापेमारी कर 124 अपराधियों को शिकंजे में लिया है। साथ ही 16 वाहनों को जब्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने 23 नवम्बर की राजस्थान पत्रिका की खबर पर संज्ञान देते हुए सिटी एसपी से तीन दिन में कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

सिटी एसपी डॉ अमृता दुहन ने बताया कि ड्रग्स माफिया व इससे जुड़े अपराधियों पर कार्रवाई के लिए 42 टीमें गठित की, जिन्होंने शहर के 36 स्थानों पर दबिश देकर 124 अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने इनके पास से 16 वाहन जब्त किए हैं। एसपी ने बताया कि शहर में मादक पदार्थ की रोकथाम के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

पुलिस ने शहर में जहां-जहां पर ड्रग्स बिक रही है। वहां पर अलसुबह दबिश दी। अपराधियों की आंख खुली तो उन्हें सामने पुलिस नजर आई। पुलिस की टीम ने कबाडियों की दुकानों, घोड़ा बस्ती, महावीर नगर, मकबरा, घंटाघर, स्टेशन, भीमगंज मंडी सहित अन्य स्थानों पर दबिश दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो व्यक्ति गिरफ्तार, 59 सक्रिय व आदतन अपराधियों खिलाफ निरोधात्मक कार्यवाही, 19 संदिग्ध से पूछताछ, 8 हिस्ट्रीशीटर व 16 वाहनों को जब्त किया। यह सभी आरोपी नशे समेत अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े हुए हैं।

सिविल ड्रेस में पुलिस कर्मी तैनात

पत्रिका में खबर प्रकाशित होने के बाद में पुलिस ने शहर में जहां पर भी नशा बिकने की संभावना लग रही है। वहां सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों को तैनात किया है।

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

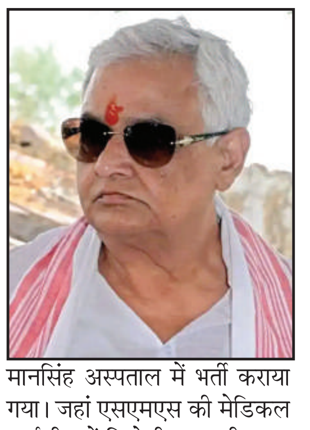

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के मंत्री किरोड़ी लाल मीना की तबीयत बिगड़ने के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। वहीं, किरोड़ी लाल मीना के समर्थक उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे है।

जानकारी के मुताबिक देर रात कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीना की अचानक तबीयत खराब हो गई। इसके बाद उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एसएमएस की मेडिकल आईसीयू में किरोड़ी लाल मीना का उपचार जारी है।

बताया जा रहा है कि गेस्ट्रोएंट्रोलाइटिस्ट यानी एसिडिटी की परेशानी के चलते किरोड़ी मीना की देर रात खराब हुई। फिलहाल, किरोड़ी मीना की हालत स्थिर बनी हुई है और अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी के निर्देशन में किरोड़ी का उपचार चल रही है। इधर, किरोड़ी मीना की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही समर्थक सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जल्द उनके स्वस्थ होने की कामना कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से जोराराम कुमावत ने की भेंट

सुमेरपुर और पाली के विकास पर की चर्चा

पाली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय, नितिन जयराम गडकरी भारत सरकार से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर एवं पाली जिले से संबंधित विभिन्न विकास कार्य करवाए जाने का निवेदन किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 से जाखानगर प्रवेश द्वार परियोजना किमी 78+800 पर मेजर जंक्शन की जगह ओवरब्रिज निर्माण कार्य, राजमार्ग पर सर्विस रोड बनाना व सुमेरपुर तखतगढ़ रोड पर निर्मित ओवरब्रिज पर रोड लाईटें लगवाना का साथ ही राजमार्ग संख्या 62 पर मेडिकल कॉलेज से हेमावास चौराहा वी.के. होटल तक नाला निर्माण किये जाने का, राजमार्ग संख्या 62 जाडन से पालडी जोड़ तक स्थित गांवों के बस स्टॉप पर बस स्टैंड और सुलभ शौचालय बनवाने के लिए साथ ही सुमेरपुर के सांडेराव राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर कोसेलाव पुल व तखतगढ़ पुल के बीच सड़क के दोनों तरफ सर्विव रोड बनवाना, राजमार्ग संख्या 62 पर सिन्दरू इन्दिरा कॉलोनी में निर्मित पुल के दोनों तरफ सर्विस रोड, रोड लाइट व नाला निर्माण करवाने के लिए आग्रह किया है।

रामासिया-गुरडाई-मणिहारी-भांवरी-वायद-चेण्डा-माण्डावास चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण सड़क निर्माण कार्य लंबाई 51 किमी, सुमेरपुर-तखतगढ़ वाया कोसेलाव-बिरामी-रानी चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण सड़क निर्माण कार्य 28.5 लंबाई किमी और साण्डेराव-कोसेलाव-पावा चौड़ाईकरण एवं सुदृढीकरण सड़क निर्माण कार्य 12 किमी, साथ ही फालना से सुमेरपुर चौड़ाईकरण एवं सुदृढीकरण सड़क निर्माण कार्य शीघ्र कराए जाने के लिए आश्वासन दिया है।

नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र सुमेरपुर एवं पाली जिले की विभिन्न मांगों को रखा गया।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को आजीवन कारावास

जंगल में ले जाकर की थी हैवानियत

पाली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। नाबालिग को बहला-फुसला कर अपने साथ जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में पाली के पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के जज सचिन गुप्ता ने दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।

दोनों आरोपियों को माना दोषी

दोनों पक्षों के गवाहों के बयान और अधिवक्ताओं की बहस और गवाहों के बयानों के बाद उन्होंने अभियुक्त ओमप्रकाश और पप्पूराम को नाबालिग के साथ दुष्कर्म का दोषी माना और दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पॉक्सो कोर्ट संख्या एक की विशिष्ठ लोक अभियोजक उपमा रावल ने बताया कि ब्यावर जिले के सेंदड़ा थाना क्षेत्र में 9 दिसंबर 2023 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह अपनी नाबालिग बेटी को अपने घर पर अकेला छोड़कर पत्नी के साथ काम पर गया था। इस दौरान उसकी अनुपस्थिति में ओमप्रकाश पुत्र पुरखाराम बाइक लेकर आया और उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया। यहां से वह उसे खाण्डिया रोड पर स्थित झाड़ियों में ले गया और इन्हीं झाड़ियों में ओमप्रकाश और पप्पूराम ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

बिगड़ी तबीयत

दुष्कर्म के बाद बालिका की तबीयत बिगड़ गई। वे पीड़िता को बाइक पर बिठाकर डॉक्टर के पास ले गए और वहां पप्पूराम उसे पेट दर्द की दवाई दिलवाकर घर पर छोड़ गया।शाम को जब पीड़िता के माता पिता घर लौटे तो देखा कि उनकी पुत्री की तबीयत सही नहीं है। हालत खराब है। इसके बाद उन्हें उनके पड़ोसी से बता चला कि उनकी पुत्री को पप्पूराम घर पर छोड़कर गया था।

पूछताछ करने पर पता चला घटनाक्रम

इसके बाद पुत्री से पूछताछ करने पर उन्हें उसके साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटन का पता चला। उन्होंने सेंदड़ा थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

10 हजार करोड़ से बदलेगी जालोर की किस्मत

ग्रेनाइट इंडस्ट्री के विकास को लगेंगे पंख

जालोर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जालोर-झालावाड़ ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेस वे समेत प्रदेश के 8 अन्य अहम प्रोजेक्ट की क्रियान्विति के लिए कवायद तेज है। इन सभी कोरिडोर के लिए डीपीआर के लिए कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार प्रोजेक्ट की डीटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का काम 18 माह में पूरा किया जाना है।

मुख्यमंत्री बजट घोषणा में घोषित प्रदेश के 8 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे अहम है तो इन सभी कार्यों के लिए यह कार्य तय अवधि से पहले पूरा करने की प्रयास है। सब कुछ ठीक रहा तो प्रोजेक्ट के लिए धरातल पर आगामी दो साल में काम नजर आने लग जाएगा। बता दें जालोर-झालावाड़ प्रोजेक्ट की एस्टीमेटेड कोस्ट 10 हजार करोड़ से अधिक की आंकी गई है। डीपीआर बनने पर प्रोजेक्ट की वास्तविक स्थिति का आंकलन हो पाएगा।

अभी फाइल वित्त विभाग के पास

विभागीय जानकारी के अनुसार इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट की फाइल फिलहाल वित्त विभाग के पास है। वहां से स्वीकृति मिलने के साथ प्रोजेक्ट की क्रियान्विति के काम शुरु हो पाएगा। पहले स्तर पर फिजिबिलिटी जांची जाएगी और उसके साथ ही डीपीआर का काम भी हो पाएगा। बता दें कि जालोर में बेहतर रोड कनेक्टिविटी नहीं है, सिरोही तक से नेशनल हाइवे से जुड़ाव नहीं है। जिसका सबसे बड़ा नुकसान जालोर के ग्रेनाइट उद्योग, अनार मंडी, एग्रो प्रोडक्ट से जुड़े व्यापारियों को हो रहा है।

प्रदेश के बाकी 7 प्रोजेक्ट के लिए भी कवायद तेज

जालोर-झालावाड़ प्रोजेक्ट के अलावा 7 अन्य प्रोजेक्ट के लिए भी कवायद तेज हो चुकी है। जिसके तहत कोटपूतली-किशनगढ़ एक्सप्रेस-वे, जयपुर-भीलवाड़ा, बीकानेर-कोटपूतली, ब्यावर-भरतपुर, अजमेर-बांसवाड़ा, जयपुर-फलौदी, श्रीगंगानगर-कोटपूतली एक्सप्रेस वे के लिए डीपीआर बनेगी।

दिग्गज हैकर्स के छूट गए पसीने, नहीं कर पाए पेपर लीक!

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं को टैबलेट पर कराने के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी) की ओर से मॉक टेस्ट आयोजित किया गया। पहले दिन सौ से अधिक टैबलेट पर अभ्यर्थियों ने टेस्ट दिया। मॉक टेस्ट के लिए बोर्ड ने पूरा सेटअप तैयार किया। दुर्गापुरा स्थित सरकारी स्कूल के परीक्षा केन्द्र में दो पारियों में मॉक टेस्ट रखा गया। प्रत्येक पारी में सौ अभ्यर्थियों को बुलाया गया।

पहली पारी की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू की गई। परीक्षा शुरू होने से पांच मिनट पहले 9 बजकर 50 मिनट पर चयन बोर्ड के सेंट्रल सर्वर से परीक्षा केन्द्र पर बनाए गए सर्वर पर पेपर भेजा गया। इसके बाद परीक्षा शुरू होने से दो मिनट पहले परीक्षा केन्द्र के सर्वर से सभी टैबलेट पर पेपर अपलोड किया गया। अभ्यर्थियों ने अपनी लॉग-इन आइडी डालकर पेपर खोला और परीक्षा दी। खास बात है कि इस तकनीकी सिस्टम को हैक करने के लिए आइआइटी मद्रास, कानपुरा और बिट्स पिलानी के एक्टपर्ट की टीम को लगाया गया। ये हैकर्स सेंट्रल सर्वर से लेकर टैबलेट तक सिस्टम को हैक करने का प्रयास करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरी पारी दोपहर दो से शाम पांच बजे तक पुनः यह प्रक्रिया अपनाई गई। ऐसे में चयन बोर्ड की ओर से टैबलेट पर टेस्ट का प्रथम चरण का परीक्षण सफल रहा। इस पूरी प्रक्रिया को ऑपरेशन गोडावण नाम दिया गया है।

बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया प्रथम चरण का परीक्षण सफल होने के बाद अब इस पूरी प्रक्रिया का अंतिम परीक्षण कराया जाएगा। यह परीक्षण आइआइटी मद्रास और कानपुरा में अलग-अलग कराई जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि टेक्नोलॉजी अपग्रेड होने के बाद भी सिस्टम में सेंधमारी तो नहीं हो सकेगी। इसको लेकर एक्सपर्ट की टीम सुझाव देगी। इसकी रिपोर्ट बोर्ड की बैठक में पेश की जाएगी। इसके बाद टैबलेट से टेस्ट कराने पर निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि भर्ती परीक्षाओं में नकल और धांधली रोकने के लिए बोर्ड की ओर से यह टैबलेट बेस्ड टेस्ट कराने की कवायद की जा रही है। बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार यह टेस्ट सिर्फ सरकारी स्कूलों में ही कराए जाएंगे।

जोधपुर में पहली बार तैनात होगा दुनिया का सबसे एडवांस अटैक हेलीकॉप्टर

जोधपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में आर्मी एविएशन कोर में दुनिया के सबसे एडवांस अटैक हेलीकॉप्टर 64ई-अपाचे की आपूर्ति अगले महीने होने की उम्मीद है। अमरीकी कम्पनी बोइंग दिसम्बर में तीन अपाचे हेलीकॉप्टर देगी। शेष तीन अपाचे जनवरी 2025 में आएंगे। कुल छह अपाचे हेलीकॉप्टर तैनात होंगे। इससे पाकिस्तानी सरहद पर भारत की सुरक्षा मजबूत हो सकेगी।

भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलीकॉप्टर की स्क्वाड्रन है, जो 2022 तक पूरी हो गई थी। आर्मी के लिए अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए फरवरी 2020 में तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की भारत यात्रा के दौरान लगभग 800 मिलियन डॉलर में समझौता हुआ था।

समझौते के अनुसार इनकी डिलिवरी मई 2024 में होनी थी, लेकिन बोइंग की सप्लाई चैन में गड़बड़ी आ गई। बोइंग की एरिजोना स्थित फैक्ट्री में अपाचे हेलीकॉप्टर में लगने वाले इंजन, हार्ड पॉइंट, गियर्स, फिन, हथियारों जैसे 22 कम्पोनेंट आसानी से उपलब्ध नहीं होने से हेलीकॉप्टर असेम्बल में परेशानी हो रही थी। अब यह दिक्कत दूर हो गई है।

आर्मी पहली बार करेगी संचालन

जोधपुर के पास आर्मी की एविएशन कोर है। अपाचे हेलीकॉप्टर के लिए यहां इस साल मार्च में 451वीं स्क्वाड्रन स्थापित की गई है, जहां 6 अपाचे हेलीकॉप्टर तैनात होंगे। आर्मी पहली बार अपाचे हेलीकॉप्टर का संचालन करेगी। भारतीय वायुसेना ने 2015 में ही अपाचे का ऑर्डर दे दिया था।

दूसरा अटैक हेलीकॉप्टर होगा

अपाचे सेना की रेंज में दूसरा अटैक हेलीकॉप्टर होगा। वर्तमान में एयरफोर्स के पास स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचण्ड है। इसके अलावा एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर रुद्र का सशस्त्र संस्करण भी है। अपाचे दुनिया का सबसे उन्नत मल्टीरोल लड़ाकू हेलीकॉप्टर है, जिसका उपयोग अमरीकी सेना और कुछ अन्य देश करते हैं। भारत अपाचे लेने वाला 16वां देश है।

बुल्गारिया ने तेलंगाना के साथ संबंधों को मजबूत करने में रुचि दिखाई : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में बुल्गारिया के राजदूत डॉ. निकोले यानकोव के अनुसार बुल्गारिया व्यापार और संस्कृति के क्षेत्र में तेलंगाना के साथ द्विपक्षीय संबंध स्थापित करने का इच्छुक है। डॉ. यानकोव ने बुधवार को यहां सचिवालय में आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू से मुलाकात की। उनके साथ सुचिर इंडिया इंफ्रा के सीईओ और बुल्गारिया के मानद वाणिज्यदूत डॉ. किरण कुमार भी थे।

बैठक के दौरान, मंत्री श्रीधर बाबू ने दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार और औद्योगिक निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए एक साझा मंच बनाने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति व्यक्त की।मंत्री ने नवाचार, फार्मा और जीवन विज्ञान जैसे क्षेत्रों में तेलंगाना के असाधारण पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला और इन क्षेत्रों में सहयोग का निमंत्रण दिया। डॉ. निकोले यानकोव ने आगे की चर्चा के लिए दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित करने के मंत्री के प्रस्ताव का स्वागत किया। इस पहल का उद्देश्य घनिष्ठ संबंधों को बढ़ावा देना और आपसी विकास के अवसरों को बढ़ाना है। बैठक में उद्योग आयुक्त डॉ. मालसूर, टीजीआईआईसी के सीईओ वी. मधुसूदन भी मौजूद थे।

एक साल में सीएम रेवंत ने क्या किया : किशन रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद , 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज कांग्रेस की राज्य सरकार से पूछा कि वह लोगों को बताए कि एक साल के शासन में उसने क्या किया। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि वह पिछले साल 7 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते। उन्होंने सोनिया गांधी के जन्मदिन पर किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था। हालांकि, सीएम द्वारा दी गई किसी भी गारंटी को लागू नहीं किया गया। पिछले एक साल में रेवंत रेड्डी ने क्या हासिल किया, क्या धमकी, गाली-गलौज और व्यक्तिगत हमले? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अवैध मामले दर्ज करने के अलावा कुछ हासिल नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका डीएनए भाजपा से जुड़ा है, जबकि अन्य नेता अपने राजनीतिक जीवन में अलग-अलग राजनीतिक दलों में चले गए। उन्होंने कहा कि भाजपा 1 से 5 दिसंबर तक कांग्रेस सरकार की विफलताओं पर अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के भाजपा सांसदों और विधायकों ने आज प्रधानमंत्री से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पूछा कि तेलंगाना में केंद्र सरकार की योजनाओं को कैसे लागू किया जा रहा है? केंद्रीय योजनाओं के व्यापक क्रियान्वयन की दिशा में काम करने के लिए सांसदों और विधायकों को निर्देश दिए गए हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद हमने एक विशेष बैठक की। चुनाव से पहले कई तरह के वादे और गारंटी दी गई है। उप-गारंटियां दी गई हैं," उन्होंने कहा। रेड्डी ने आरोप लगाया कि सीएम उन पर उसी तरह हमला कर रहे हैं जैसे पूर्व सीएम केसीआर करते थे। उन्होंने सीएम को सलाह दी कि वे विपक्षी दलों और नेताओं को डांटने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय राज्य में स्थिति को सुधारने के लिए शासन पर अपना ध्यान केंद्रित करें।

निर्मल में ग्रामीणों ने एनएच 61 पर रोका यातायात

इथेनॉल फैक्ट्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

निर्मल, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई जब चार गांवों के निवासियों ने दिलावरपुर मंडल केंद्रों में राष्ट्रीय राजमार्ग 61 पर एक इथेनॉल कारखाने की स्थापना के विरोध में धरना दिया। निवासियों ने धमकी दी कि अगर सरकार ने कारखाने को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए कदम नहीं उठाए तो वे आत्महत्या कर लेंगे और कीटनाशकों की बोतलें लेकर प्रदर्शन करेंगे। दिलावरपुर मंडल मुख्यालय, गुंडमपल्ली, मुकुंदपुर, समुंदरपल्ली गांवों के ग्रामीणों ने सुबह से ही महाराष्ट्र राष्ट्रीय राजमार्ग के व्यस्त निर्मल-भिवंडी खंड पर विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने सरकार और फैक्ट्री के खिलाफ नारे लगाए।

कलेक्टर ने परियोजना पर काम रोकने का दिया आदेश

निर्मल, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर अभिलाषा अभिनव ने निर्माणाधीन इथेनॉल फैक्ट्री के प्रबंधन को फैक्ट्री का काम रोकने का आदेश दिया। बुधवार को यहां जारी बयान में अभिलाषा ने कहा कि दिलावरपुर, गुंडमपल्ली और आसपास के गांवों के किसानों द्वारा फैक्ट्री की स्थापना के खिलाफ किए जा रहे विरोध और उनकी आशंकाओं पर एक रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपी गई है। बयान में कहा गया है कि प्रबंधन को काम रोकने के लिए आदेश जारी किया गया है।

कलेक्टर ने दिलावरपुर मंडल केंद्र, गुंडमपल्ली, मुकुंदपुर, समुंदरपल्ली गांवों के महिलाओं और बच्चों सहित निवासियों के साथ विचार-विमर्श किया। ये लोग बुधवार की सुबह से दूसरे दिन भी राष्ट्रीय राजमार्ग 61 पर कीटनाशकों के डिब्बे लेकर रास्ता रोको आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने किसानों से प्रदर्शन बंद करने का अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि यह मुद्दा सरकार के संज्ञान में लाया जा चुका है। हालांकि, किसानों ने कथित तौर पर अपना प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया, जिसके बाद उन्होंने यह आदेश जारी किया, जिससे अस्थायी तौर पर मामला खत्म हो गया और प्रदर्शन शांत हो गया।

मकथल में पूर्व विधायक, बीआरएस नेता गिरफ्तार

मगनूर फूड पॉइजनिंग विवाद

महबूबनगर, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मगनूर जिला परिषद स्कूल में बार-बार भोजन विषाक्तता की घटनाओं के कारण कई छात्रों के अस्पताल में भर्ती होने के मद्देनजर पुलिस ने पूर्व विधायक चित्तम राममोहन रेड्डी और मक्तल निर्वाचन क्षेत्र के कई अन्य बीआरएस नेताओं को गिरफ्तार किया है। बुधवार की सुबह से ही गिरफ्तारियां की जा रही थीं, क्योंकि संदेह था कि बीआरएस नेता प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।

पुलिस ने जिले के विभिन्न मंडलों से नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें विभिन्न पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया। मगनूर में किसी भी संभावित प्रदर्शन को रोकने के लिए डीएसपी लिंगैया के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

एक सप्ताह में दूसरी बार, मगनूर जेडपीएचएस के लगभग 30 छात्रों को मिड-डे मील खाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक सप्ताह से भी कम समय पहले, भोजन विषाक्तता के कारण लगभग 50 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके कारण प्रधानाध्यापक और एक स्कूल सहायक को निलंबित कर दिया गया था। स्कूल में भोजन विषाक्तता की घटनाओं ने अभिभावकों और स्थानीय समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है, जो छात्रों की पीड़ा के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। पिछले सप्ताह भोजन विषाक्तता की घटना के अगले दिन अधिकारियों द्वारा कीड़े युक्त भोजन परोसने के बाद छात्रों ने अपना भोजन फेंक दिया। उनकी दुर्दशा के बारे में जानकर, राममोहन रेड्डी ने भोजन की व्यवस्था की और छात्रों को भोजन परोसा, जिससे राज्य सरकार की व्यापक आलोचना हुई।

बीआरएस विधायक टी हरीश राव, एमएलसी के कविता और कई अन्य लोगों ने राममोहन रेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की और पुलिस की कार्रवाई को अवैध और अलोकतांत्रिक बताया। उन्होंने मांग की कि सरकार गिरफ्तार किए गए लोगों को तुरंत रिहा करे और छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय शुरू करे।

हरीश राव ने कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने के बजाय, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अस्पताल में भर्ती छात्रों को बेहतर उपचार प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

हत्या का मामला सुलझा, चार आरोपी गिरफ्तार

मामूली कहासुनी में गई थी एक की जान

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुक्टपल्ली पुलिस ने कुक्टपल्ली में एक चाय की दुकान पर मामूली कहासुनी के बाद जानलेवा हमला करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पांच लोगों पर हमला किया, जिसमें एक की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। गहन जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में चेन्नाबोइना पवन, निवासी कुक्टपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी, चेन्नाबोइना श्रीधर, निवासी कुक्टपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी, बनोथ सुरेश, निवासी कुक्टपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी, गुंटुका अजय कुमार, निवासी विवेक नगर, कुकटपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी शामिल हैं। इस मामले में मारपीट में घायल गंतीमल्ला वेंकट रमना, निवासी श्री राम टावर्स, कुक्टपल्ली, मेडचल-मलकजगिरी की मौत हो गई। इस मामले में वेंकट रमना अपने चार दोस्तों के साथ बीते 22 नवंबर को रात करीब 11:30 बजे कुक्टपल्ली के पास एक टिफिन शॉप के सामने समोसे खा रहा था। इस दौरान, मुख्य आरोपी पवन और श्रीधर अपनी बहन और भाभी के साथ उस टिफिन सेंटर के सामने एक स्टॉल पर चाय पी रहे थे। उस दौरान, पवन पास खड़े वेंकट रमना और उसके दोस्तों के पास गया और उन पर अपनी बहन और भाभी को घूरने और उन पर टिप्पणी करने का आरोप लगाया, जिसके कारण दोनों में तीखी बहस हुई। इसके बाद दोनों आरोपियों ने अपने दो अन्य दोस्तों को मौके पर बुला लिया। चारों आरोपियों की मौजूदगी में, उन्होंने मिलकर वेंकट रमना और उसके दोस्तों पर हमला किया, यह दावा करते हुए कि उन्होंने उनकी बहनों को चिढ़ाया और उन पर टिप्पणी की। आरोपियों ने समूह पर मुक्कों से हमला किया, और पवन ने विशेष रूप से वेंकट रमना और अन्य लोगों के सिर पर लकड़ी के बेलन से हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हमले के बावजूद, वेंकट रमना और उसके दोस्त भागने में सफल रहे और अपने-अपने घरों में लौट आए। हालांकि, अगली सुबह, वेंकट रमना जिसके सिर में गंभीर अंदरूनी चोटें लगी थीं, बेहोश हो गया और दौरा पड़ने से पहले उसे उल्टी होने लगी। उसे पास के अस्पताल, कुक्टपल्ली ले जाया गया, जहाँ 23 नवंबर को उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक के दोस्तों को भी हमले में कई चोटें आईं और वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा किए गए प्रयास में जांच अधिकारी (इंस्पेक्टर कुकटपल्ली) और उनकी टीम ने सहायक पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास राव की कड़ी निगरानी और पुलिस उप आयुक्त, बालानगर जोन के. सुरेश कुमार, आईपीएस के मार्गदर्शन में सुरागों को इकट्ठा करने, खासकर सीसीटीवी फुटेज और दृश्यों की विस्तृत जांच करने के लिए कड़े प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप अपराधियों की पहचान करने और उन्हें उनके घरों से गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

तेलंगाना में क्रिसमस का जश्न धूमधाम से मनाएं : भट्टी

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तेलंगाना राज्य में क्रिसमस का जश्न धूमधाम से मनाने के लिए सभी इंतजाम करें। भट्टी विक्रमार्क ने बुधवार को यहां प्रजा भवन में उत्सव समिति के सदस्यों और शीर्ष अधिकारियों के साथ क्रिसमस समारोह की व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकार क्षेत्र के तहत 200 क्षेत्रों और तेलंगाना के 95 विधानसभा क्षेत्रों में क्रिसमस समारोह की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के एलबी स्टेडियम में आयोजित होने वाले क्रिसमस समारोह में शामिल होने के साथ ही अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह से करनी चाहिए।

साइबर अपराधियों पर नकेल कसने एसबीआई ने अपनाया कडा रूख

हैदराबाद,27 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई लोथुकुन्टा शाखा प्रबंधक नवीन कुमार व पुलिस की तुरंत कार्रवाई से बैंक ने वरिष्ठ ग्राहक के 30लाख रुपये बचाए गये। साथ ही वरिष्ठ नागरिक दंपत्ति की डिजिटल गिरफ्तारी रोकी गयी। इस बारे में तत्संबंधित एसबीआई बैंकिंग एवं पुलिस आधिकारिक सूत्रो नुसार, एसबीआई लोथुकुंटा शाखा के एक वरिष्ठ नागरिक ग्राहक जिनकी आयु लगभग 78 वर्ष है, जो पेशे से डॉक्टर हैं और उनकी पत्नी (डॉक्टर) लोथुकुंटा में एक नर्सिंग होम संचालित करते हैं। बुधवार दि.27 नवंबर 2024 की रात्रि के दौरान लगभग 12:20 बजे, उपरोक्त ग्राहक को रंजीत नामक अनजान व्यक्ति का फोन आया, जिसने स्वयं को दिल्ली कस्टम अधिकारी बताने के बाद कहा कि, ग्राहक के नाम पर 16 पासपोर्ट और एटीएम कार्ड वाला एक पार्सल मलेशिया से आया है। कॉल करने वाले रंजीत ने ग्राहक से पार्सल भेजने वाले के बारे में जानकारी पूछी। ग्राहक ने कहा कि वह कुछ नहीं जानता। यह सुनकर अनजान कालर रंजीत ने ग्राहक से कहा कि, कॉल दिल्ली क्राइम पुलिस के एसीपी सुनील कुमार को ट्रांसफर कर दी जाएगी। फिर उक्त एसीपी ने बैंक खाते और आधार कार्ड के विवरण के बारे में ग्राहक से पूछताछ की। फिर, सुनील कुमार ने बताया कि, ग्राहक के आधार कार्ड क्रेडेंशियल्स के आधार पर 30 बैंक खाते खोले गए और इन खातों से मनी लॉन्ड्रिंग धोखाधड़ी में 88 करोड़ रुपये की राशि शामिल थी। सुनील कुमार ने कहा कि आगे की जांच की

बंजारा हिल्स स्थित के.बी.आर. में इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, संतोष बाई अग्रवाल, मंजु देवी अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, गोपाल बलदेव, बाबुलाल केडिया, विजय कुमार, शंकर लाल अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, पी.सी, जैन, डॉ. गुप्ता, अशोक लखोटिया, विजय तुंबी, अशोक अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, नरेंद्र कुमार चोपड़ा, राकेश कुमार, राहुल सिंघल एवं अन्य।

दिव्यांगजन अपने जज्बे से जीत रहे हैं विश्व स्तरीय पुरस्कार : सीतक्का

मंत्री ने विकलांग खेल महोत्सव का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली स्टेडियम, हैदराबाद में विकलांग खेल महोत्सव का उद्घाटन पंचायती राज मंत्री सीताक्का ने किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एमएलसी पटनम महेंद्र रेड्डी, एसएटीएस अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, विकलांग निगम के अध्यक्ष वीरैया मुथिनेनी, महिला निगम के अध्यक्ष बंदरू शोभारानी, सचिव अनीता रामचंद्रन, निदेशक शैलजा ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री सीताक्का ने कहा कि आइए विश्व दिव्यांगजन दिवस को दिव्यांगजनों के उत्सव दिवस के रूप में मनाएं, उन्होंने कहा कि किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता होने के बावजूद भी दिव्यांगजन अपने जज्बे और दृढ़ इच्छाशक्ति से खेलों में विश्व स्तरीय पुरस्कार हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वारंगल की बच्ची जीवन जी दीप्ति ने पैरा ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनसे बात की और कहा कि उन्हें एक करोड़ रुपये नकद और 500 गज जमीन दी जाएगी और उन्हें ग्रुप 2 में जल्द ही नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के लिए घोषित 6000 रुपये की पेंशन जल्द से जल्द दी जाएगी। मुख्यमंत्री दिव्यांगों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर हैं और बताया कि बैकलॉग की नौकरियां भी जल्द भरी जाएंगी। पटनम महेंदर रेड्डी ने कहा कि सरकार दिव्यांगों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। अध्यक्ष, विकलांग सहकारी निगम मुथिनेनी वीरैया ने कहा कि विकलांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्नत उपकरणों और सभी प्रकार के सहायक उपकरणों के लिए 3 लाख रुपये आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रबंधन समिति में जीवन जी दीप्ति को 5% आरक्षण देने और रुपये के साथ 500 गज घर की जमीन और ग्रुप 2 की नौकरी आवंटित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है।महिला निगम अध्यक्ष शोभारानी ने कहा कि सरकार दिव्यांगों को हमेशा सहयोग करेगी।

काछीगुडा स्टेशन रोड निंबोली अड्डा स्थित पटेल डिलाइट्स का शुभारंभ किया गया। अवसर पर परिवारजन सोनबाई मोमाया, हिरेन पटेल, प्रवीण जिमुलिया, भूपेंद्र पटेल, आशित पटेल, लिना मोमाया, कल्पना मोमाया, सौरव, कुणाल, मधुर, जसमिंन जिमुलिया, हिना जिमुलिया, प्रगति जिमुलिया, ज्योति मोता, अजीत मोता आदि मौजूद थे।

श्री पद्मावती अम्मावरी ब्रह्मोत्सव की तैयारियां पूरी : श्यामा राव

ईओ अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

तिरूपति, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने कहा कि तिरुचानूर श्री पद्मावती अम्मावरी कार्तिका ब्रह्मोत्सव 28 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलने वाली सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बुधवार शाम को ईओ ने अधिकारियों के साथ तिरुचनूर में अम्मावरी ब्रह्मोत्सवम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए ईओ ने कहा कि टीटीडी के सभी विभागों के समन्वय से व्यवस्था की गई है। इसके तहत मंदिर परिसर, रंगोली, क्यूलाइन, बैरिकेड्स, अम्मावारी मंदिर और माडा सड़कों पर सुंदर विद्युत सजावट की गई है। इस बार भक्तों को ब्रह्मोत्सव देखने में सक्षम बनाने के लिए तिरुचानूर के आसपास के इलाकों और पद्मा पुष्करिणी के चारों किनारों पर कुल 20 एलईडी स्क्रीन स्थापित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को पुष्करिणी में प्रवेश करने और वापस आने के लिए द्वार, अस्थायी शौचालय, साइन बोर्ड और उन स्थानों पर रेडियो और प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी जहां श्रद्धालुओं को उनकी आवश्यकता होगी।पंचमी तीर्थम के अवसर पर, 5 दिसंबर की शाम से भक्तों की प्रतीक्षा के लिए जेडपी हाई स्कूल, पुडी रोड, नवजीवन और तिरुचानूर गेट पर 4 होल्डिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं। बताया गया है कि कुल 120 काउंटरों के माध्यम से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को पीने का पानी, बादाम दूध, दही चावल, दर्शनीय उपमा के अलावा इस बार चेकेरा पोंगली भी उपलब्ध करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि परंपरा के अनुसार प्रतिदिन 10,000 भक्तों को चावल, दाल, सांबर, रसम, मिठाई और करी वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अम्मावरी वाहन सेवा में अलीपिरी से तिरुचानूर तक आयोजित श्री पद्मावती अम्मावरी सारे शोभायात्रा में 1000 कलाकार भाग ले रहे हैं। ब्रहोत्सव के दौरान प्रतिदिन 300 और पंचमीतीर्थम के दिन 600 सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोत्सवम के दौरान 460 टीटीडी सुरक्षा कर्मियों और पुलिस, पंचमी तीर्थम के दिन 1500 पुलिस और 600 सतर्कता कर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। ब्रहोत्सव के दिन 500 लोग, श्रीवारी के 1000 सेवक और पंचमीतीर्थ के दिन 200 स्काउट और गाइड भक्तों की सेवा करेंगे। अम्मावरी ब्रह्मोत्सवम के आखिरी दिन, 6 दिसंबर को पंचमीतीर्थम उत्सव मनाने के लिए तिरुमाला श्रीवारी मंदिर से देवी को साड़ी भेंट करने की प्रथा है।

कमिश्नर ने अम्बिका रानी को सम्मानित किया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलंबर्ती ने कहा कि जीएचएमसी के एक कर्मचारी के रूप में कर्तव्यों का पालन करते हुए खेल के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियां गर्व की बात हैं। जीएचएमसी के एक कर्मचारी,अंबिका रानी ने विक्ट्री प्लेग्राउंड खिलाड़ी ने राष्ट्रीय स्तर के कुश्ती खेलों में स्वर्ण पदक जीता। बुधवार को अंबिका रानी को कमिश्नर इलांबर्ती और एडिशनल कमिश्नर यादगिरी राव ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वे अगले महीने वह पटियाला (पंजाब) के एनआईएसए ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में सर्टिफिकेट कोर्स की ट्रेनिंग लेंगी।

कांग्रेस के सत्ता में वापस आने के बाद लोगों की दुर्दशा : बूरा नरसैया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद बूरा नरसैया गौड़ ने आज कहा कि राज्य गठन के बाद तेलंगाना में लोगों की दुर्दशा तवे से चूल्हे पर गिरने जैसी हो गई है। बीआरएस के पिछले 10 वर्षों के शासन के दौरान भी स्थिति ऐसी ही रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार झूठे नारों के जरिए लोगों को बेवकूफ बनाकर सत्ता में आई है। सत्ता में आने के बाद लोगों की हालत और भी खराब हो गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी ने पहले भी लोगों को झूठे और बेबुनियाद वादों से धोखा दिया है। कांग्रेस ने झूठे वादों के आधार पर हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में सरकार बनाई। कांग्रेस ने घोषणा की थी कि उसके घोषणापत्र में छह गारंटियों को 100 दिनों के भीतर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेताओं ने भगवान की कसम खाकर कहा था कि वे छह गारंटियों को लागू करेंगे, लेकिन लोगों से किए गए किसी भी वादे को पूरा करने में विफल रहे। पूर्व सांसद ने अफसोस जताया कि तेलंगाना राज्य में रायतु भरोसा योजना का कोई कार्यान्वयन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किरायेदार किसानों के बारे में भूल गई है, जिन्हें उसने प्रोत्साहन के रूप में प्रति एकड़ 15,000 रुपये देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि गृह ज्योति के तहत मुफ्त बिजली केवल नाम के लिए है और कहा कि मध्यम वर्ग के लोग भारी बिजली बिलों के बोझ से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी पर लोगों का भरोसा खत्म हो गया है और कहा कि लोगों ने हाल ही में महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी की मुफ्त सुविधाओं की सभी घोषणाओं को खारिज कर दिया है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अगले विधानसभा चुनावों के बाद तेलंगाना में भाजपा पार्टी सत्ता में आएगी। यह साबित हो गया है कि भाजपा लोगों से जो वादा करती है, उसे पूरा करती है। तेलंगाना राज्य सभी क्षेत्रों में केवल भारतीय जनता पार्टी के साथ ही विकसित होगा।"

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जसप्रीत बुमराह फिर बने नंबर 1 गेंदबाज

2 खिलाड़ियों को एक साथ दी पटखनी

नई दिल्ली,, 27 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एक बार फिर दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं. बुधवार को जारी हुई आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह ने दो गेंदबाजों को पटखनी देते हुए नंबर 1 रैंक हासिल की. इससे पहले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा टॉप पर थे. वहीं दूसरे स्थान पर जॉश हेजलवुड थे लेकिन पर्थ में कमाल प्रदर्शन के बाद बुमराह ने दोनों को पछाड़ते हुए नंबर 1 बॉलर होने का ताज अपने नाम कर लिया.

बुमराह बन गए नंबर 1

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह 883 रेटिंग प्वाइंट के साथ नंबर 1 पर हैं. साउथ अफ्रीका के राबाड 872 रेटिंग प्वाइंट के साथ दूसरे और जॉश हेजलवुड 860 रेटिंग प्वाइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं. ऑफ स्पिनर आर अश्विन चौथे स्थान पर हैं.जडेजा 7वें स्थान पर काबिज हैं.

बुमराह को पछाड़ना मुश्किल है

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जिस रंग में बुमराह नजर आ रहे हैं उसे देखकर यही लग रहा है कि इस खिलाड़ी को अब नंबर 1 की कुर्सी से हटाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है. पर्थ टेस्ट में बुमराह ने कुल 8 विकेट लिए थे जिसमें से 5 विकेट उन्होंने पहली पारी में झटके थे. पर्थ में महज 150 पर ढेर होने वाली टीम इंडिया ने बुमराह के दम पर ही वापसी की थी.

दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाजों से लैस बैटिंग यूनिट को तहस-नहस कर दिया था और कंगारुओं को अपने ही घर पर 295 रनों की शर्मनाक हार झेलनी पड़ी. अभी बुमराह को टेस्ट सीरीज में 4 और मैच खेलने हैं और अगर उनका प्रदर्शन ऐसा ही रहा तो कोई उन्हें नंबर 1 की पोजिशन से नहीं हटा पाएगा.

अय्यर को नहीं मिलेंगे पूरे 26.75 करोड़

प्रीति जिंटा ने कर दिया खुलासा

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जेद्दा में आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन शुरू होने के बाद से हर किसी की जुबान पर कुछ ही नाम हैं, जो ऑक्शन खत्म होने के बाद भी चर्चा में बने हुए हैं. पहले तो ऋषभ पंत हैं, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ की रिकॉर्ड बोली के साथ खरीदा और आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया. दूसरे खिलाड़ी हैं श्रेयस अय्यर, जो पंत से पहले कुछ मिनटों के लिए सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे. पंजाब किंग्स ने भारतीय बल्लेबाज के लिए 26.75 करोड़ रुपये खर्च कर सबको चौंका दिया.

श्रेयस को नहीं मिलेंगे पूरे पैसे

वैसे तो इस बार उम्मीद जताई ही जा रही थी कि कुछ खिलाड़ियों के लिए बोली के सारे पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे लेकिन फिर भी 26 और 27 करोड़ जैसी बोली चौंकाने वाली थी. इसको लेकर ही जब पंजाब किंग्स की को-ओनर और बॉलीवुड स्टार प्रीति जिंटा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आईपीएल में होने वाली हर चीज का रिकॉर्डतोड़ होने की उम्मीद हमेशा से ही थी. बस यहीं पर उन्होंने बोल दिया कि श्रेयस को पूरे पैसे नहीं मिलेंगे.

अब सवाल तो बनता है कि ये क्या मामला है और उन्होंने ऐसा क्यों कहा? तो बात ऐसी है कि अपने जवाब के दौरान जब उन्होंने श्रेयस अय्यर को 26 करोड़ रुपये मिलने की बात की तो इंटरव्यूअर ने बीच में टोकते हुए याद दिलाया कि करीब 27 करोड़ (26.75 करोड़) कीमत है. यहीं पर प्रीति जिंटा ने मजाकिया अंदाज में श्रेयस को सॉरी बोलते हुए याद दिला दिया कि कुछ पैसे तो टैक्स में भी कटेंगे ही. ये बोलते ही वो खुद भी हंस पड़ीं.

फिर विवादों में पहलवान बजरंग पूनिया

पहले आंदोलन तो अब निलंबन की वजह से चर्चा में

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया एक बार फिर विवादों में घिरते नजर आ रहे हैं। बजरंग ने पहले भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आंदोलन किया था और वह सड़कों पर उतरे थे। अब बजरंग फिर सुर्खियों में हैं क्योंकि उन पर राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने चार साल का प्रतिबंध लगाया। खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड विजेता पहलवान पर 23 अप्रैल 2024 से अगले चार वर्ष तक प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान वह किसी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

हाल ही में पहलवान विनेश के साथ कांग्रेस में शामिल होने वाल बजरंग के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। वह नाडा के अपील पैनल में फैसले के खिलाफ जा सकते हैं। नाडा के सुनवाई पैनल ने उन्हें इस वर्ष 10 मार्च को डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को डोप सैंपल नहीं दिए जाने का दोषी करार दिया था।

क्या है पूरा मामला?

विनीत ढांढा की अगुआई वाले पैनल ने 17 पेज के फैसले में 30 सितंबर और चार अक्तूबर को वर्चुअली सुनवाई के बाद बजरंग को नाडा के नियम 2.3 (एथलीट की ओर से सैंपल नहीं देना, भागना या सैंपल देने से मना करना) के तहत प्रतिबंध लगाया है। नाडा ने इस वर्ष 23 अप्रैल को बजरंग पर सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान डीसीओ को डोप सैंपल नहीं देने का आरोप लगाते हुए उन पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया था। हालांकि यह अस्थाई प्रतिबंध बाद में हटा लिया गया, लेकिन 21 जून को नाडा ने आरोप का नोटिस जारी करते हुए उन्हें फिर से अस्थाई रूप से प्रतिबंधित किया। नाडा ने सुनवाई के दौरान कहा, उनके डीसीओ ने 10 मार्च को ट्रायल के दौरान बजरंग को सैंपल देने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से मना कर दिया। बजरंग का कहना था कि नाडा पहले उनका एक्सपायर्ड किट से सैंपल लेने के ईमेल का जवाब दे, तभी वह अगला सैंपल देंगे। बजरंग के वकील ने सुनवाई में कहा, बजरंग ने ऐसा नहीं किया। वह सैंपल देने के लिए तैयार थे। बजरंग को डीसीओ ने अपनी पहचान नहीं बताई थी। साथ ही वह चोटिल हो गए थे और उन्हें इलाज के लिए जाना था। वह बाउट के बाद 45 मिनट तक सोनीपत सेंटर में रहे तो उस दौरान उनका सैंपल क्यों नहीं लिया गया। वहीं, नाडा ने कहा, एक्सपायर्ड किट से सैंपल लिए जाने का मामला दूसरा था, जिसमें डीसीओ को बर्खास्त कर दिया गया था। नियमों के मुताबिक बजरंग को सैंपल देने के लिए मना नहीं करना चाहिए था। उन्होंने जानबूझकर सैंपल देने से इन्कार किया है। बजरंग की ओर से यह भी कहा गया कि उन्हें भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दिए जाने के कारण निशाना बनाया जा रहा है, जिसे नहीं माना गया।

नाडा के सुनवाई पैनल ने स्वीकार किया कि बजरंग का आचरण जूनियर खिलाड़ियों के प्रति गलत उदाहरण पेश करने वाला है। पैनल ने कहा, बजरंग एक नामी पहलवान हैं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। जूनियर खिलाड़ी उन्हें रोल मॉडल के तौर पर देखते हैं। डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को सैंपल देने से मना करने का आचरण साथी और दूसरे खिलाड़ियों के समक्ष गलत उदाहरण पेश करता। उनका आचरण नाडा के नियमों के खिलाफ है, जो खेल भावना का उल्लंघन करता है। उनके जैसी खेल हस्ती के इस तरह के आचरण से खेल की गरिमा प्रभावित होती है। जिसके चलते पैनल को उन पर चार साल का प्रतिबंध लगाना पड़ रहा है।

सात्विक और चिराग की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हटी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। बताया जा रहा है कि सात्विक की चोट अभी ठीक नहीं हुई है जिस कारण इस जोड़ी को हटना पड़ा। सात्विक-चिराग की पूर्व नंबर एक जोड़ी को खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। सात्विक कंधे की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक के बाद लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा से दूर रहे। सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चीन मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में वापसी की और सेमीफाइनल में पहुंचे। चीन मास्टर्स के पहले से इस भारतीय जोड़ी को प्रशिक्षण दे रहे बी सुमित रेड्डी ने कहा कि सात्विक को पूरी तरह से उबरने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को चेन

जू जून और गुओ रुओ हान के खिलाफ अभियान का आगाज करना था लेकिन अब चीन की इस जोड़ी को वॉकओवर दे दिया गया।

रेड्डी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, सात्विक ने हाल ही में चोट से वापसी की है। वे लंबे समय के बाद एक साथ खेल रहे हैं। शेनजेन में सेमीफाइनल तक के अभियान में उन्हें आराम करने का मौका नहीं मिला। कई बार चोट से पूरी तरह से उबरना मुश्किल होता है। उन्होंने अपने शरीर और आगामी सत्र को ध्यान में रखते हुए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया।

आईपीएल ऑक्शन में किसी ने नहीं खरीदा

उरविल पटेल बना सबसे तेज टी20 शतक ठोकने वाला भारतीय

नई दिल्ली, , 27 नवंबर (एजेंसियां)। 26 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में जो किया है, उसे कहते हैं करारा जवाब. ये जवाब गुजरात के बल्लेबाज उरविल पटेल ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को दिया है, जिन्होंने उन्हें ऑक्शन में खरीदने से हाथ खड़े लिए. उरविल ने गुजरात की ओर से खेलते हुए त्रिपुरा के खिलाफ सिर्फ 28 गेंदों पर शतक जड़ा है. ये टी20 क्रिकेट में किसी भारतीय के बल्ले से निकला सबसे तेज शतक है. वहीं वर्ल्ड क्रिकेट में ओवरऑल ये दूसरा सबसे तेज टी20 शतक रहा.

टी20 में सबसे तेज शतक ठोकने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इस्तोनिया के साहिल चौहान के नाम है, जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ सिर्फ 27 गेंदों पर ये कारनामा किया था. यानी सिर्फ 1 गेंद से उरविल उनका रिकॉर्ड तोड़ने से बच गए. उरविल से पहले भारतीय रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 30 गेंदों पर ये कारनामा किया था.

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में गुजरात की टीम रनचेज करने के लिए उतरी, उसकी ओर से उरविल पटेल ने ओपनिंग की और रिकॉर्ड तोड़ शतक जड़ दिया. उनकी कुल इनिंग 35 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने 322 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट, 12 छक्के और 7 चौके के साथ नाबाद 113 रन बनाए. इसी पारी की 28वीं गेंद पर उन्होंने अपने तूफानी शतक की स्क्रिप्ट लिखी. ये उरविल के टी20 करियर का पहला शतक भी है.

आईपीएल ऑक्शन में बिके नहीं, अब किया धमाका

उरविल पटेल के इस रिकॉर्डतोड़ शतक की टाइमिंग की भी दाद देनी होगी, जिसकी स्क्रिप्ट उन्होंने ऑक्शन से दो दिन बाद ही खेले मैच में लिखी. ऐसे में उन्होंने सिर्फ विरोधी टीम को ही नहीं बल्कि आईपीएल फ्रेंचाइजियों पर भी चोट किया है. आईपीएल 2025 के ऑक्शन में 30 लाख रुपये की बेस प्राइस होने के बाद भी किसी भी फ्रेंचाइजी ने उरविल को खरीदने में इंटरेस्ट नहीं दिखाया था. उरविल के इस शतक की बदौलत गुजरात ने 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए त्रिपुरा के खिलाफ 8 विकेट से मुकाबला जीता. कमाल की बात ये भी है कि टी20 में सबसे तेज शतक जड़ने वाले भारतीय उरविल लिस्ट ए में दूसरा सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बनने के ठीक एक साल बाद बने हैं. उन्होंने लिस्ट ए में 41 गेंदों पर शतक जड़ा था.

23 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आदि डेव की मौत

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच दौड़ी शोक की लहर

मेलबोर्न, 27 नवंबर (एजेंसियां)। एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का आयोजन हो रहा है वहीं दूसरी ओर इस सीरीज के बीच पूरे ऑस्ट्रेलिया में शोक की लहर दौड़ गई है. खबर बेहद ही दुखद है, क्योंकि एक युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दम तोड़ दिया है. ये खिलाड़ी महज 23 साल का था और वो स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गजों के साथ भी मैच खेला है. बात हो रही है डार्विन के क्रिकेटर आदि डेव की, जिनकी मौत के बाद से पूरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कम्युनिटी सदमे में है. इस खिलाड़ी की मौत कैसे हुई, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है.

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत

द डार्विन क्रिकेट क्लब ने अपनी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनका खिलाड़ी आदि डेव अब इस दुनिया में नहीं रहा. आदि डेव ऑलराउंडर थे. वो अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन के लिए मशहूर थे. ये खिलाड़ी महज 15 साल की उम्र में सुर्खियों में आया था. साल 2017 में डार्विन में डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ की टीम के बीच इंटरा-स्क्वाड मैच खेला गया था जिसमें आदि डेव को फील्डिंग करने का मौका मिला था.

पहले से ही शोक मना रहा है ऑस्ट्रेलिया

27 नवंबर को वैसे ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सभी फैंस गमगीन रहते हैं क्योंकि इसी दिन उनके बेहद ही टैलेंटेड खिलाड़ी की मौत हुई थी. बात हो रही है फिल ह्यूज की जो एक फर्स्ट क्लास मैच के दौरान सिर पर गेंद खा बैठे और 27 नवंबर, 2014 को उनकी मौत हो गई. शॉन एबट की एक गेंद जो कि बाउंसर थी उसे छोड़ते वक्त गेंद फिल ह्यूज के सिर के पिछले हिस्से में लगी, जिसके बाद वो कोमा में चले गए थे. अंत में अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया. इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिलने वाली थी लेकिन इससे पहले ही ये हादसा हो गया. अब इस तारीख से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया का एक और क्रिकेटर नहीं रहा.

गुकेश ने लिरेन के खिलाफ की वापसी

विश्व चैंपियनशिप की दूसरी बाजी में ड्रॉ खेला, डिंग की बढ़त कायम

सिंगापुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने शानदार वापसी करते हुए विश्व शतरंज चैंपियनशिप की दूसरी बाजी में गत चैंपियन डिंग लिरेन से ड्रा खेला। इससे पहले गुकेश को सोमवार को 14 बाजियों के मुकाबले के पहले मैच में सफेद मोहरों से खेलते हुए लिरेन से हार का सामना करना पड़ा था। पहला मुकाबला जीतने वाले लिरेन के पास अब 1.5-0.5 की बढ़त है।

इस चैंपियनशिप में 7.5 अंक तक पहुंचने वाला खिलाड़ी विजेता बनेगा। इसकी पुरस्कार राशि 2.5 मिलियन डॉलर है। 18 वर्षीय गुकेश विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार हैं और वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

इससे पहले, गुकेश को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा था। गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा जिससे चीन के मौजूदा चैम्पियन डिंग लिरेन ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के पहले मुकाबले में सोमवार को उन्हें हरा दिया था।

महान हॉकी खिलाड़ी अशोक कुमार की हेल्थ पर आया बड़ा अपडेट

दो दिन पहले पड़ा था दिल का दौरा

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार की शहर के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई और अब उनकी हालत स्थिर है। उनके पारवारिक के लोगों ने जानकारी दी। उनकी एंजियोप्लास्टी सोमवार को हुई। अशोक कुमार को रविवार को सीने में दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। सूत्र ने कहा, उनकी सफल एंजियोप्लास्टी एस्कॉर्ट्स अस्पताल में हुई। डॉक्टरों ने कुछ स्टेंट डाले हैं चूंकि उनकी धमनी में ब्लॉकेज पाई गई थी। वह खतरे से बाहर हैं और उनकी हालत स्थिर है। अशोक कुमार 1975 में विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ विजयी गोल दागा था। वह म्युनिख ओलंपिक 1972 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। 74 वर्ष के अशोक कुमार को 1974 में अर्जुन पुरस्कार मिला था।

पीसीबी के अध्यक्ष ने दिए गोली मारने के आदेश

पाकिस्तान में बड़ा बवाल, चैंपियंस ट्रॉफी पर खतरा

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है, जिसको लेकर फिलहाल टकराव बरकरार है. भारत सरकार ने पाकिस्तान में सुरक्षा के खतरे का हवाला देकर टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है लेकिन पाकिस्तानी बोर्ड टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने की मांग नहीं मान रहा. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी सुरक्षा को लेकर लगातार बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं लेकिन अब उन्होंने ही अचानक पाकिस्तानी सेना को गोली मारने के आदेश दे दिए हैं. जिस वजह से उन्होंने ये आदेश दिए हैं, वो बहुत चौंकाने वाली है, जिससे पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन मुश्किल में पड़ सकता है. असल में इस वक्त पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति बुरी तरह बिगड़ी हुई है. करीब 3 महीने बाद होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ही पाकिस्तान में इस वक्त हिंसा के हालात बन गए हैं. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पीटीआई के समर्थक सड़कों पर उतर आए हैं और उन्होंने राजधानी इस्लामाबाद का घेराव कर लिया, जिसके बाद वहां सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हो गई. पाकिस्तान से आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉकडाउन नाकाम होने के बाद पैरामिलिट्री रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर बुलेट से फायर किए, जिससे हालात बेकाबू हो गए. प्रदर्शनकारी सीधे सुरक्षाबलों पर टूट पड़े और इसके बाद हुई हिंसा में 4 पाकिस्तानी रेंजर मारे गए. इसके बाद ही मोहसिन नकवी ने प्रदर्शनकारियों को गोली का जवाब गोली से देने की चेतावनी जारी कर दी और सेना को तैनात करते हुए 'शूट एट साइट' यानि देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए. आपको बता दें, मोहसिन नकवी सिर्फ पीसीबी के बॉस ही नहीं हैं, बल्कि पाकिस्तान के इंटीरियर मिनिस्टर यानि आंतरिक मामलों के मंत्री भी हैं. इसके अलावा पाकिस्तान में इस वक्त शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच भी भयंकर टकराव चल रहा है, जिसमें पिछले कुछ वक्त में 150 लोगों की मौत हो गई है. पाकिस्तानी सेना इस टकराव को थामने में लगी हुई है लेकिन उसे यहां सफलता नहीं मिल पाई है. उसके ऊपर अब राजधानी में बेकाबू हो चुके इमरान समर्थक सेना और सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं.

गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 9 किलो जब्त

एक व्यक्ति को किया गया गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को कथित तौर पर गांजा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से 9 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आयुक्त की टास्क फोर्स टीम ने बंजारा हिल्स रोड नंबर 14 निवासी संतोष कुमार (25) को उस समय पकड़ा जब वह अपने साथ प्रतिबंधित सामान ले जा रहा था। डीसीपी टास्क फोर्स वाईवीएस सुधींद्र ने कहा कि संतोष ओडिशा में अपने मूल स्थान से शहर में गांजा लाया था और इसे स्थानीय ग्राहकों को बेच रहा था। संतोष से गांजा खरीदने वाले सात लोगों की भी पहचान कर ली गई और उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

कांग्रेस का ग्राफ देशभर में बढ़ रहा है: भट्टी

डिप्टी सीएम ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का ग्राफ देशभर में बढ़ रहा है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए गिरावट का संकेत है। बुधवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बातचीत में भट्टी ने कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश और झारखंड राज्यों में कांग्रेस पार्टी की हालिया जीत पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भाजपा के एक मंत्री को हराया। किसान कल्याण पर उपमुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार "रैतू भरोसा" योजना के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश तैयार कर रही है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ दिए गए बयानों पर टिप्पणी करते हुए भट्टी ने कहा कि बीआरएस नेता असमंजस की स्थिति में हैं और कोई नहीं जानता कि वह क्या बोल रहे हैं। उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि

कांग्रेस स्वतंत्रता, कल्याण और प्रगतिशील शासन के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने पिछली सरकारों द्वारा भूमि वितरण और रोजगार के पिछले वादों की आलोचना की और उन्हें पूरा करने में उनकी विफलता पर सवाल उठाया। भट्टी ने कांग्रेस द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा, 200 यूनिट तक सब्सिडी वाली बिजली और किसान ऋण माफी के त्वरित कार्यान्वयन सहित प्रमुख वादों को पूरा करने पर गर्व किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने 15 दिनों के भीतर किसानों के खातों में 18,000 करोड़ रुपये जमा किए, जो स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक रिकॉर्ड है।

उपमुख्यमंत्री ने बीआरएस शासन के तहत राज्य के शासन की निंदा की और उस पर वित्तीय कुप्रबंधन और तेलंगाना को कर्ज के बोझ तले छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने एक व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण के माध्यम से समावेशी शासन और हाशिए के समुदायों के कल्याण के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

भट्टी विक्रमार्क ने कल्याण छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों के बारे में चिंताओं को भी संबोधित किया, उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निगरानी लागू की जा रही है। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पात्र गरीब परिवारों को बड़े पैमाने पर आवंटित भूमि के वितरण की योजना बनाई है, जो कल्याण और प्रगति पर इसके फोकस की पुष्टि करता है। आगामी विधानसभा सत्र के बारे में बोलते हुए, भट्टी ने विपक्ष से रचनात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि बहस व्यवधान के बजाय विकास पर केंद्रित हो।

खम्मम में दम्पति की हत्या

जांच में जुटी पुलिस

खम्मम, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नेलाकोंडापल्ली में बुधवार को एक व्यक्ति और उसकी पत्नी की उनके घर में हत्या कर दी गई। हत्यारों ने खोजी कुत्तों से बचने के लिए घटनास्थल पर मिर्च पाउडर छिड़क दिया था। पुलिस के अनुसार, हैदराबाद में रहने वाले दंपत्ति के बेटे ने उन्हें कई बार फोन किया था।

जब उन्होंने उसके फोन का जवाब नहीं दिया, तो उसने अपने एक दोस्त को उनके घर आकर अपने माता-पिता का हालचाल जानने के लिए बुलाया। जब वह व्यक्ति घर गया तो देखा कि रमना और कृष्णा कुमारी नामक दंपत्ति मृत अवस्था में थे और उसने तुरंत पुलिस को फोन किया।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और सुराग टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने पाया कि घर में हर जगह मिर्च पाउडर छिड़का हुआ था। मामले की जांच की जा रही है।

ईआईपीएल अपार्टमेंट में लगी आग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह मणिकोंडा स्थित ईआईपीएल अपार्टमेंट में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, आग संभवतः पुप्पलगुडा, मणिकोंडा स्थित अपार्टमेंट बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में लगी थी। फ्लैट से घना धुआं निकलता देख, बिल्डिंग में रहने वाले लोग सुरक्षित बचने के लिए अपने फ्लैट से बाहर निकल आए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और दमकल अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। अधिकारी आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।

रमंतापुर में आग लगने से 9 दोपहिया वाहन खाक

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के रमंतापुर में बुधवार सुबह आग लगने से दो इलेक्ट्रिक बाइक समेत 9 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। बाइकें रमंतापुर के विवेकनगर में एक अपार्टमेंट की इमारत में खड़ी थीं। यह घटना तब हुई जब एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में आग लग गई और आग फैल गई, जिससे बाकी बाइकें भी जलकर खाक हो गईं। इससे पहले कि स्थानीय लोग आग बुझा पाते, सभी गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि इलेक्ट्रिक स्कूटर में आग लग गई होगी, जिसके कारण यह घटना हुई। हालांकि, पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने का कारण पता चल पाएगा।

छात्रों के भोजन में जहर मिलने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने नारायणपेट जिले के मगनूर जिला परिषद हाई स्कूल में भोजन में जहर मिलने की घटना पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने पूछा, "क्या अधिकारी इस घटना के समय सो रहे थे?" हाईकोर्ट ने कहा कि स्कूल में भोजन में जहर मिलने की घटना बहुत गंभीर मुद्दा है। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को बनाए नहीं रखा जा रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता चिक्कुडु प्रभाकर ने दलील दी। उन्होंने कोर्ट के संज्ञान में यह भी लाया कि राज्य भर के सभी सरकारी स्कूलों में भोजन अक्सर उपलब्ध रहता है। हाईकोर्ट ने कहा, "अगर सप्ताह में तीन बार भोजन में जहर मिलने की घटनाएं होती हैं, तो आप अधिकारियों के साथ क्या करते हैं? क्या आप तब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं करते, जब तक कि बच्चे मर न जाएं? यह अधिकारियों की लापरवाही का सबूत है। राज्य सरकार इसे गंभीरता से नहीं ले रही है।" इसने सरकार के वकील द्वारा एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने की पेशकश पर भी नाराजगी जताई। इसने पूछा कि जिला मुख्यालय पर अधिकारी से संपर्क करने और विवरण एकत्र करने के लिए एक सप्ताह का समय क्यों चाहिए। "क्या अधिकारी केवल तभी काम करेंगे जब उच्च न्यायालय आदेश देगा? उनके भी बच्चे हैं, है न? हमें मानवीय तरीके से काम करना होगा। यदि कोई गैर-जमानती वारंट जारी किया जाता है, तो संबंधित अधिकारी 5 मिनट के भीतर पेश होगा," उच्च न्यायालय ने कहा। हाल ही में मगनूर हाई स्कूल में दोपहर का भोजन करने के बाद 50 से अधिक लोग बीमार हो गए। उसी स्कूल में एक सप्ताह के भीतर 29 छात्र फिर से बीमार हो गए। मंगलवार को दोपहर का भोजन करने वाले छात्र अपने घर लौटते समय उल्टी कर रहे थे। शिक्षकों ने उन्हें स्थानीय पीएचसी में ले जाकर उनका इलाज किया। 29 छात्रों में से सात तुरंत ठीक हो गए। शेष 22 को मकतल सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

कक्षा 7 के छात्र ने की आत्महत्या

कारण अज्ञात, सदमें में परिजन

वानापर्थी, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनापुर मंडल मुख्यालय स्थित एससी आवासीय विद्यालय का सातवीं कक्षा का छात्र प्रवीण अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। मदनपुर के पोन्नुरू गांव के रहने वाले प्रवीण का शव कमरे में लटका हुआ मिला। इस कदम के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रवीण के माता-पिता अपनी आजीविका के लिए हैदराबाद में रहते हैं, जबकि वह आवासीय विद्यालय में रहता था। बताया जाता है कि प्रवीण को मंगलवार को स्कूल में कबड्डी खेलते समय चोट लग गई थी।

स्कूल स्टाफ ने बुधवार को उसके परिजनों को घायल होने की सूचना दी। वे प्रवीण को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के लिए हॉस्टल पहुंचे। जब उन्होंने प्रिंसिपल से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि प्रवीण छात्रावास में है, जहां वह कथित तौर पर आराम कर रहा था लेकिन प्रवीण के रिश्तेदारों ने उसे छात्रावास में पंखे से लटका हुआ पाया। उसे तुरंत वानापर्थी एरिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी मौत की पुष्टि की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि प्रवीण की शारीरिक शिक्षा के दौरान एक अन्य छात्र के साथ हाथापाई हुई थी, जिसके कारण उसे गंभीर चोटें आईं। प्रवीण की चोटों के बावजूद स्कूल द्वारा उसे अस्पताल में भर्ती न कराने से संदेह पैदा हो गया है। यह घटना राज्य में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या में इजाफा करती है, जो एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति को उजागर करती है। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी प्रवीण की मौत के आसपास की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार बीआरएस की राह पर : भाजपा

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक डॉ. एनवीएसएस प्रभाकर ने आज कहा कि कांग्रेस सरकार बीआरएस तेलंगाना में बीआरएस के राह पर चल रही है और लोगों को समझाने के लिए आलोचना और प्रति-आलोचना तक ही सीमित है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर बीआरएस पार्टी के शासन में के-टैक्स संग्रह किया गया था, तो कांग्रेस सरकार पर आर-टैक्स संग्रह करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, "राहुल गांधी की बाईं आंख केसीआर है। वह अपनी दाईं आंख से रेवंत रेड्डी की तरह व्यवहार कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस-कांग्रेस पार्टियां मियापुर भूमि सौदे, मूसी सौंदर्यीकरण, परियोजनाओं के

लिए भूमि अधिग्रहण, दलबदल और ड्रग मामलों में खुद को आलोचना तक सीमित करके लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस पार्टी की सोच के अनुसार शासन करना जारी रखेगी। "अगर केसीआर फार्महाउस से शासन करते थे, तो अब रेवंत रेड्डी दिल्ली जाकर शासन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जिन्होंने उद्योगपति अदानी के दान को अस्वीकार करने का दावा किया था। कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने सवाल किया कि रेवंत रेड्डी ने उन ठेकेदारों से लिए गए दान को क्यों नहीं लौटाया, जो तेलंगाना राज्य के खजाने से निर्मित कालेश्वरम परियोजना के पतन के लिए जिम्मेदार थे? उन्होंने पूछा, "कांग्रेस सरकार ने अतिक्रमणकारियों और बिल्डरों से प्राप्त दान को क्यों नहीं लौटाया, जिन्होंने राज्य के कई हिस्सों में तालाबों की जमीन पर अतिक्रमण किया है और उन्हें रियल एस्टेट के कारोबार में बदल दिया है और करोड़ों रुपये लूटे हैं।" भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए, डॉ एन.वी.एस.एस. प्रभाकर ने कांग्रेस पार्टी की अक्षमता और विफलता पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि क्या वह सार्वजनिक डोमेन में कांग्रेस सरकार के एक साल के शासन पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.